राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में
दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक हिंदी पाठ्यक्रमों की रूप-रेखा

भास्कर लाल कर्ण

डॉ0 & प्रोफ़ेसर, हिंदी विभाग, मोतीलाल नेहरू महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

हिंदी

स्नातक पाठ्यक्रम

- हिंदी विशेष
- बी. ए. प्रोग्राम
- बी. कॉम. प्रोग्राम
- अन्य सभी प्रोग्राम और विशेष
- मूल्याँकन पद्धति और कुछ अन्य लिंक

हिंदी विशेष (HINDI HONS)

Semester I	Semester II	Semester III	Semester IV	Semester V	Semester VI	Semester VII	Semester VIII
• DSC 1	• DSC 4	• DSC 7	• DSC 10	• DSC 13	• DSC 16	• DSC 19	• DSC 20
• DSC 2	• DSC 5	• DSC 8	• DSC 11	• DSC 14	• DSC 17	• DSE 5	• DSE 6
• DSC 3	• DSC 6	• DSC 9	• DSC 12	• DSC 15	• DSC 18	• GE 7	• GE 8
• GE 1	• GE 2	• GE 3 or DSE 1	• GE 4 or DSE 2	• GE 5	• GE 6	• Research	• Research
• AEC EVS 1	• AEC HN 1	• AEC EVS 2	• AEC HN 2	• DSE 3	• DSE 4		
• SEC 1	• SEC 2	• SEC 3	• SEC 4	• SEC 5	• SEC 6		
• VAC 1	• VAC 2	• VAC 3	• VAC 4				

DSC (DISCIPLINE SPECIFIC COURSE) CREDIT : 3L+1T

- DSC 1 हिंदी कविता : आदिकाल एवं निर्गुण भक्तिकाव्य
- DSC 2 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)
- DSC 3 हिंदी कहानी
- DSC 4 हिंदी कविता : सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य
- DSC 5 हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
- DSC 6 हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ
- DSC 7 भारतीय साहित्य
- DSC 8 हिंदी नाटक एवं एकांकी
- DSC 9 सामान्य भाषा विज्ञान
- DSC 10 भारतीय काव्यशास्त्र
- DSC 11 आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)
- DSC 12 हिंदी उपन्यास
- DSC 13 पाश्चात्य काव्यशास्त्र
- DSC 14 आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)
- DSC 15 हिंदी आलोचना
- DSC 16 हिंदी भाषा : स्वरूप, संरचना एवं इतिहास
- DSC 17 अस्मितामूलक हिंदी साहित्य
- DSC 18 कथेतर गद्य साहित्य
- DSC 19 हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएँ
- DSC 20 हिंदी साहित्य में भारतबोध

GE (GENERAL ELECTIVES) CREDIT : 3L+1T FOR OTHER HONS ONLY

- **Semester 1** (निम्नलिखित में से कोई एक)
  - हिंदी का वैश्विक परिदृश्य
  - हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन
  - हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद
- **Semester 2** (निम्नलिखित में से कोई एक)
  - पटकथा और संवाद लेखन
  - भाषा और समाज
  - हिंदी भाषा और लिपि का इतिहास
- **Semester 3** (निम्नलिखित में से कोई एक)
  - सेमेस्टर I और II, सेमेस्टर III के लिए भी खुले रहेंगे

  (Semester I and II will also be open for Semester III)
- **Semester 4** (निम्नलिखित में से कोई एक)
  - ब्लॉग लेखन
  - हिंदी भाषा और विज्ञापन
- **Semester 5** (निम्नलिखित में से कोई एक)
  - कंप्यूटर और हिंदी
  - रंगमंच और लोक साहित्य
- **Semester 6** (निम्नलिखित में से कोई एक)
  - भारतीय ज्ञान परम्परा
  - हिंदी गीतिकाव्य
- **Semester 7** (निम्नलिखित में से कोई एक या दो, चयन पर निर्धारित)
  - आख्यानपरक हिंदी साहित्य
  - हिंदी साहित्य का सिनेमा में रूपांतरण
  - हिंदी साहित्य और सोशल मीडिया
  - हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग-1)
- **Semester 8** (निम्नलिखित में से कोई एक या दो, चयन पर निर्धारित)
  - हिंदी साहित्य और सांस्कृतिक चिंतन
  - नाट्य रूपांतरण
  - हिंदी शिक्षण
  - हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग – 2)

DSE (DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVES) CREDIT : 3L+1T

- Semester 3 (निम्नलिखित में से कोई एक)
  - हिंदी की मौखिक और लोक साहित्य परंपरा
  - राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा
  - रचनात्मक लेखन
- Semester 4 (निम्नलिखित में से कोई एक)
  - हिंदी लोक-नाट्य
  - पर्यावरण और हिंदी साहित्य
  - जनसंचार माध्यम और तकनीक
- Semester 5 (निम्नलिखित में से कोई एक)
  - भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच
  - हिंदी सिनेमा : व्यावहारिक संदर्भ
  - हिंदी यात्रा साहित्य
- Semester 6 (निम्नलिखित में से कोई एक)
  - हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण
  - भाषा दक्षता और तकनीक
  - गाँधी दर्शन और हिंदी साहित्य
  - शोध-प्रविधि
- Semester 7 (निम्नलिखित में से कोई एक/दो/तीन , यह संख्या GE के चयन पर निर्भर करता है।)
  - कबीरदास
  - तुलसीदास
  - भारतेंदु हरिश्चंद
  - जयशंकर प्रसाद
  - महादेवी वर्मा
  - सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
- Semester 8 (निम्नलिखित में से कोई एक/दो/तीन , यह संख्या GE के चयन पर निर्भर करता है।)
  - भारत भारती
  - रश्मिरथी
  - गोदान
  - राग –दरबारी
  - आषाढ़ का एक दिन
  - रात का रिपोर्टर

AEC (ABILITY ENHANCEMENT COURSE) CREDIT : 2L+0T

- **Semester 1 or 2**
  - AEC (A) - हिंदी भाषा : संप्रेषण और संचार
    (12th तक हिंदी पढ़े विद्यार्थियों के लिए)
  - AEC (B) - हिंदी औपचारिक लेखन
    (10th तक हिंदी पढ़े विद्यार्थियों के लिए)
  - AEC (C) - सोशल मीडिया और ब्लॉग लेखन
    (8th तक हिंदी पढ़े विद्यार्थियों के लिए)
  - AEC (D) - लिपि ज्ञान और आधारभूत शब्दावली
    (विदेशी विद्यार्थियों के लिए)
  - AEC (E) - हिंदी में वार्तालाप, व्यावहारिक व्याकरण
    (8th तक हिंदी ना पढ़े विद्यार्थियों के लिए)

- **Semester 3 or 4**
  - AEC (A) - व्यावहारिक हिंदी
    (12th तक हिंदी पढ़े विद्यार्थियों के लिए)
  - AEC (B) - जनसंचार और रचनात्मक लेखन
    (10th तक हिंदी पढ़े विद्यार्थियों के लिए)
  - AEC (C) - हिंदी भाषा और तकनीक
    (8th तक हिंदी पढ़े विद्यार्थियों के लिए)
  - AEC (D) - भारतीय संस्कृति, जनजीवन, हिंदी लेखन
    (विदेशी विद्यार्थियों के लिए)
  - AEC (E) - देवनागरी लिपि, हिंदी में लेखन
    (8th तक हिंदी ना पढ़े विद्यार्थियों के लिए)

SEC (SKILL ENHANCEMENT COURSE) CREDIT : 0L+2P

- निम्नलिखित में से किसी एक विकल्प को किसी भी सेमेस्टर में चुना जा सकता है लेकिन दुहराया नहीं जा सकता।

  - पटकथा लेखन
  - रंगमंच
  - रचनात्मक लेखन

VAC (VALUE ADDITION COURSE) CREDIT : 1L+1P

- निम्नलिखित में से किसी एक विकल्प को किसी भी सेमेस्टर में चुना जा सकता है लेकिन दुहराया नहीं जा सकता।

  - भारतीय भक्ति परंपरा और मानव-मूल्य
  - साहित्य, संस्कृति और सिनेमा
  - सृजनात्मक लेखन के आयाम

बी. ए. प्रोग्राम (B. A. PROGRAMME) हिंदी

Semester I	Semester II	Semester III	Semester IV	Semester V	Semester VI	Semester VII	Semester VIII
• DSC A	• DSC A	• DSC A	• DSC A	• DSC A	• DSC A	• DSC	• DSC
• DSC A1	• DSC A1	• DSC A1	• DSC A1	• DSC A1	• DSC A1	• DSE	• DSE
• DSC B	• DSC B	• DSC B	• DSC B	• DSC B	• DSC B	• GE	• GE
• GE/L HN	• GE/L EN	• GE/L HN	• GE/L EN	• GE	• GE	• SEC 7	• SEC 8
• AEC HN1	• AEC EVS	• AEC HN2	• AEC EVS	• DSE	• DSE		
• SEC 1	• SEC 2	• SEC 3	• SEC 4	• SEC 5	• SEC 6		
• VAC 1	• VAC 2	• VAC 3	• VAC 4				

DSC (DISCIPLINE SPECIFIC COURSE) CREDIT : 3L+1T A = MAJOR / B = MINOR

- **Semester 1**
  - DSC A - हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास
  - DSC A1 – हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन
  - DSC B - हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास
- **Semester 2**
  - DSC A - हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिक काल)
  - DSC A1 – हिंदी का मौखिक साहित्य और उसकी परंपरा
  - DSC B - हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिक काल)
- **Semester 3**
  - DSC A - हिंदी कथा साहित्य
  - DSC A1 - जनपदीय साहित्य (लोकनाट्य विशेष)
  - DSC B - हिंदी कथा साहित्य
- **Semester 4**
  - DSC A - अन्य गद्य विधाएँ
  - DSC A1 – किसी एक साहित्यकार का अध्ययन (भारतेन्दु या जयशंकर प्रसाद)
  - DSC B - अन्य गद्य विधाएँ
- **Semester 5**
  - DSC A - हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण
  - DSC A1 - राजभाषा और राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी
  - DSC B - हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण
- **Semester 6**
  - DSC A - साहित्य चिंतन
  - DSC A1 – विमर्श की सामाजिकी और हिंदी साहित्य
  - DSC B - साहित्य चिंतन
- **Semester 7**
  - DSC - राम काव्य परंपरा
- **Semester 8**
  - DSC - हिंदी निबंध

GE (GENERAL ELECTIVES) CREDIT : 3L+1T

GE/Language (8वीं और उससे आगे हिंदी पढ़े सभी विद्यार्थियों के लिए)

- **Semester 1 or 2**
  - A - हिंदी भाषा और साहित्य (12वीं तक हिंदी पास के लिये)
  - B - हिंदी भाषा और साहित्य (10वीं तक हिंदी पास के लिये)
  - C - हिंदी भाषा और साहित्य (8वीं तक हिंदी पास के लिये)
- **Semester 3 or 4**
  - A - हिंदी गद्य : उद्भव और विकास (12वीं तक हिंदी पास के लिये)
  - B - हिंदी गद्य : उद्भव और विकास (10वीं तक हिंदी पास के लिये)
  - C - हिंदी गद्य : उद्भव और विकास (8वीं तक हिंदी पास के लिये)

GE (सेमेस्टर 5 से 8 तक दूसरे डिसिप्लिन विद्यार्थियों द्वारा चयनित)

- **Semester 5 (निम्नलिखित में से कोई एक)**
  - लोकप्रिय हिंदी साहित्य
  - प्रवासी हिंदी साहित्य
- **Semester 6 (निम्नलिखित में से कोई एक)**
  - हिंदी बाल साहित्य
  - हिंदी साहित्य और भारतीय मूल्य-बोध
- **Semester 7 (निम्नलिखित में से कोई एक या दो, चयन पर निर्धारित)**
  - आख्यानपरक हिंदी साहित्य
  - हिंदी साहित्य का सिनेमा में रूपांतरण
  - हिंदी साहित्य और सोशल मीडिया
  - हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग-1)
- **Semester 8 (निम्नलिखित में से कोई एक या दो, चयन पर निर्धारित)**
  - हिंदी साहित्य और सांस्कृतिक चिंतन
  - नाट्य रूपांतरण
  - हिंदी शिक्षण
  - हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग – 2)

DSE (DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVES) CREDIT : 3L+1T

- **Semester 5** (निम्नलिखित में से कोई एक)
  - विभाजन विभीषिका और हिंदी साहित्य
  - व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा
  - हिंदी की प्रमुख संस्थाएँ एवं पत्र-पत्रिकाएँ

- **Semester 6** (निम्नलिखित में से कोई एक)
  - हिंदी नवजागरण
  - हिंदी स्त्री-लेखन
  - भक्ति आंदोलन और हिंदी साहित्य

- **Semester 7** (निम्नलिखित में से कोई दो / तीन / चार। यह संख्या GE के चयन पर निर्भर करता है।)
  - मीरा
  - घनानंद
  - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
  - रघुवीर सहाय
  - कृष्ण सोबती
  - हरिशंकर परसाई

- **Semester 8** (निम्नलिखित में से कोई दो / तीन / चार। यह संख्या GE के चयन पर निर्भर करता है।)
  - रंगभूमि
  - शृंखला की कड़ियाँ
  - माधवी
  - दोहरा अभिशाप
  - एक दुनिया : समानांतर
  - परंपरा का मूल्यांकन

B.COM (PROGRAMME)

GE Language (8वीं और उससे आगे हिंदी पढ़े सभी विद्यार्थियों के लिए) credit : 3L+1T

- **Semester 1 or 2**
  - A - हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास (12वीं तक हिंदी पास के लिये)
  - B - हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास (10वीं तक हिंदी पास के लिये)
  - C - हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास (8वीं तक हिंदी पास के लिये)
- **Semester 3 or 4**
  - A - हिंदी गद्य विकास के विविध चरण (12वीं तक हिंदी पास के लिये)
  - B - हिंदी गद्य विकास के विविध चरण (10वीं तक हिंदी पास के लिये)
  - C - हिंदी गद्य विकास के विविध चरण (8वीं तक हिंदी पास के लिये)

AEC

SEC

VAC

DSC 1 हिंदी कविता : आदिकाल एवं निर्गुण भक्तिकाव्य

DSC (DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

हिंदी कविता (आदिकाल एवं निर्गुणभक्ति काव्य)
Core Course - (DSC)-1
कोर कोर्स 1

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कविता : आदिकाल एंव निर्गुण भक्तिकाव्य	कोर कोर्स (DSC) 1	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

1. हिंदी साहित्य के आदिकालीन और भक्तिकालीन साहित्य से अवगत कराना।
2. आदिकाल के दो प्रमुख कवियों – चंदबरदाई और विद्यापति की विषिष्ट भूमिका रही है। इससे विद्यार्थियों को अवगत कराना।
3. निर्गुणभक्ति काव्य के अंतर्गत – संतकाव्य एवं प्रेमाख्यानक काव्य के प्रमुख कवियों – कबीर, जायसी आदि का अध्ययन करना और हिंदी साहित्य में उनके योगदान की चर्चा करना।

Course learning outcomes

1. आदिकाल के परिवेष – राजनीतिक, सामाजिक सांस्कृतिक, धार्मिक परिस्थितियों से भली–भांति परिचित हो सकेंगे।
2. आदिकाल में चंदबरदाई के साहित्यिक और संगीत के क्षेत्र में योगदान से परिचित हो सकेंगे।
3. भक्तिकाल हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग है। इसके अध्ययन से मानवीय और नैतिक मूल्यों का विकास होगा।
4. भक्तिकाल के साहित्य में सामंती व्यवस्था का विरोध हुआ, यह इस काव्य की विषिष्ट उपलब्धि है।

Unit 1 (15 घंटे)

चंदबरदाई – पृथ्वीराज रासो, सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी, नामवर सिंह
(साहित्य भवन प्रा. लि. इलाहाबाद)

बानबेध समय
कवित्त (10–11)

- प्रथम मुक्कि दरबार। लज्ज संर सुरतानी।।

....

किहि थांन लोइ संभरि घनी। कहौ सुबत्त लज्जौ न लजि।।

बानबेध समय
दूहा (20–33, 49)

- हम अबुद्धि सुरतान इह। भट्ट भाष सुष काज।।

....

प्रथम राज पासहु गयौ। जब रुक्कयौ दह हथ्थ।।

- चवै चंद बरदाइ इम। सुति मीरन सुनतान।।

दे कमान चौहान कौं। साहि दिनै कछु दान।।

बानबेध समय
पद्धरी (50–53)

- संगहें पान कम्मान राज। उम्भरे अंग अंतर विराज।।

....

निसुरत्ति आनि दिय साहि हथ्थ। तरकस्स तीर गोरी गुरथ्थ।।

बानबेध समय
कवित्त (54,55,56)

- ग्रहिय तीर गोरिस्स। कीन बिन इच्छ अप्प कर।।

....

श्रृगांर वीर करूना विभछ। भय अदभुत इसंत सम।।

Unit 2 (15 घंटे)

विद्यापति – सं. डॉ. षिवप्रसाद सिंह, (लोकभारती प्रकाषन, इलाहाबाद)

वंषी माधुरी

- नन्दक नन्दन कदम्बेरि तरुतरे

....

वन्दह नन्दकिसोरा।।

रूप वर्णन

- देख–देख राधा–रूप अपार

....

करू अभिलाख मनहि पद–पंकज अहोनिसि कोर अगोरि।

पद–14

- चाँद–सार लए मुख घटना करु लोचन चकित चकोरे।

....

रूप नरायन ई रस जानथि सिबसिंघ मिथिला भूपे।

पद–24

- बदन चाँद तोर नयन चकोर मोर

....

रूपनरायन जाने।।

Unit 3 (15 घंटे)

कबीर – कबीर – ग्रंथावली, संपादक – डॉ. श्यामसुंदर दास
(नागरी प्रचारिणी सभा वाराणसी)
साखी : गुरूदेव कौ अंग – 1 से 16 तक
विरह कौ अंग – 1 से 8, 21,22,23,44,45
पद संख्या – 378,400

Unit 4 (15 घंटे)

जायसी – जायसी ग्रंथावली – (सं.) रामचंद्र शुक्ल
मानसरोदक खण्ड

References

- त्रिवेणी – रामचंद्र शुक्ल
- कबीर – हजारीप्रसाद द्विवेदी
- भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पांडेय
- हिंदी सूफीकाव्य की भूमिका – रामपूजन तिवारी
- सूफी कविता की पहचान – यष गुलाटी
- निर्गुण काव्य में नारी – अनिल राय

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

Back Home

DSC 2 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं भक्तिकाल)

DSC (DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)
Core Course - (DSC)-2
कोर कोर्स 2

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल एवं मध्यकाल)	कोर कोर्स (DSC) 2	4	3	1	-	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

- हिंदी साहित्य के इतिहास की जानकारी
- प्रमुख इतिहास ग्रन्थों की जानकारी
- आदिकाल, मध्यकाल के इतिहास की जानकारी

Course learning outcomes

- हिंदी साहित्य के इतिहास का ज्ञान
- इतिहास ग्रन्थों का विश्लेषण
- इतिहास निर्माण की पद्दति

Unit 1 (15 घंटे)

हिंदी साहित्य : इतिहास–लेखन

- हिंदी साहित्य के इतिहास–लेखन की परंपरा का परिचय
- हिंदी साहित्य : काल–विभाजन एंव नामकरण

Unit 2 (15 घंटे)
आदिकाल

339 | Page

- आदिकाल का राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेष और साहित्यिक पृष्ठभूमि
- सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य
- रासो काव्य
- लौकिक साहित्य

Unit 3 (15 घंटे)
भक्तिकाल (पूर्वमध्यकाल)

- भक्ति – आंदोलन और उसका अखिल भारतीय स्वरूप
- भक्ति साहित्य की दार्शनिक पृष्ठभूमि
- भक्तिकाल की धाराएँ :

1. निर्गुण धारा (ज्ञानाश्रयी शाखा, प्रेममार्गी सूफी शाखा)
2. सगुण धारा (राममक्ति शाखा, कृष्णभक्ति शाखा)

Unit 4 (15 घंटे)

रीतिकाल (उत्तरमध्यकाल)

- युगीन पृष्ठभूमि (राजनीतिक, सामाजिक–सांस्कृतिक–आर्थिक परिवेष, साहित्य एवं संगीत आदि कलाओं की स्थिति)
- काव्य – प्रवृतियाँ

1. रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध
2. रीतिमुक्त काव्य
3. वीरकाव्य, भक्तिकाव्य, नीतिकाव्य

References

- हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
- हिंदी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- आदिकालीन हिंदी साहित्य : अध्ययन की दिशाएँ : संपा, अनिल राय
- हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स – रसाल सिंह

Additional Resources:

- मध्यकालीन साहित्य और सौंदर्यबोध – मुकेष गर्ग
- भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार – संपा, गोपेश्वर सिंह
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- हिंदी साहित्य का इतिहास – संपा, डा. नगेन्द्र
- हिंदी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- साहित्य का इतिहास दर्षन – नलिन विलोचन षर्मा
- साहित्य और इतिहास दृष्टि – मैनेजर पांडेय

Teaching learning process
कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा
1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods
असाइनमेंट
इतिहास लेखन से जुड़े शब्द

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DSC 3 हिंदी कहानी

हिंदी कहानी
Core Course - (DSC)-3
कोर कोर्स 2

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कहानी	कोर कोर्स (DSC) 3	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)
हिंदी कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी
कहानी विश्लेषण की समझ
कथा साहित्य में कहानी की स्थिति का विश्लेषण
प्रमुख कहानियाँ और कहानीकार
Course learning outcomes

हिंदी कथा साहित्य का परिचय
कहानी लेखन और प्रभाव का विश्लेषण
प्रमुख कहानीकार और उनकी कहानी के माध्यम से कहानी की उपयोगिता और विश्लेषण की समझ

Unit 1 (15 घंटे)

उसने कहा था – गुलेरी
पंच परमेश्वर – प्रेमचंद

Unit 2 (15 घंटे)
तीसरी कसम – रेणु
चीफ की दावत – भीष्म साहनी

Unit 3 (15 घंटे)

वारिस – मोहन राकेष
वापसी – उषा प्रियंवदा

Unit 4 (15 घंटे)
दोपहर का भोजन – अमरकान्त
घुसपैठिए – ओमप्रकाष वाल्मीकि

References

कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह
नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर
एक दुनिया समानान्तर – राजेंद्र यादव
हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान – रामदरष मिश्र
हिंदी कहानी का इतिहास – गोपल राय
नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति – देवीषकर अवस्थी
हिंदी कहानी का विकास – मधुरेष
हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी

Additional Resources:

साहित्य अकादेमी द्वारा प्रकाषित मोनोग्राफ – गुलेरी, प्रेमचंद, प्रसाद, जैनेन्द्र, रेणु, भीष्म साहनी, निर्मल वर्मा, अमरकान्त
कहानी का लोकतन्त्र – पल्लव
पत्रिकाएँ – पहल, हंस, नया ज्ञानोदय, समकालीन भारतीय साहित्य
ई पत्रिका – हिंदी समय, गद्य कोष

Teaching learning process

कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा, कहानी वाचन

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Asessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords
कहानी

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DSC 4 हिंदी कविता : सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य

हिंदी कविता : सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कविता : सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य	कोर कोर्स (DSC) 4	4	3	1	0	DSC

Course Objective

- सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकालीन काव्य का अध्ययन समयावधि की साहित्यिक स्थिति से अवगत कराएगा
- सामाजिक – राजनीतिक – सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में कविता के अध्ययन – विश्लेषण की जानकारी देना

Course learning outcomes

- हिंदी के मध्यकालीन साहित्य का विशिष्ट परिचय प्राप्त होगा।
- ब्रजभाषा के समृद्ध साहित्य का रसास्वादन और आलोचनात्मक ज्ञान प्राप्त होगा।

Unit 1 — 10 घंटे

गोस्वामी तुलसीदास : रामचरित मानस,
(सुन्दर काण्ड)
गीताप्रेस, गोरखपुर

Unit 2 — 10 घंटे

सूरदास : भ्रमरगीतसार : (संपादक) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी , नई दिल्ली)

पद संख्या – (4,7,21,22,23,24,25,37,52,76,85)

Unit 3 — 10 घंटे

केशवदास – रामचंद्रिका : वन–गमन वर्णन

बिहारी – बिहारी रत्नाकार : श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकार'
(शिवाला, वाराणसी)
छंद संख्या – 1, 62, 103, 127, 128, 143, 180, 347

Unit 4 — 15 घंटे

घनानंद – घनानंद (ग्रंथावली) ; संपा. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र;
(वाणी वितान; बनारस–1)
सुजानहित (1, 4, 7, 18, 19, 38, 41)

भूषण – शिवभूषण तथा प्रकीर्ण रचना, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
छंद संख्या – 50, 104, 411, 420, 443, 512

References

- सूरदास – रामचंद्र शुक्ल
- गोस्वामी तुलसीदास – रामचंद्र शुक्ल
- भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पांडेय
- बिहारी – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- भूषण – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- गिरिधर कविराय ग्रंथावली – संपा. डॉ. किशोरीलाल गुप्त
- घनानंद और स्वच्छंदतावादी काव्यधारा – मनोहरलाल गौड़
- रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र
- कविवर बिहारीलाल और उनका युग – रणधीर प्रसाद शास्त्री
- भूषण और उनका साहित्य – राजमल बोरा
- हिंदी नीतिकाव्य का स्वरूप विकास – रामस्वरूप शास्त्री
- हिंदी साहित्य का उत्तरमध्यकाल : रीतिकाल – महेंद्र कुमार
- हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, भाग – 6 – संपा. डॉ. नगेन्द्र
- घनानंद ग्रंथावली – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

Additional Resources:

- सनेह को मारग – इमरै बंघा
- आर्या सप्तशती और बिहारी सतसई का तुलनात्मक अध्ययन – कैलाश नारायण तिवारी
- हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) – पूरनचंद टंडन

Teaching learning process
कक्षा व्याख्यान सामूहिक चर्चा

Asessment Methods
टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords
मध्यकालीनता, सामंतवाद, इतिहास

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DSC 5 हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	कोर कोर्स (DSC) 5	4	3	1	0	DSC

Course Objective

– साहित्येतिहास की अध्ययन प्रक्रिया में आधुनिक साहित्य के विकास का परिचय
– साहित्य के स्वरूप और प्रयोजन का ज्ञान
– साहित्य और समाज के आपसी रिश्ते और कालजयी कृतियों का परिचय

Course learning outcomes

– विकास के क्रम में साहित्य के जरिए समाज और संस्कृति की पहचान के लिए साहित्येतिहास के अध्ययन का महत्व निर्विवाद है।
– साहित्येतिहास के अध्ययन का एक प्रयोजन साहित्य के विकास की गति और दिशा के साथ–साथ समाज के विकास को भी चिह्नित करना है।
– साहित्येतिहास के बिना साहित्य–विवेक का उचित विकास और निर्माण संभव नहीं। अतः साहित्य–विवेक के निर्माण के लिए साहित्येतिहास का अध्ययन जरूरी है।

Unit 1 — 10 घंटे

- मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (नवजागरण की पृष्ठभूमि)
- नवजागरण की परिस्थितियाँ और भारतेन्दु युग
- महावीर प्रसाद द्विवेदी : हिंदी पत्रकारिता और खड़ी बोली आंदोलन
- स्वाधीनता आंदोलन और नवजागरणकालीन चेतना का उत्कर्ष, विभिन्न वैचारिक मत और हिंदी साहित्य से उनका संबंध

Unit 2 — 10 घंटे

- कथा साहित्य का विकास
- नाटक का विकास
- निबंध और अन्य गद्य विधाएँ (संस्मरण, यात्रा आख्यान, डायरी, रिपोर्ताज, रेखाचित्र, साक्षात्कार साहित्यिक पत्रकारिता और लघु पत्रिका)
- आलोचना का विकास

Unit 3 — 10 घंटे

- छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- उत्तर छायावाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- प्रगतिवाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- प्रयोगवाद : परिवेश और प्रवृत्तियाँ
- नयी कविता : परिवेश और प्रवृत्तियाँ

Unit 4 — 15 घंटे

- साठोत्तरी कविता, नवगीत, समकालीन कविता
- समकालीन कथा और कथेतर साहित्य
- आलोचना और सांहित्यिक पत्रकारिता
- अस्मितामूलक विमर्श : दलित, आदिवासी और स्त्री

References

1. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल
2. हिंदी साहित्य का इतिहास – संपादक –नगेन्द्र
3. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास – विश्वनाथ त्रिपाठी
4. आधुनिक साहित्य की प्रवृतियाँ – नामवर सिंह
5. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी
6. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. आधुनिक साहित्य – नंददुलारे वाजपेयी

additional Resources:

शिवसिंह सरोज – शिवसिंह सेंगर
हिंदी नवरत्न – मिश्र बंधु
समकालीन हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
हिंदी नाटक : नयी परख – संपादक – रमेश गौतम
कथेतर – माधव हाड़ा
भारतेन्दु प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण – रामविलास शर्मा
महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण – रामविलास शर्मा
छायावाद – नामवर सिंह
कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह
तारसप्तक और दूसरा सप्तक (पहला संस्करण और दूसरा संस्करण की भूमिकाएँ) – संपादक – अज्ञेय
हिंदी नवगीत : उद्भव और विकास – राजेंद्र गौतम
सामाजिक न्याय और दलित साहित्य–स. श्यौराज सिंह 'बेचैन'
आधी दुनिया का सच–कुमुद शर्मा
आदि–धर्म–रामदयाल मुंडा
आदिवासी साहित्य की भूमिका–गंगा सहाय मीणा

Teaching learning process

कक्षाओं में पारंपरिक और आधुनिक तकनीकी माध्यमों की सहायता से अध्ययन–अध्यापन,
समूह–परिचर्चाएँ

कक्षा में कमजोर विद्यार्थियों की पहचान और कक्षा के बाद उनकी अतिरिक्त सहायता

Asessment Methods

सतत मूल्यांकन
असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
सामूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

Keywords

साहित्य, आधुनिक साहित्य, साहित्येतिहास, साहित्य विवेक, साहित्येतिहास दृष्टियाँ, समाज और साहित्य की पहचान आदि।

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DSC 6 हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ	कोर कोर्स (DSC) 6	4	3	1	0	DSC

Course Objective

– अन्य गद्य विधाओं की जानकारी
– गद्य–विधाओ की विश्लेषण पद्धति
– प्रमुख गद्य विधाओं की चुनी हुई रचनाओ का अवलोकन

Course learning outcomes

– कथेतर साहित्य का परिचय
– विश्लेषण और रचना प्रक्रिया की समझ
– प्रमुख हस्ताक्षरों का परिचय

Unit 1
इकाई – 1 निबंध 10 घंटे

बालकृष्ण भट्ट – जातियों का अनूठापन (नेशनल चार्टर)
(भट्ट निबंधमाला, द्वितीय भाग, नागरीप्रचारिणी सभा, काशी)
सरदार पूर्ण सिंह – आचरण की सभ्यता

Unit 2 10 घंटे
इकाई – 2 निबंध

रामचंद्र शुक्ल – करूणा
हजारीप्रसाद द्विवेदी – भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या

Unit 3 10 घंटे
इकाई – 3 जीवनी एवं व्यंग्य

रामविलास शर्मा – 'निराला की साहित्य साधना' भाग –1 से 'नए संघर्ष' शीर्षक अध्याय
हरिशंकर परसाई – सदाचार का ताबीज

Unit 4 15 घंटे
इकाई – 4 संस्मरण एवं यात्रा–वृतांत

संस्मरण : अज्ञेय के साथ – आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री, 'हंसबलाका' से

यात्रा वृतांत : राहुल सांकृत्यायन – अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा

References

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
- हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- रामचंद्र शुक्ल संचयन – सं. नामवर सिंह (साहित्य अकादेमी)
- हजारी प्रसाद द्विवेदी संकलित निबंध – सं. नामवर सिंह (नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया)
- हिंदी आत्मकथा : सिद्धांत और स्वरूप विश्लेषण – विनीता अग्रवाल
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
- भरतेन्दु युग – रामविलास शर्मा
- छायावादोतर हिंदी गद्य साहित्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
- आधुनिक हिंदी गद्य का साहित्य – हरदयाल
- गद्यकार आचार्य जानकीवल्लभ शास्त्री – पाल वसीन
- साहित्य से संवाद – गोपेश्वर सिंह
- निबंधों की दुनिया – विजयदेव नारायण साही, प्र.सं. निर्मला जैन, हरिमोहन शर्मा

Teaching learning process

Asessment Methods

सतत मूल्यांकन
असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
सामूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

Keywords
सभी विधाएँ, यथार्थ, कल्पना, तथ्य, घटना आदि

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DSC 7 भारतीय साहित्य

DEPARTMENT OF HINDI

बी.ए. ऑनर्स (हिंदी)

भारतीय साहित्य

Core Course – (DSC) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
भारतीय साहित्य	कोर कोर्स (DSC7)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भारतीय साहित्य की अवधारणा से परिचिति कराना
- भारत की भौगोलिक, भाषिक और सांस्कृतिक विविधता का परिचय देना
- भारतीय सांस्कृतिक-बोध के विकास का परिचय कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भारतीय साहित्य के अध्ययन से सांस्कृतिक समझ विकसित होगी
- भारतीय सांस्कृतिक विविधता में निहित एकता की समझ विकसित होगी
- भारतीय साहित्यिक परंपरा के विकास की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- भारतीय साहित्य का संक्षिप्त परिचय: वैदिक, लौकिक, संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश तथा संगम साहित्य (तमिल भाषा)
- आधुनिक भारतीय भाषाओं के साहित्य का संक्षिप्त परिचय: असमिया, बांग्ला, उड़िया, गुजराती, मराठी, उर्दू, पंजाबी, कश्मीरी, सिंधी, मैथिली, तमिल, कन्नड़, तेलुगू, मलयालम

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- बाल्मीकि – 'सप्तपर्ण' : रामकाव्य का जन्म : पृष्ठ 115-119 में महादेवी वर्मा कृत अनुवाद
- कालिदास – 'उत्तरमेघ' : भगवतशरण उपाध्याय द्वारा संपादित 'नागार्जुन चुनी हुई रचनाएँ' पुस्तक से, पृष्ठ 345-349, छंद संख्या 22 से 27

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- नामदेव – (संत काव्य, सं. परशुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद, संस्करण 1952) पद सं. 11 से 14 तक
- ललद्यद – (भाषा, साहित्य और संस्कृति, विमलेशकांति वर्मा)
  मुझ पर वे चाहे हँसे.....
  गुरु ने मुझसे कहा.....
  हम ही थे.....
  पिया को खोजने.....
- सुब्रह्मण्यम भारती की कविताएँ: साहित्य अकादेमी; संस्करण 1983, 'स्वतंत्रता का गान', पृष्ठ 46-47

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- काबुलीवाला (कहानी) – रवींद्रनाथ ठाकुर
- रामविजय (नाटक) – शंकरदेव (असमिया)

सहायक ग्रंथों की सूची:

- आज का भारतीय साहित्य – प्रभाकरमाचवे, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- वैदिक संस्कृति का विकास – तर्कतीर्थ लक्ष्मण शास्त्री, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
- भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – डॉ. नगेंद्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय
- भारतीय साहित्य कोश – डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

DSC 8 हिंदी नाटक एवं एकांकी

सेमेस्टर – 3
हिंदी नाटक एवं एकांकी
Core Course – (DSC) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी नाटक एवं एकांकी	कोर कोर्स (DSC8)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- नाटक के उद्भव और विकास का परिचय देना
- नाटक के सांस्कृतिक और सामाजिक पक्ष का परिचय देना
- नाटक की सर्वांगीण समझ विकसित करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- नाट्य परंपरा का परिचय प्राप्त होगा
- नाटक के सांस्कृतिक पक्ष और शैली के परिचय से विश्लेषण क्षमता विकसित होगी
- हिंदी के प्रमुख नाटकों के अध्ययन से हिंदी नाटक की विकास यात्रा का परिचय प्राप्त होगा

इकाई – 1 (12 घंटे)

- भारत-दुर्दशा – भारतेंदु हरिश्चंद्र

इकाई – 2 (12 घंटे)

- ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

इकाई – 3 (12 घंटे)

- कथा एक कंस की – दया प्रकाश सिन्हा

इकाई – 4 (09 घंटे)

- एकांकी – उत्सर्ग : रामकुमार वर्मा
  तौलिए: उपेन्द्रनाथ अश्क

सहायक ग्रंथों की सूची:

- नाटककार भारतेंदु की रंग-परिकल्पना – सत्येन्द्र तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रसाद के नाटक: स्वरूप और संरचना – गोविंद चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
- जयशंकर प्रसाद रंगदृष्टि – महेश आनंद, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली
- हिंदी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – सिद्धनाथ कुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगमंच का सौन्दर्यशास्त्र – देवेन्द्रराज 'अंकुर', राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगदर्शन – नेमीचंद जैन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- रंगकर्म – वीरेंद्र नारायण, आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली
- स्वातंत्र्योत्तर पारम्परिक रंग प्रयोग – कुसुमलता मलिक, इंडियन पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर, कमला नगर, नई दिल्ली (2009)
- हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष – गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन
- नाटककार दयाप्रकाश सिन्हा, समीक्षायन, रवीन्द्रनाथ बाहोरे, संजय प्रकाशन, दिल्ली

DSC 9 सामान्य भाषा विज्ञान

सेमेस्टर – 3
सामान्य भाषा विज्ञान
Core Course – (DSC) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
सामान्य भाषा विज्ञान	कोर कोर्स (DSC9)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भाषा तथा भाषा विज्ञान की अवधारणा से परिचित कराना
- भाषा की विशेषताओं और उपांगों का विश्लेषणात्मक ज्ञान प्रदान करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक एवं तकनीकी पक्षों की समझ विकसित हो सकेगी
- भाषा और उसके विभिन्न अंगों का परिचय प्राप्त होगा

इकाई – 1 : भाषा एवं भाषा विज्ञान **(12 घंटे)**

- भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप
- भाषा की संरचना तथा विशेषताएँ
- भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं अध्ययन की पद्धतियाँ
- भाषा विज्ञान के अध्ययन की उपयोगिता

इकाई – 2 : ध्वनिविज्ञान एवं रूपविज्ञान **(12 घंटे)**

- स्वन, स्वनिम, संस्वन, स्वर एवं व्यंजन
- ध्वनियों का वर्गीकरण
- ध्वनि-परिवर्तन की दिशाएँ
- रूप की परिभाषा, शब्द और रूप (पद), अर्थतत्त्व, संबंध-तत्व तथा रूप-परिवर्तन की दिशाएँ

इकाई – 3 : वाक्य विज्ञान **(12 घंटे)**

- वाक्य: स्वरूप एवं आवश्यकताएँ
- वाक्य रचना के आधार और भेद
- वाक्य के प्रकार
- वाक्य के निकटस्थ अवयव

इकाई – 4 : अर्थ विज्ञान **(09 घंटे)**

- अर्थ: परिभाषा, शब्द और अर्थ का संबंध
- अर्थ-प्रतीति के साधन
- अर्थ-निर्णय के साधन
- अर्थ परिवर्तन: कारण एवं दिशाएँ

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सामान्य भाषा विज्ञान – बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
2. भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेंद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भाषा विज्ञान – भोलानाथ तिवारी, किताब महल, नई दिल्ली
4. आधुनिक भाषा विज्ञान – राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. हिंदी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु, इण्डियन प्रेस, प्रयाग
6. हिंदी शब्दानुशासन – किशोरी दास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
7. भाषा विज्ञान: सैद्धांतिक चिंतन – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन

DSC 10 भारतीय काव्यशास्त्र

भारतीय काव्यशास्त्र

Core Course – DSC10

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
भारतीय काव्यशास्त्र(DSC10)	4	3	1	0	हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

1. विद्यार्थियोंकोभारतीय काव्य-चिंतन की परंपरा का बोधकराना।
2. काव्य-चिंतन के विभिन्नसंप्रदायों से अवगतकराना।
3. काव्य के विभिन्न रूपों एवंछंदों की संरचना से परिचितकराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम(Course Learning Outcomes):

1. भारतीय काव्यशास्त्र की चिंतनपरंपरा से अवगतहोसकेंगे।
2. काव्य समीक्षा की प्रद्धतियों का उपयोगकरसकेंगे।
3. पारंपरिकऔरआधुनिककाव्य-विवेक केनैरंतर्य की समझ समृद्धहोगी।

इकाई–1(12 घंटे)

- भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा(आचार्यभरतमुनि से पंडितराजजगन्नाथ तक)
- प्रमुख संप्रदायों का संक्षिप्तपरिचय (रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य)

इकाई–2(12 घंटे)

- काव्य लक्षण
- काव्य हेतु
- काव्य प्रयोजन

इकाई –3(12 घंटे)

- रसः स्वरूप, अवयवऔरभेद
- रसनिष्पत्ति
- साधारणीकरण

इकाई–4(9घंटे)

- **शब्द-शक्ति:**अभिधा, लक्षणा, व्यंजना
- **अलंकार:** शब्दालंकार–अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति
  अर्थालंकार–उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति
- **छंद:**समवर्णिक–सवैया, घनाक्षरी
  सममात्रिक –चौपाई, हरिगीतिका
  अर्द्धसममात्रिक –बरवै, सोरठा
  विषमसममात्रिक –कुंडलिया, छप्पय

सहायकग्रंथ:

1. रस-मीमांसा–आचार्यरामचंद्र शुक्ल, काशीनागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. साहित्य-सहचर–आचार्यहजारीप्रसाद द्विवेदी, नैवेद्य निकेतन, वाराणसी।
3. रस-सिद्धांत–डॉ. नगेंद्र, नेशनलपब्लिशिंगहाउस, दिल्ली।
4. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका (भाग2) –डॉ. नगेंद्र, ओरियंटलबुकडिपो।

DSC 11 आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

सेमेस्टर –IV
आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)
Core Course–DSC11

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक) (DSC11)	4	3	1	0	हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम का उद्देश्य(Course Objective):

1. आधुनिक हिंदी कविता के उद्भव और विकास का परिचय कराना।
2. खड़ी बोली कविता के बनने और विकसित होने की रचना-प्रक्रिया से परिचित कराना।
3. छायावादी कविता संबंधी आलोचनात्मक बहस और परिचर्चाओं का परिचय देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम(Course Learning Outcomes):

1. तदयुगीन परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में आधुनिक हिंदी कविता की समझ विकसित हो सकेगी।
2. स्वाधीनता संग्राम के परिप्रेक्ष्य में हिंदीभाषा के भाव-बोध की निर्मिति से परिचित होंगे।
3. कविताओं के वाचन, लेखन, व्याख्या, विश्लेषण आदि की समझ विकसित हो सकेगी।

इकाई –1 (12 घंटे)

- भारतेंदु हरिश्चंद्र –नए जमाने की मुकरी (संपादन 1941)
- मैथिलीशरण गुप्त– 'भारत-भारती' के भविष्यत खंड (92-98)से कवि शिक्षा (106-111)
  (भारती-भारती, साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी, संस्करण: 1984)

इकाई –2(12 घंटे)

- रामनरेश त्रिपाठी– पथिक: प्रथम सर्ग से – 'प्रति क्षण नूतन वेष बनाकर... परम सुंदर, अतिषय सुंदर है' तक(हिंदी मंदिर प्रकाशन प्रयाग)
- जयशंकर प्रसाद –पेशोला की प्रतिध्वनि, अब जागो जीवन के प्रभात
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड1,संपादक –रत्नशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन)

इकाई –3 (12 घंटे)

- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' –स्नेह निर्झर, भिक्षुक
  (निराला रचनावली, खंड1, संपादक –नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
- सुमित्रानंदन पंत –दुत झरो जगत के जीर्ण पत्र, भारत माता ग्रामवासिनी
  (सुमित्रानंदन पंत रचना संचयन, संपादक – कुमार विमल, साहित्य अकादेमी, दिल्ली)

इकाई –4(9घंटे)

- महादेवी वर्मा – पूछता क्यों शेष कितनी रात, बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ
  (महादेवी रचना संचयन, संपादक–विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, साहित्य अकादेमी, दिल्ली)
- सुभद्रा कुमारी चौहान – वीरों का कैसा हो वसंत, ठुकरा दो या प्यार करो
  (स्वतंत्रता पुकारती, संपादक– नंद किशोर नवल, साहित्य अकादेमी, दिल्ली)

सहायकग्रंथ:

1. भारतेंदु रचना संचयन, संपादक–गिरीश रस्तोगी, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली।
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदीनवजागरण की समस्याएँ – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. मैथिलीशरण गुप्त: पुनर्मूल्यांकन – डॉ. नगेंद्र, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. जयशंकर प्रसाद –नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. काव्य और कला तथा अन्य निबंध – जयशंकर प्रसाद, भारती भंडार, इलाहाबाद।
6. छायावाद: पुनर्मूल्यांकन – सुमित्रानंदन पंत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. पल्लव – सुमित्रानंदन पंत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. छायावाद – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

DSC 12 हिंदी उपन्यास

सेमेस्टर –IV
हिंदी उपन्यास
Core Course–DSC12

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी उपन्यास (DSC12)	4	3	1	0	हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम का उद्देश्य(Course Objective):

1. हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास की जानकारी देना।
2. प्रमुख उपन्यासकारों और उनके उपन्यासों की चर्चा करना।
3. कथा साहित्य के विश्लेषण के माध्यम से युगीन चेतना के विकास से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. उपन्यास के विश्लेषण की पद्धति से अवगत हो सकेंगे।
2. हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास का ज्ञान प्राप्त होगा।
3. प्रमुख उपन्यासों के माध्यम से सामाजिक समस्याओं से अवगत हो सकेंगे।
4. उपन्यास के वाचन, लेखन, व्याख्या, विश्लेषण आदि की समझ विकसित हो सकेगी।

इकाई –1 (12 घंटे)

- उपन्यास: स्वरूप और संरचना
- हिंदी उपन्यास: उद्भव और विकास

इकाई –2(12 घंटे)

- प्रमुख उपन्यासकारों का योगदान–श्रीनिवासदास,प्रेमचंद, जैनेंद्र,अज्ञेय, फणीश्वरनाथ रेणु, श्रीलाल शुक्ल, धर्मवीर भारती, निर्मल वर्मा, मन्नू भण्डारी, मंजुल भगत,चित्रा मुद्गल।

इकाई –3 (12 घंटे)

- प्रेमचंद– कर्मभूमि

इकाई –4(9घंटे)

- श्रीलाल शुक्ल – रागदरबारी

सहायक ग्रंथ:

1. प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. आधुनिक हिंदी उपन्यास – (संपादक) भीष्म साहनी, भगवती प्रसाद निदारिया, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. प्रेमचंद: एक विवेचन – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली।
4. कथा विवेचना और गद्य शिल्प – रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. आस्था और सौंदर्य – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. हिंदी उपन्यास –(संपादक) नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

DSC 13 पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Semester V : DSC-13
पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-13 पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	NIL

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ विकसित करना।
- चिंतन के नए आयामों की ओर आकृष्ट करना।
- साहित्यिकता की नई समझ की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में पश्चिमी काव्यशास्त्रीय चिंतन-धारा की समझ विकसित होगी।
- नई विचारधाराओं और साहित्यिकता का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- विद्यार्थी हिंदी साहित्य पर पाश्चात्य चिंतन के प्रभाव से परिचित होंगे।

इकाई 1 : **(12 घंटे)**

- अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, त्रासदी का विवेचन
- लोंजाइनस : उदात्त सिद्धांत

इकाई 2 : **(12 घंटे)**

- वर्ड्सवर्थ और कॉलरिज : कविता और काव्यभाषा संबंधी मान्यताएँ, कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत
- टी. एस. इलियट : परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत

इकाई 3 : **(9 घंटे)**

- स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद और संरचनावाद का सामान्य परिचय

इकाई 4 : **(12 घंटे)**

- काव्य के उपादान : बिम्ब, प्रतीक, विसंगति, विडंबना, मिथक, फैंटसी

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सिंह, बच्चन; हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. बाली, तरकनाथ; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. तिवारी, रामपूजन; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
4. भारद्वाज, मैथिलीप्रसाद; पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़।
5. मिश्र, रमेश चंद्र, पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
6. मिश्र, सत्यदेव; पाश्चात्य समीक्षा : सिद्धांत और वाद, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
7. शर्मा, देवेंद्रनाथ; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
8. राय, अनिल; पाश्चात्य काव्यशास्त्र : कुछ सिद्धांत कुछ वाद, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।

DSC 14 आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)

BA (Hons) Hindi
Semester V : DSC-14
आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-14 आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- छायावादोत्तर कविताओं के माध्यम से युग बोध के संदर्भ में विद्यार्थियों को काव्य सौंदर्य, काव्यानुभूति को समझने, परखने योग्य बनाना।
- कविता विशेष में निहित विचार विशेष से विद्यार्थियों में उदात्त भाव का संचरण कराना।
- छायावादोत्तर कविता के विभिन्न रचनात्मक सदर्भों को समझने में सक्षम बनाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थीगण छायावादोत्तर हिंदी कविता के सन्दर्भ में गहन रूप से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- वैश्विक संदर्भों में स्वाधीनता आंदोलन के परिप्रेक्ष्य से परिचय प्राप्त करते हुए विद्यार्थी छायावादोत्तर कविता के विविध संदर्भों को समझ सकेंगे।

इकाई 1 : **(12 घंटे)**

- नागार्जुन : सिंदूर तिलकित भाल, उनको प्रणाम, दुखरन मास्टर (प्रतिनिधि कविताएँ, नागार्जुन)
- गिरिजा कुमार माथुर : 15 अगस्त, हम होंगे कामयाब एक दिन

इकाई 2 : **(12 घंटे)**

- अज्ञेय : यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप
  (चुनी हुई कविताएँ, अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली)
- रघुवीर सहाय : रामदास, दयावती का कुनबा
  (रघुवीर सहाय रचनावली, खंड 1, संपादक : सुरेश शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

इकाई 3 : **(9 घंटे)**

- भवानी प्रसाद मिश्र : गीत फरोश ('गीत फरोश' संग्रह से), चकित है दुःख ('चकित है दुःख' संग्रह से), बुनी हुई रस्सी ('बुनी हुई रस्सी' संग्रह से)
- जगदीश गुप्त : सच हम नही सच तुम नहीं, वर्षा और भाषा, आस्था ('नाव के पांव' संग्रह से)

इकाई 4 : **(12 घंटे)**

- केदारनाथ सिंह : सुई और तागे के बीच में (यहाँ से देखो, केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली) पानी की प्रार्थना, अंत महज एक मुहावरा है (तालस्ताय और साइकिल, केदारनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
- कुँवर नारायण : एक वृक्ष की हत्या, एक अजीब सी मुश्किल ('इन दिनों' संग्रह से), कविता की जरूरत ('कोई दूसरा नहीं' संग्रह से)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सिंह, नामवर; कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. शर्मा, रामविलस; नयी कविता और अस्तित्ववाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद; आधुनिक हिंदी कविता, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
4. श्रीवास्तव, परमानंद; समकालीन कविता का यथार्थ, हरियाणा साहित्य अकादेमी, चंडीगढ़।
5. नवल, नंदकिशोर; समकालीन काव्य-यात्रा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. जोशी, राजेश; समकालीनता और साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; आधुनिक कविता यात्रा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
8. वर्मा, लक्ष्मीकांत; नयी कविता के प्रतिमान, भारती प्रेस प्रकाशन, प्रयागराज।
9. साही, विजयदेव नारायण; छठवां दशक, हिंदुस्तानी एकेडेमी, प्रयागराज।
10. शर्मा, केदार; अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन।
11. ऋषिकल्प, रमेश; अज्ञेय की कविता : परंपरा और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
12. मिश्र, यतींद्र (संपादक); कुँवर नारायण : उपस्थिति, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
13. पालीवाल, डॉ. कृष्णदत्त; भवानीप्रसाद मिश्र का काव्य-संसार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

DSC 15 हिंदी आलोचना

BA (Hons) Hindi
Semester V : DSC-15
हिंदी आलोचना

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-15 हिंदी आलोचना	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- सांस्कृतिक चेतना के विकास में आलोचना की भूमिका की समझ विकसित करना।
- समग्र हिंदी आलोचना के विकास का युगीन परिप्रेक्ष्य में परिचय कराना।
- रचना के गुण-दोष विवेचन की क्षमता विकसित करना।
- रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में युगीन परिस्थितियों के विश्लेषण से सैद्धांतिक और व्यावहारिक समझ विकसित होगी।
- समग्र सामाजिक जीवन के परिप्रेक्ष्य में रचना के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी।
- विद्यार्थी अपने जीवन में किसी भी विषय के प्रति गुण-दोष का विवेचन करने योग्य बन सकेंगे।
- रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक का विकास होगा।

इकाई 1 : **(9 घंटे)**

- हिंदी आलोचना के विकास के विविध चरण – मध्यकालीन, आधुनिक और समकालीन

इकाई 2 : **(12 घंटे)**

- भारतेन्दु : नाटक
- रामचंद्र शुक्ल : काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था
- प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य

इकाई 3 : **(12 घंटे)**

- हजारी प्रसाद द्विवेदी – आधुनिक साहित्य: नई मान्यताएँ
- रामविलास शर्मा – तुलसी साहित्य के सामंत-विरोधी मूल्य
- अज्ञेय – 'तार सप्तक' की भूमिका

इकाई 4 : **(12 घंटे)**

- नामवर सिंह – नयी कहानी: सफलता और सार्थकता
- निर्मल वर्मा – रेणु: समग्र मानवीय दृष्टि
- रामस्वरूप चतुर्वेदी – निराला ('प्रसाद, निराला, अज्ञेय' पुस्तक से)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. त्रिपाठी, विश्वनाथ; हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. नवल, नंद किशोर; हिंदी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. शर्मा, रामविलास; भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. शर्मा, रामविलास; महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; चिंतामणि, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. शर्मा, रामविलास; परंपरा का मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. अज्ञेय (संपादक); तार सप्तक, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. मुक्तिबोध, गजानन माधव; नयी कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबंध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
10. द्विवेदी, आचार्य हजारीप्रसाद; हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
11. सिंह, नामवर; दूसरी परंपरा की खोज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
12. सिंह, नामवर; कहानी : नयी कहानी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
13. वर्मा, निर्मल; शब्द और स्मृति, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
14. साही, विजय देव नारायण; छठयाँ दशक, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
15. शर्मा, कृष्णदत्त; मुक्तिबोध की आलोचना-दृष्टि, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
16. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; प्रसाद, निराला, अज्ञेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

DSC 16 हिंदी भाषा : स्वरूप, संरचना एवं इतिहास

BA (Hons.) Hindi
Semester VI : DSC-16
हिंदी भाषा : स्वरूप, संरचना एवं इतिहास

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC – 16 हिंदी भाषा : स्वरूप, संरचना एवं इतिहास	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- हिंदी भाषा के उद्भव और विकास से परिचित कराना।
- हिंदी की विभिन्न बोलियों का ज्ञान प्रदान करना।
- हिंदी की भाषिक संरचना से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी भाषा के ऐतिहासिक क्रम से परिचित होंगे।
- हिंदी की विभिन्न बोलियों का ज्ञान प्राप्त होगा।
- हिंदी की व्याकरणिक संरचना की समझ विकसित होगी।

इकाई 1 : हिंदी भाषा का उद्भव और विकास **(9 घंटे)**

- भारोपीय भाषा परिवार एवं आर्य भाषाएं
- आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएं और हिंदी
- हिंदी भाषा की विकास यात्रा

इकाई 2 : हिंदी भाषा का स्वरूप **(12 घंटे)**

- बोली और भाषा
- हिंदी की बोलियां
- हिंदी का भौगोलिक क्षेत्र : स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय

इकाई 3 : हिंदी भाषा की विविध भूमिकाएं **(12 घंटे)**

- संपर्क भाषा
- राष्ट्रभाषा
- राजभाषा
- ज्ञान-विज्ञान की माध्यम भाषा के रूप में हिंदी

इकाई 4 : हिंदी भाषा का नवीन स्वरूप **(12 घंटे)**

- प्रिंट मीडिया की भाषा
- इलेक्ट्रोनिक मीडिया की भाषा
- सोशल मीडिया की भाषा
- सिनेमा की भाषा

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. तिवारी, डॉ. भोलानाथ; हिंदी भाषा की संरचना, रेख्ता प्रकाशन, दिल्ली।
2. श्रीवास्तव, रविंद्रनाथ; हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
3. शर्मा, देवेंद्रनाथ; भाषा विज्ञान की भूमिका, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. टंडन, डॉ. प्रेम नारायण; भाषा अध्ययन के आधार, हिंदी साहित्य भंडार, लखनऊ।
5. तिवारी, डॉ. उदय नारायण; हिंदी भाषा उद्गम और विकास।
6. शर्मा, विकास; भूमंडलीकरण के दौर में हिंदी की विविध भूमिकाएं, नटराज प्रकाशन, दिल्ली।

DSC 17 अस्मितामूलक हिंदी साहित्य

DSC (DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

Semester VI : DSC-17
अस्मितामूलक हिंदी साहित्य
(दलित विमर्श, स्त्री विमर्श एवं आदिवासी विमर्श)

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC – 17 अस्मितमूलक हिंदी साहित्य (दलित विमर्श, स्त्री विमर्श एवं आदिवासी विमर्श)	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- अस्मिता का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।
- प्रमुख रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से संवेदनशील बनाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- अस्मिता मूलक विमर्श की सैद्धांतिकी से परिचित होंगे।
- विभिन्न अस्मिताओं से संदर्भित सामाजिक परिवेश को समझ सकेंगे।
- अस्मितामूलक साहित्य के अध्ययन से संवेदनशील बनेंगे।

इकाई 1 : विमर्शों की सामाजिकी **(9 घंटे)**

- दलित विमर्श: अवधारणा एवं स्वरूप विकास
- स्त्री विमर्श: भारतीय एवं पाश्चात्य चिंतन
- आदिवासी विमर्श: अवधारणा एवं स्वरूप विकास

इकाई 2 : विमर्शमूलक कथा-साहित्य **(12 घंटे)**

- ओमप्रकाश बाल्मीकि – पच्चीस चौका डेढ़ सौ
- मन्नू भण्डारी – यही सच है
- एलिस एक्का – धरती लहलहायेगी... झालो नाचेगी... गाएगी

इकाई 3 : विमर्शमूलक कविता **(12 घंटे)**

- दलित कविता : माताप्रसाद – सोनवा का पिंजरा
- आदिवासी कविता : निर्मला पुतुल – कहां हो तुम माया ('नगाड़े की तरह बजते हैं शब्द' से)
- स्त्री कविता : नीलेश रघुवंशी – पानदान

इकाई 4 : विमर्शमूलक गद्य विधाएं **(12 घंटे)**

- महादेवी वर्मा – स्त्री के अर्थ-स्वातंत्र्य का प्रश्न
- डॉ. तुलसीराम – मुर्दहिया (अंतिम 50 पृष्ठ)
- सीता रत्नमाला – जंगल से आगे (पृष्ठ 57-70)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. अंबेडकर वांगमय (भाग-1), डॉ. अंबेडकर प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
2. वाल्मिकी, ओमप्रकाश; दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. गुप्ता, रमणिका; आदिवासी अस्मिता का संकट, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. टेटे, वंदना; आदिवासी दर्शन और साहित्य, नोशन प्रेस, दिल्ली।
5. नेगी, डॉ. स्नेहलता; आदिवासी समाज और साहित्य, अनुज्ञा प्रकाशन, दिल्ली।
6. मीणा, गंगा सहाय; आदिवासी चिंतन की भूमिका।
7. नेगी, डॉ. स्नेहलता; आदिवासी साहित्य का स्त्री पाठ, विकल्प प्रकाशन, दिल्ली।
8. खेतान, प्रभा; उपनिवेष में स्त्री, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. बोउआर, सीमोन द; स्त्री उपेक्षिता, हिंद पॉकेट बुक्स, नई दिल्ली।
10. वर्मा, महादेवी; श्रृंखला की कड़ियां, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
11. देसाई एवं ठक्कर, मीरा एवं उषा (धूमिया, डॉ. सुभी, अनुवादक); भारतीय समाज में महिलाएं
12. सिंह, सुधा; ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली।
13. सेठी, रेखा; स्त्री कविता: पक्ष और परिप्रेक्ष्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
14. मालिक, प्रो. कुसुमलता; अंतिम जन तक, दोआबा प्रकाशन, दिल्ली।
15. बेचैन, डॉ. श्यौराज सिंह; मूकनायक के सौ साल और अस्मिता संघर्ष के सवाल, एकेडमिक पब्लिकेशन, दिल्ली।

DSC 18 कथेतर गद्य साहित्य

Semester VI : DSC-18
कथेतर गद्य साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC – 18 कथेतर गद्य साहित्य	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- कथेतर गद्य साहित्य से परिचित कराना।
- गद्य साहित्य के अंतर्गत कथेतर गद्य साहित्य की स्थिति को समझाना।
- कथेतर गद्य साहित्य की विभिन्न विधाओं के महत्त्व से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में कथेतर गद्य साहित्य के अध्ययन के प्रति रुचि विकसित होगी।
- कथेतर गद्य साहित्य की विविध विधाओं के स्वरूप से परिचित होंगे।
- कथेतर गद्य साहित्य के लेखन की दिशा में प्रवृत्त हो सकेंगे।

इकाई 1 : कथेतर गद्य साहित्य का परिचय **(9 घंटे)**

- कथेतर गद्य साहित्य की परिभाषा और स्वरूप
- कथेतर गद्य साहित्य : उद्भव और विकास
- कथेतर गद्य साहित्य एवं कथा साहित्य का अंतर्संबंध

इकाई 2 : कथेतर गद्य साहित्य के प्रमुख प्रकार **(12 घंटे)**

- जीवनी, डायरी
- संस्मरण, रेखाचित्र
- रिपोर्ताज, पत्र-साहित्य

इकाई 3 : कथेतर गद्य साहित्य : पाठ-परक अध्ययन – 1 **(12 घंटे)**

- आवारा मसीहा (छात्र संस्करण के प्रारंभिक 100 पृष्ठ) (जीवनी) – विष्णु प्रभाकर
- दद्दा – मैथिलीशरण गुप्त, पथ के साथी (संस्मरण) – महादेवी वर्मा
- स्मृतिलेखा (रेखाचित्र) – अज्ञेय

इकाई 4 : कथेतर गद्य साहित्य : पाठ-परक अध्ययन – 2 **(12 घंटे)**

- अकेला मेला (डायरी) – रमेशचंद्र शाह
- बिदापत-नाच (रिपोर्ताज) – फणीश्वरनाथ रेणु
- निराला के पत्र (पत्र-साहित्य) – निराला रचनावली (खंड 8)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. नगेंद्र एवं हरदयाल, डॉ. एवं डॉ. (संपादक); हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा।
2. तिवारी, डॉ. रामचंद्र; हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. सिंह, डॉ. बच्चन; आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. सिंह, डॉ. बच्चन; आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. चतुर्वेदी, डॉ. राम स्वरूप; गद्य की सत्ता, मैकमिलन प्रकाशन, दिल्ली।
6. वाजपेयी, नंददुलारे; नया साहित्य – नए प्रश्न, विद्या मंदिर प्रकाशन, वाराणसी।
7. शर्मा, डॉ. रामविलास; निराला की साहित्य साधना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. शर्मा, नलिन विलोचन (संपादक); हिंदी गद्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

हिंदी का वैश्विक परिदृश्य

हिंदी का वैश्विक परिदृश्य

Generic Elective – (GE) /Language
Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी का वैश्विक परिदृश्य	GE/ Language	4	3	1	-	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन
- विश्व की प्रमुख भाषाओं से विद्यार्थी का परिचय कराना
- वैश्विक स्तर पर हिन्दी भाषा की स्थिति और स्वरूप से विद्यार्थी का परिचय कराना
- हिन्दी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क आधारित विश्लेषण
- विद्यार्थी के लेखन कौशल को बढ़ावा देना

Course learning outcomes

भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा

• स्नातक स्तर के विद्यार्थी को भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा

• वार्तालाप भाषण संवाद समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा

• समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा

Unit 1 (15 घंटे)

- विश्व में बोली जाने वाली किन्हीं दो भाषाओं का संक्षिप्त परिचय ;मंदारिन, अंग्रेज़ी, हिन्दी, स्पेनिश, रूसीए जापानी
- वैश्विक स्तर पर हिन्दी का स्थान (संक्षिप्त परिचय)
- हिन्दी का अंतरराष्ट्रीय स्वरूप (मॉरीशस, सूरीनाम, फीजी में हिन्दी)

Unit 2 (15 घंटे)

- संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी का प्रयोग
- हिन्दी के विकास में विश्व हिन्दी सम्मलेन की भूमिका
- विश्व हिन्दी दिवस (संक्षिप्त परिचय)

Unit 3 (15 घंटे)

- किसी एक विश्व हिन्दी सम्मलेन की रिपोर्ट,प्रस्तुति
- संयुक्त राष्ट्र संघ में हिन्दी के प्रयोग पर अनुच्छेद लेखन
- विश्व हिन्दी दिवस के मौके पर विज्ञापन के प्रारूप का निर्माण

Unit 4 (15 घंटे)

- विदेशों में हिन्दी भाषा की प्रमुख लोकप्रिय पुस्तकों की सूची बनाना
- विदेशों में हिन्दी की प्रमुख लोकप्रिय फ़िल्में, गीत, संकलन
- वैश्विक स्तर पर हिन्दी की संभावनाएँ, समूह चर्चा पर रिपोर्ट प्रस्तुति

References

- हिन्दी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक (डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल) लोकभारती प्रकाशन संस्करण 1994
- हिन्दी भाषा (हरदेव बाहरी) अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
- प्रयोजनमूलक हिन्दी (सिद्धांत और प्रयोग) दंगल झालटे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
- मानक हिन्दी का स्वरूप (भोलानाथ तिवारी) प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008
- रचनात्मक लेखन (सं रमेश गौतम) भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली संस्करण 2016

भारतीय भाषा चिंतन की पीठिका (विद्यानिवास मिश्र)बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् संस्करण 1978

GE 1 SEMESTER - I (GENERAL ELECTIVES)

हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन

हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन

Generic Elective – (GE) /Language

Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन	GE/ Language	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)
हिंदी सिनेमा जगत की जानकारी
सिनेमा के निर्माण, प्रसारण और उपभोग से संबधित आलोचनात्मक चिंतन की समझ

Course learning outcomes

हिंदी सिनेमा, समाज और संस्कृति की समझ
सिनेमा निर्माण, प्रसार कैमरे की भूमिका आदि की व्यावहारिक समझ

Unit 1 (15 घंटे)

सिनेमा : सामान्य परिचय
1. जनमाध्यम के रूप में सिनेमा,
2. सिनेमा की इतिहास यात्रा
3. सिनेमा के प्रकार – व्यावसायिक सिनेमा, समानान्तर सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा।

Unit 2 (15 घंटे)

सिनेमा अध्ययन
1. सिनेमा अध्ययन की दृष्टियाँ
2. हिंदी सिनेमा का राष्ट्रीय बाज़ार
3. हिंदी सिनेमा का अंतरराष्ट्रीय बाज़ार

Unit 3 (15 घंटे)

सिनेमा अंतर्वस्तु और तकनीक
1. पटकथा, अभिनय, संवाद, संगीत और नृत्य
2. कैमेरा, लाइट, साउंड
3. सिनेमा और सैंसरबोर्ड

Unit 4 (15 घंटे)

सिनेमा अध्ययन की दिषाएँ

1. सिनेमा समीक्षा के विविध पहलू
2. हिंदी की महत्वपूर्ण फिल्मों की समीक्षा का व्यावहारिक ज्ञान (अछूत कन्या, मदर इंडिया, काबुलीवाला, शोले, सद्गति, अमर अकबर एंथनी, पीकू, मधुमती)
3. सिनेमा के दृष्य, तकनीक, कहानी, स्पेषल इफेक्ट, आइटम गीत, गीत, संगीत आदि की समीक्षा

References

1. फिल्म निर्देषन – कुलदीप सिन्हा
2. हिंदी सिनेमा का इतिहास – मनमोहन चड्ढा
3. नया सिनेमा – ब्रजेष्वर मदान
4. भारतीय सिने सिद्धांत – अनुपम ओझा
5. सिनेमा : कल, आज, कल – विनोद भारद्वाज
6. हिंदी सिनेमा के सौ वर्ष – प्रकाषन विभाग
7. हिंदी सिनेमा का समाजषास्त्र, जवरीमल पारख

Additional Resources:

विष्व सिनेमा में स्त्री विजय शर्मा

Teaching learning process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विष्लेषण

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

GE 1 SEMESTER - I (GENERAL ELECTIVES)

हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद

हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद

Generic Elective – (GE) /Language

Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Componets			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद	GE/ Language	4	3	1	..	दिल्ली विश्वविद्यालय के नियम के अनुसार

Course Objective (2-3)
अनुवाद की समझ विकसित करना
व्यावहारिक और क्षेत्र विषेष में अनुवाद गतिविधियों का परिचय देना

Course learning outcomes

अनुवाद की रोजगारपरक क्षमता विकसित होगी
क्षेत्र विषेष की माँग से परिचित होगें

Unit 1 (15 घंटे)

भारत का भाषायी परिदृष्य और अनुवाद का महत्व
अनुवाद का स्वरूप
अनुवाद प्रक्रिया

Unit 2 (15 घंटे)
प्रयुक्ति की आवधारणा
अनुवाद और विविध प्रयुक्ति क्षेत्र
अनुवाद की व्यावसायिक संभावनाएँ

Unit 3 (15 घंटे)

अनुवाद व्यवहार –1 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)
सर्जनात्मक साहित्य
ज्ञान–विज्ञान और तकनीकी साहित्य

Unit 4 (15 घंटे)
अनुवाद व्यवहार 2 (अंग्रेजी से हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी)
जनसंचार
प्रषासनिक अनुवाद और बैकिंग अनुवाद

References

अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग – डॉ. नगेंद्र
अनुवाद के सिद्धांत – रामालु रेड्डी
अनुवाद (व्यवहार से सिद्धांत की ओर) – हेमचन्द्र पाण्डेय
कार्यालय प्रदीपिका – हरि बाबू कंसल

Additional Resources:

कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद – सुरेष सिंहल
काव्यानुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ – नवीन चंद्र सहगल
कोष विषेषांक, भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली – सं विमलेष कांति वर्मा
अनुवाद और तत्काल भाषांतरण – विमलेष कांति वर्मा
The theory and practice of Translation – Nida E.
Language, Structure & Translation – Nida E.
Routledge Encyclopedia of Translation – Baker, Mona
Translation Evaluation – House, Juliance
Machine Translation: Its Scope and Limits – Wilks, Vorick
Translation and Interpreting – Baker H.
Revising and Editing for Translators – Mossop B.
Introducing Translation Studies: Theories and applications – Munday J.
The Routledge Companion to Translation Studies – Munday J.
Comprehensive English – Hindi Dictionary – Raghubir
Oxford Hindi – English Dictonary – R.S. Mc Gregor
English- Hindi Dictionary – Hardeo Bahari

Teaching learning process

1 से 3 सप्ताह – इकाई – 1
4 से 6 सप्ताह – इकाई – 2
7 से 9 सप्ताह – इकाई – 3
10 से 12 सप्ताह – इकाई – 4
13 से 14 सप्ताह सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एंव आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Asessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

पटकथा और संवाद लेखन

पटकथा और संवाद लेखन

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
पटकथा और संवाद लेखन	GE/ Language	4	3	1	0	DSC

Course Objective

- विद्यार्थी को पटकथा लेखन की तकनीक को समझना।
- विद्यार्थियों में साहित्यिक विधाओं का पटकथा में रूपांतरण तथा संवाद लेखन की समझ विकसित करना।

Course learning outcomes

- पटकथा क्या है समझेंगे।
- पटकथा और संवाद में दक्षता हासिल करेंगे।
- पटकथा लेखन को आजीविका का माध्यम बना सकेंगे।

Unit 1 10 घंटे

- पटकथा अवधारणा और स्वरूप
- पटकथा लेखन के तत्व
- पटकथा लेखन की प्रक्रिया

Unit 2 10 घंटे

- फीचर फिल्म की पटकथा
- डॉक्यूमेंट्री की पटकथा
- धारावाहिक की पटकथा

Unit 3 10 घंटे

- संवाद लेखन की प्रक्रिया
- संवाद लेखन की विशेषताएँ
- संवाद संरचना

Unit 4 15 घंटे

- टी.वी. धारावाहिक का संवाद लेखन
- डॉक्यूमेंट्री का संवाद लेखन
- फीचर फिल्म का संवाद लेखन

References

पटकथा लेखन : मनोहर श्याम जोशी
कथा पटकथा : मन्नू भंडारी
रेडियो लेखन : मधुकर गंगाधर
टेलीविजन लेखन : असगर वजाहत, प्रभात रंजन

Teaching learning process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विश्लेषण

GE 2

SEMESTER - II

(GENERAL ELECTIVES)

भाषा

और

समाज

भाषा और समाज

Generic Elective – (GE) /Language

Core Course - (GE) Credits : 4

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
भाषा और समाज	GE/ Language	4	3	1	0	DSC

Course Objective

– भाषा और समाज के अंतस्संबंध की जानकारी
– समाज में भाषा के व्यवहार की जानकारी
– सफल सम्प्रेषण के लिए कौशल विकास

Course learning outcomes

– समाजभाषाविज्ञान का अध्ययन
– सम्प्रेषण की सामाजिक समझ
– भाषा के समाजशास्त्र का अध्ययन

Unit 1 10 घंटे

भाषा और समाज का अंतसंबंध
समाज भाषाविज्ञान और उसका स्वरूप
भाषा और सामाजिक व्यवहार

Unit 2 10 घंटे

भाषाई विविधता और भाषिक समुदाय
भाषा और समुदाय
भाषा और जाति

Unit 3 10 घंटे

भाषा और वर्ग
भाषा अस्मिता और जेंडर
भाषा और संस्कृति

Unit 4 15 घंटे

भाषा सर्वेक्षण
भाषा सर्वेक्षण : स्वरूप और प्रविधि
भाषा नमूनों का सर्वेक्षण और विश्लेषण

References

भाषा और समाज – रामविलास शर्मा
हिंदी भाषा चिंतन – दिलीप सिंह
आलोचना की सामाजिकता – मैनेजर पांण्डेय
सांझी सांस्कृतिक विरासत के आईने में भारतीय साहित्य – मंजु मुकुल, हर्ष बाला

Additional Resources:

Socio Linguistics : An Introduction to Language and Society – Peter Trudgill
Socio Linguistics – R. A. Hudson
An Introduction to Socio Linguistics – Ronald Wordhaugh
The Shadow of Language – George Yule

Teaching learning process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, फिल्म प्रस्तुति और विश्लेषण

Asessment Methods

सतत मूल्यांकन
असाइनमेंट के द्वारा आंतरिक मूल्यांकन
सामूहिक प्रोजेक्ट के द्वारा मूल्यांकन
सेमेस्टर के अंत में परीक्षा के द्वारा मूल्यांकन

Keywords
भाषाविज्ञान के पारिभाषित शब्द

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

GE 2 SEMESTER - II (GENERAL ELECTIVES)

हिंदी भाषा और लिपि का इतिहास

हिंदी भाषा और लिपि का इतिहास

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी भाषा और लिपि का इतिहास	GE/ Language	4	3	1	0	DSC

Course Objective

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य हिंदी भाषा और लिपि के आरंभिक रूप से लेकर आधुनिक काल की विकास यात्रा को बताना है। भारत के संविधान में देवनागरी लिपि में लिखित हिंदी को संघ की राजभाषा घोषित किया गया है। हिंदी को पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम के आरंभ में ही हिंदी भाषा संबंधी सामान्य जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही पूरी दुनिया वैश्वीकरण युग में प्रवेश कर गई है। बाज़ार और व्यवसाय ने देशों की सीमाएँ लाँघ ली है। अतः ऐसे में भाषा का मजबूत होना आवश्यक है। यह पाठ्यक्रम बाजारवाद और भूमंडलीकरण की वैश्विक गति के बीच से ही हिंदी भाषा और उसकी लिपि के माध्यम से ही राष्ट्रीय प्रगति को भी सुनिश्चित करेगा क्योंकि सशक्त भाषा के बिना किसी राष्ट्र की उन्नति संभव नहीं है। यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल है। साथ ही इस पाठ्यक्रम का आधुनिक रूप रोजगारपरक भी है। कंप्यूटर को हिंदी से जोड़ना विद्यार्थियों को व्यावहारिक पहलू से अवगत करा सकेगा।

Course learning outcomes

1. इस पाठ्यक्रम के शिक्षण के निम्नलिखित परिणाम सामने आएँगे:
2. उपर्युक्त पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा के सैद्धांतिक पहलू के साथ व्यावहारिक रूप का ज्ञान प्राप्त किया जा सकेगा
3. हिंदी भाषा की उच्च शैक्षिक स्तर की भूमिका के महत्वपूर्ण पक्ष को जाना जा सकेगा।
4. कंप्यूटर को हिंदी भाषा से जोड़ने पर हिंदी भाषा के व्यावहारिक ज्ञान को प्राप्त किया जा सकता है
5. वैश्विक युग में भाषा को सिद्धांतों के साथ–साथ व्यावहारिक रूप से भी जोड़ना होगा। अतः पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के भी अनुकूल है।
6. भाषा के बदलते परिदृश्य को आरंभ से अब तक की प्रक्रिया में समझना बहुत आवश्यक है। यह पाठ्यक्रम भाषा के आरंभ से लेकर वर्तमान को विविध आयामों में प्रस्तुत करता है जो विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगा।
7. शिक्षा को रोजगार से जोड़ना अत्यंत अनिवार्य है । यह पाठ्यक्रम भाषा की इस मांग को भी प्रस्तुत करता है।

Unit 1 हिंदी भाषा के विकास की पूर्वपीठिका 10 घंटे

- भारोपीय भाषा–परिवार एवं आर्यभाषाएँ (पालि, प्राकृत, अपभ्रंश आदि)
- हिंदी का आरंभिक रूप
- 'हिंदी' शब्द का अर्थ एवं प्रयोग
- हिंदी का विकास (आदिकाल, मध्यकाल, आधुनिककाल)

Unit 2 हिंदी भाषा का क्षेत्र एंव विस्तार 10 घंटे

- हिंदी भाषा : क्षेत्र एवं बोलियाँ
- हिंदी के विविध रूप (बोलचाल की भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क–भाषा)
- हिंदी का अखिल भारतीय स्वरूप

Unit 3 लिपि का इतिहास 10 घंटे

- भाषा और लिपि का अंतस्संबंध
- लिपि के आरंभिक रूप (चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनि–लिपि)
- भारत में लिपि का विकास

Unit 4 देवनागरी लिपि 15 घंटे

- देवनागरी लिपि का परिचय एंव विकास
- देवनागरी लिपि का मानकीकरण
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ
- देवनागरी लिपि और कम्प्यूटर

References

1. हिंदी भाषा का इतिहास – धीरेंद्र वर्मा
2. भारतीय पुरालिपि – डॉ. रामबली पाण्डेय (लोकभारती प्रकाशन)
3. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास – उदयनारायण तिवारी
4. हिंदी भाषा की पहचान से प्रतिष्ठा तक – डॉ. हनुमानप्रसाद शुक्ल
5. लिपि की कहानी – गुणाकर मुले
6. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

ब्लॉग लेखन

ब्लॉग लेखन

GE Hindi Course – GE7

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
ब्लॉग लेखन (GE7)	4	3	1	0	12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रमकाउद्देश्य (Course Objective):

1. ब्लॉगकेविकासकेसाथ-साथभाषा, समाजऔरसंस्कृतिकीजानकारी देना।
2. ब्लॉगलेखनकेविभिन्नप्रभावोंकाअध्ययनकरना।

पाठ्यक्रमअध्ययनकेपरिणाम (Course Learning Outcomes):

1. ब्लॉगलेखनऔरसमाजकेसंबंधकीव्यावहारिकजानकारी प्राप्त होगी।
2. ब्लॉगलेखनकेमाध्यमसेसामाजिक, सांस्कृतिकसमझविकसित होगी।

इकाई –1 : ब्लॉगलेखन: अवधारणा(12 घंटे)

- ब्लॉगकास्वरूप
- ब्लॉगलेखनकाविकास
- ब्लॉगलेखन: भाषा, समाजऔरसंस्कृति
- ब्लॉगलेखनकाप्रभाव

इकाई –2 : ब्लॉगलेखन : व्यक्तिऔरसमाज(12 घंटे)

- ब्लॉगलेखनऔरव्यक्तिरचनात्मकता
- ब्लॉगलेखनऔरसामाजिकरचनात्मकता
- ब्लॉगलेखनऔरजनभागीदारी
- ब्लॉगलेखनऔरसोशलमीडिया

इकाई –3 : ब्लॉगलेखनकेप्रकार(12 घंटे)

- साहित्यिक-सांस्कृतिक
- राजनीतिक-सामाजिक
- शिक्षा-मीडिया
- खेलकूदएवंअन्य

इकाई –4: ब्लॉगनिर्माण(9घंटे)

- भाषाएवंसंरचना
- ब्लॉगनिर्माणकीप्रक्रिया
- किसीविशिष्टविषयपरब्लॉगलेखन

सहायक ग्रंथ:

1. न्यू मीडिया और बदलता भारत–प्रांजलधर, कृष्णकांत,भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
2. इंटरनेट जर्नलिज़म–विजय कुलश्रेष्ठ, साहिल प्रकाश, जयपुर।
3. सोशल मीडिया और सामाजिक सरोकार–कल्याण प्रसाद वर्मा, साहिल प्रकाशन,जयपुर।
4. ऑनलाइन मीडिया–सुरेश कुमार, पीयर्सन प्रकाशन,भारत।
5. हिंदी ब्लॉगिंग का इतिहास,रवींद्र प्रभात, हिंदी साहित्य निकेत, बिजनौर।

GE 4 SEMESTER - IV (GENERAL ELECTIVES)

हिंदी भाषा और विज्ञापन

हिंदीभाषाऔरविज्ञापन

GE Hindi Course – GE8

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी भाषा और विज्ञापन (GE8)	4	3	1	0	12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. विद्यार्थियोंकोविज्ञापनकेविस्तृतक्षेत्रसेपरिचितकराना।
2. विज्ञापनभाषाकेस्वरूपऔरविशेषताओंकाबोधकराना।
3. विभिन्नमाध्यमोंकेलिएविज्ञापनकॉपीलेखनकाअभ्यासकराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विज्ञापनलेखनके मध्यम सेभाषा-दक्षताविकसित होगी।
2. विज्ञापननिर्माणकीपूरीप्रक्रियाकोसमझ सकेंगे।
3. विज्ञापनबाज़ारमेंविभिन्नमाध्यमोंकीपहुँचऔरप्रसारक्षमतासेपरिचितहोंगे।
4. कॉपीलेखनके कार्य में सक्षम हो सकेंगे।

इकाई– 1 : विज्ञापन : स्वरूपएवंअवधारणा (12 घंटे)

- विज्ञापन: अर्थ, परिभाषाऔरमहत्व
- विज्ञापनकेउद्देश्य: आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक
- विज्ञापनकेप्रमुखप्रकार
- विज्ञापनकेप्रभाव

इकाई–2 : विज्ञापनमाध्यम(12 घंटे)

- विज्ञापनमाध्यमचयनकेआधार
- प्रिंट, रेडियोऔरटेलीविज़नके लिए विज्ञापन
- डिजिटलविज्ञापनतथाआउटऑफ़होमविज्ञापन–होर्डिंग,पोस्टर, बैनर, साइनबोर्ड
- सोशलमीडियाविज्ञापन–फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब, सोशलनेटवर्किंगसाइट्स

इकाई–3 : विज्ञापनकीभाषा(12 घंटे)

- विज्ञापनकीभाषाकास्वरूपएवंविशेषताएँ
- विज्ञापनकीभाषा-शैलीकेविभिन्नपक्ष–सादृश्यविधान, अलंकरण, तुकांतता, समानान्तरता, विचलन, मुहावरे-लोकोक्तियाँ, भाषासंकर, भाव-भंगिमा (बॉडीलैंग्वेज)

- विज्ञापनस्लोगनएवंपंचलाइन

इकाई–4: विज्ञापन: कॉपीलेखन(9घंटे)

- विज्ञापनकॉपीकेअंग
- प्रिंटमाध्यम: लेआउटकेविविधप्रारूप
- वर्गीकृतएवंसजावटीविज्ञापन-निर्माण
- रेडियोजिंगललेखन
- टेलीविज़नविज्ञापनकेलिएकॉपीलेखन

सहायकग्रंथ:

1. जनसंपर्क, प्रचारऔरविज्ञापन–विजयकुलश्रेष्ठ, राजस्थान प्रकाशन,जयपुर।
2. जनसंचारमाध्यम : भाषाऔरसाहित्य–सुधीशपचौरी,नटराज प्रकाशन,नई दिल्ली।
3. डिजिटलयुगमेंविज्ञापन–सुधासिंह, जगदीश्वरचतुर्वेदी, अनामिका पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
4. विज्ञापनकीदुनिया–कुमुदशर्मा, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. विज्ञापन: भाषाऔरसंरचना–रेखासेठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. विज्ञापनऔरब्रांड – संजयसिंहबघेल,सस्ता साहित्य मंडल,नई दिल्ली।
7. मीडियाऔरबाज़ार – वर्तिकानंदा,सामयिक प्रकाशन,नई दिल्ली।

GE 5 SEMESTER - V (GENERAL ELECTIVES)

कंप्यूटर और हिंदी

Semester V : GE
कंप्यूटर और हिंदी

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE कंप्यूटर और हिंदी	4	3	0	1	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- हिंदी के संदर्भ में कंप्यूटर की दुनिया से परिचित कराना।
- हिंदी के विभिन्न फ़ॉन्ट्स से परिचित कराना।
- हिंदी में कंप्यूटर संबंधी कौशल का विकास करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- कंप्यूटर से जुड़ी चुनौतियों और संभावनाओं का ज्ञान होगा।
- ई-लर्निंग और ई-शिक्षण में हिंदी का प्रयोग सीख सकेंगे।
- हिंदी में कंप्यूटर संबंधी कौशल का विकास होगा।

इकाई 1 : कंप्यूटर तकनीक का विकास और हिंदी (12 घंटे)

- कंप्यूटर : सामान्य परिचय और विकास
- हिंदी के विविध फॉन्ट्स
- कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएं

इकाई 2 : हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी (9 घंटे)

- इंटरनेट और हिंदी
- देवनागरी और यूनिकोड
- हिंदी भाषा और ब्लॉग निर्माण

इकाई 3 : हिंदी भाषा, कंप्यूटर और ई-शिक्षण (12 घंटे)

- हिंदी भाषा और ई-शिक्षण
- ई-लर्निंग और हिंदी
- हिंदी भाषा में ई-पुस्तकालय और ई-पाठशाला

इकाई 4 : हिंदी भाषा और कंप्यूटर : प्रायोगिक पक्ष (12 घंटे)

- इंटरनेट पर हिंदी पत्र-पत्रिकाओं का परिचय
- हिंदी में वेब पेज तैयार करना
- हिंदी में वीडियो मॉड्यूल और पॉडकास्ट तैयार करना

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. हरिमोहन; कंप्यूटर और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
2. हरिमोहन; आधुनिक जनसंचार और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
3. मल्होत्रा, विजय कुमार; कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. गोयल, संतोष; हिंदी भाषा और कंप्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली।
5. शर्मा, पी. के.; कंप्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धांत, डायनेमिक पब्लिकेशन, दिल्ली।
6. द्विवेदी, संजय (संपादक); सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद, यश पब्लिकेशन, दिल्ली।
7. बिसारिया, यादव, कुशवाहा, पुनीत, बीरेंद्र सिंह, यतेंद्र सिंह; कार्यालयीय हिंदी और कंप्यूटर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
8. रंजन, राजेश; अपना कंप्यूटर अपनी भाषा में, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।

GE 5

SEMESTER - V

(GENERAL ELECTIVES)

रंगमंच और लोक साहित्य

Semester V : GE
रंगमंच और लोक-साहित्य

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE रंगमंच और लोक-साहित्य	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- लोकनाट्य रूपों की समग्र भारतीय परंपरा से परिचित कराना।
- भारतीय सांस्कृतिक-बोध के निर्माण में लोकनाट्य रूपों के योगदान के महत्व की समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- लोकनाट्य की समग्र भारतीय परंपरा का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
- विविध प्रादेशिक लोकनाट्य रूपों के स्वरूप की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- आधुनिक हिंदी रंगमंच के संदर्भ में विविध लोकनाट्य रूपों के प्रयोगधर्मी स्वरूप की समझ बन सकेगी।

इकाई 1 : लोकनाट्य : स्वरूप एवं अवधारणा **(9 घंटे)**

- परंपरागत एवं आधुनिक लोकनाट्य का इतिहास (भरतमुनि प्रणीत नाट्यशास्त्र के पूर्व से लेकर, मध्यकालीन तथा आधुनिक मिश्रित प्रयोगधर्मी स्वरूप तक)

इकाई 2 : प्रमुख लोकनाट्य रूपों का संक्षिप्त परिचय **(12 घंटे)**

- रामलीला, रासलीला, सांग, नौटंकी, ख्याल, माच, नाचा, बिदेसिया, करियाला, भवई, तमाशा, जात्रा, अंकिया नाट, कुडियाट्टम, भागवत मेल।

इकाई 3 : पाठपरक अध्ययन – 1 **(12 घंटे)**

- लखमीचंद : सांग – 'नल दमयन्ती'
- भिखारी ठाकुर : 'बिदेसिया'

इकाई 4 : पाठपरक अध्ययन – 2 **(12 घंटे)**

- गिरीश कर्नाड : यक्षगान – 'हयवदन'
- सिद्धेश्वर सेन : माच – 'राजा भरथरी'

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सांकृत्यायन, पंडित राहुल; हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, 16वां भाग
2. सत्येन्द्र डॉ.; लोक साहित्य विज्ञान
3. मिश्र, विद्या; वाचिक कविता : भोजपुरी
4. परमार, श्याम; लोकधर्मी नाट्य परंपरा
5. सिन्हा, विद्या; भारतीय लोक साहित्य परंपरा और परिदृश्य
6. बंधु, हरिचंद्र; लक्ष्मीचंद का काव्य वैभव
7. हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
8. शर्मा, पूर्णचंद; हरियाणा की लोकधर्मी लोकनाट्य परंपरा
9. अग्रवाल, रामनारायण; सांगीत एक लोकनाट्य परंपरा
10. मालिक, कुसुमलता; स्वातंत्र्योत्तर पारंपरिक रंग प्रयोग, इंडियन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
11. शर्मा, यशपाल; दादा लखमी फिल्म
12. गौतम, रमेश (संपादक); हिंदी रंगमंच का लोक पक्ष
13. वात्स्यायन, कपिला; पारंपरिक भारतीय रंगमंच : अनंत धाराएं
14. Hansen, Kathryn; Ground for play: Nautanki Theatre of North Indian, University of California Press,1992
15. Kulkarni, Dr. P. D.; Dramatic World of Girish Karnad, Creative Publications, Nanded, Maharashtra

भारतीय ज्ञान परम्परा

Semester VI : GE
भारतीय ज्ञान परंपरा

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
GE भारतीय ज्ञान परंपरा	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- भारतीय ज्ञान परंपरा का परिचय देना।
- भारत की गौरवशाली परंपरा का ज्ञान प्रदान करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी भारत की गौरवशाली परंपरा से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी भारत की प्राचीन और आधुनिक शिक्षा पद्धति का विश्लेषण कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारतीय ज्ञान परंपरा के सूत्रों द्वारा आधुनिक जीवन की समस्याओं से मुक्ति का समाधान प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई 1 : भारतीय ज्ञान परंपरा की अवधारणा (12 घंटे)

- भारतीय ज्ञान परंपरा : अवधारणा और आयाम
- भारतीय ज्ञान परंपरा का संक्षिप्त इतिहास
- भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता

इकाई 2 : ज्ञान के रचनात्मक स्रोत : संक्षिप्त परिचय (12 घंटे)

- वेद और उपनिषद
- पुराण और इतिहास
- धर्म-शास्त्र और स्मृति ग्रंथ
- रामायण, महाभारत और रामचरित मानस

इकाई 3 : भारतीय ज्ञान परंपरा के प्राचीन अनुशासन (9 घंटे)

- प्राचीन शिक्षा पद्धति और विद्यापीठ
- पर्यावरणीय चेतना और भारतीय ज्ञान परंपरा
- प्राचीन योग पद्धति और आधुनिक जीवन शैली

इकाई 4 : भारतीय ज्ञान परंपरा के नव्य-दर्शन (12 घंटे)

- नव्य-दर्शन और आधुनिक भारत
- स्वामी विवेकानंद नव्य-वेदांत दर्शन और भारत
- पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानव दर्शन
- श्री अरविंद का जीवन दर्शन और भारत-बोध

सहायक ग्रंथों की सूची:

- शुक्ल, रजनीश कुमार; भारतीय ज्ञान परंपरा और विचारक, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
- अग्रवाल, वासुदेवशरण; कला और संस्कृति, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
- द्विवेदी, संजय; भारतबोध का नया समय, यश प्रकाशन, नई दिल्ली।
- Mahadevan, Bhat and Pavana, B., Vinayak Rajat, Nagendra R.N.; Introduction to Indian Knowledge System : Concept and Applications, PHI Learning Private Limited
- गुप्ता, बजरंग लाल; पं. दीनदयाल उपाध्याय : व्यक्ति, विचार और समसामयिकता, किताब वाले, दिल्ली।
- दीक्षित, हृदयनारायण; पं. दीनदयाल उपाध्याय : द्रष्टा दृष्टि और दर्शन, अनामिका प्रकाशन, प्रयागराज।
- शेखर, हिमांशु; स्वामी विवेकानंद के सपनों का भारत, डायमंड पब्लिक बुक्स, नई दिल्ली।
- चौहान, लालबहादुर सिंह; योगसाधक महर्षि अरविंद, दृष्टि प्रकाशन, नई दिल्ली।

हिंदी गीतिकाव्य

BA (Hons.)Hindi Annexure-1
SemesterVI:GE
हिंदी गीतिकाव्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
GE हिंदी गीतिकाव्य	4	3	1	0	Class 12th pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य(Course Objectives):

- गीतिकाव्य की अवधारणा से परिचित कराना।
- हिंदी गीतिकाव्य की विकास परंपरा से अवगत कराना।
- गीतिकाव्य की विभिन्न शैलियों की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी गीतिकाव्य की अवधारणा एवं स्वरूप को समझ सकेंगे।
- गीतिकाव्य की ऐतिहासिक विकास-यात्रा से परिचित हो सकेंगे।
- हिंदी गीतिकाव्य के विविध पहलुओं से अवगत होंगे।

इकाई 1 : हिंदी गीतिकाव्य: अवधारणा एवं स्वरूप
(12 घंटे)

- गीतिकाव्य की अवधारणा
- गीति तत्त्व
- हिंदी गीतिकाव्य की विकास परंपरा
- हिंदी गीतिकाव्य की विविध शैलियाँ

इकाई 2 : **(12 घंटे)**

- अंग्रेज राज सुख साज सजै सब भारी – भारतेंदु हरिश्चंद्र (भारत-दुर्दशा)
- हमारी सभ्यता: अतीत खंड – मैथिलीशरण गुप्त (भारत-भारती)

2

EC(1268)-15.12.2023

- अरुण यह मधुमय देश हमारा – जयशंकर प्रसाद (चन्द्रगुप्त)
- बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ – महादेवी वर्मा
- गीत गाने दो मुझे– सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

इकाई 3 : **(9 घंटे)**

- हिमालय – रामधारी सिंह दिनकर
- इस पार उस पार – हरिवंश राय बच्चन (मधुबाला)
- समय की शिला पर – शंभुनाथ सिंह
- आदमी का आकाश – रामावतार त्यागी

इकाई 4 : **(12 घंटे)**

- उत्तर प्रियदर्शी – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'
- हम लाए हैं तूफान से किश्ती निकाल के – कवि प्रदीप
- किसी की मुस्कुराहटों पे हो निसार – शंकर शैलेंद्र
- ओ गंगा बहती हो क्यूँ– नरेंद्र शर्मा

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. अग्रवाल,ओमप्रकाश;हिंदी गीतिकाव्य, साहित्य भवन लिमिटेड, प्रयागराज
2. एम.ए., रामखेलावन पाण्डेय; गीति-काव्य, ज्ञानमंडल प्रकाशन, बनारस
3. एम.ए., सच्चिदानंद तिवारी; आधुनिक गीति-काव्य, किताब महल, इलाहाबाद
4. आशाकिशोर, डॉ.; आधुनिक हिंदी गीतिकाव्य का स्वरूप और विकास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. अग्रवाल, डॉ. सरोजनी; छायावाद का गीति-काव्य,
6. सिंह, संध्या; निराला का गीत-काव्य, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. सिंह,डॉ. ओमप्रकाश;नयी सदी के नवगीत: नया मूल्यांकन, समग्र प्रकाशन, दिल्ली
8. सिंह, शंभुनाथ;नवगीत दशक, पराग प्रकाशन,दिल्ली
9. श्रीवास्तव,शुभा;गीत से नवगीत, आराधना ब्रदर्स,दिल्ली
10. बंधु,राधेश्याम (सं.);नवगीत के नए प्रतिमान, कोणार्क प्रकाशन, दिल्ली

3

DSE 1 SEMESTER - III (DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVES)

हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा

सेमेस्टर – 3

हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा

Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी की मौखिक और लोक-साहित्य परंपरा	डीएसई (DSE1)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- लोक साहित्य परंपरा के माध्यम से भारतीय लोक-जीवन से परिचित कराना
- लोक साहित्य परंपरा के माध्यम से भारतीय लोक-संस्कृति के विविध पक्षों को समझाना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भारतीय जीवन की लोकधारा का परिचय प्राप्त होगा
- पर्यटन, लोक संगीत और नृत्य में रुचि विकसित होगी

इकाई – 1 : मौखिक साहित्य की परंपरा और उसके विविध रूप (12 घंटे)

- मौखिक साहित्य का विकास और लिखित साहित्य से संबंध
- साहित्य के विविध रूप : खेल, तमाशा, लोक-गीत, लोक-कथा, मुकरियाँ, पहेलियाँ, बुझौवल और मुहावरे, लोकगाथाएँ, लोकनाट्य आदि का सामान्य परिचय
- हिंदी प्रदेश की जनपदीय बोलियाँ और उनका साहित्य (संक्षिप्त परिचय)

इकाई – 2 : लोकगीत : वाचिक और मुद्रित (12 घंटे)

- सांस्कृतिक बोध और लोकगीत
- **संस्कार गीत:**
  - सोहर – अवधी (हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्ण देव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद, पृष्ठ 110-111)
  - यज्ञोपवीत – भारतीय लोक-साहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 88-89
  - विवाह भोजपुरी – भारतीय लोक-साहित्य परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 116
  - ऋतु संबंधी गीत – बारहमासा, होली, चैती, कजरी का सामान्य परिचय
- **श्रम संबंधी गीत:**
  - कटनी के गीत – अवधी (दो गीत), हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्ण देव उपाध्याय, पृष्ठ 134-135
  - जँतसर – भोजपुरी – भारतीय लोक साहित्य; परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, पृष्ठ 140-141

इकाई – 3 : लोककथा एवं लोकगाथा का सामान्य परिचय एवं पाठ (12 घंटे)

- प्रसिद्ध लोककथा एवं लोकगाथा – आल्हा, लोरिक, सारंगा सदावृक्ष, बिहुला का संक्षिप्त परिचय
- पाठ – (क) राजस्थानी लोककथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 10-11, सोलहवां भाग
  (ख) मालवी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 461-462
  (ग) अवधी लोक कथा नं. 2, हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, पृष्ठ 187-188

इकाई – 4 : लोक नाट्य विधा का सामान्य परिचय एवं पाठ (09 घंटे)

- विविध भाषा क्षेत्रों के नाट्यरूप और शैलियाँ – रामलीला, रासलीला, नौटंकी, ख्याल आदि का संक्षिप्त परिचय
- पाठ : बिदेसिया (भिखारी ठाकुर)

सहायक ग्रंथों की सूची:

- लोक साहित्य में राष्ट्रीय चेतना, ज्ञानगंगा प्रकाशन
- भारत की लोक संस्कृति – हेमंत कुकरेती, प्रभात प्रकाशन
- हिंदी प्रदेश के लोकगीत – कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन, इलाहाबाद
- हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य – शंकरलाल यादव, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद
- मीट माई पीपल – देवेंद्र सत्यार्थी, नवयुग प्रकाशन
- हमारे लोकधर्मी नाट्य – श्याम परमार, लोकरंग, उदयपुर
- हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास – राहुल सांकृत्यायन, सोलहवां भाग
- भारतीय लोक साहित्य: परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग
- हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
- मध्यप्रदेश लोककला अकादमी की पत्रिका – चौमासा

DSE 1 SEMESTER - III (DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVES)

राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य-धारा

सेमेस्टर – 3

राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य-धारा

Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्य-धारा	डीएसई (DSE2)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक साहित्य का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान
- देशवासियों में देश प्रेम की भावना जाग्रत करना
- खड़ी बोली को प्रतिष्ठित करना
- विद्यार्थियों को स्वर्णिम अतीत के गौरव से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना के अर्थ को समझ सकेंगे
- भारत के गौरवशाली इतिहास को समझ सकेंगे
- खड़ीबोली की विकास यात्रा से परिचित होंगे
- स्वतंत्रता आंदोलन में साहित्य की भूमिका को पहचान सकेंगे

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक धारा और साहित्य
- अवधारणा / परिचय / महत्व / प्रवृत्तियाँ / परिस्थितियाँ : स्वतंत्रता आंदोलन

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- देश दशा – राधाकृष्णदास
- आनन्द अरुणोदय – बद्री नारायण चौधरी 'प्रेमघन'
- यह है भारत देश हमारा – सुब्रह्मण्यम भारती

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- भारत-भारती (अतीत खंड) – मैथिलीशरण गुप्त
- पुष्प की अभिलाषा – माखनलाल चतुर्वेदी
- वीरों का कैसा हो वसन्त – सुभद्रा कुमारी चौहान
- प्रताप – श्याम नारायण पाण्डेय
- आजादी के फूलों पर जय-जय – सोहनलाल द्विवेदी

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- विप्लव गान – बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
- अरुण यह मधुमय देश हमारा – जयशंकर प्रसाद
- जागो फिर एक बार – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'
- बापू – रामधारी सिंह 'दिनकर'

सहायक ग्रंथों की सूची:

- देश दशा – राधाकृष्ण ग्रंथावली, पहला खंड, संकलनकर्ता और संपादक- श्यामसुंदरदास, इंडियन प्रेस, लिमिटेड, प्रयाग, प्रथम संस्करण 1930
- आनन्द अरुणोदय – बद्री नारायण चौधरी 'प्रेमघन', प्रेमघन सर्वस्व, प्रथम भाग – 1829
- भारत भारती (अतीत खण्ड), प्रकाशक : साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी, दसवां संस्करण
- वीरो का कैसा हो वसंत – सुभद्रा कुमारी चौहान, स्वतंत्रता पुकारती, (सं.) – नंद किशोर नवल, बालकृष्ण शर्मा नवीन, साहित्य अकादेमी 2006
- विप्लव गान – बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', स्वतंत्रता पुकारती, (सं.) नंद किशोर नवल, बालकृष्ण शर्मा नवीन, साहित्य अकादेमी 2006
- जागो फिर एक बार – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', अपरा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2006
- प्रताप – संकलन हल्दीघाटी, श्री श्यामनारायण पाण्डेय, इंडियन प्रेस, लिमिटेड, प्रयाग 1953
- आजादी के फूलों पर – सोहनलाल द्विवेदी (जय भारत जय संकलन), राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली, पहला संस्करण 1972
- पुष्प की अभिलाषा – माखनलाल चतुर्वेदी, समग्र कविताएँ, (सं.) – श्रीकांत जोशी, किताब घर, दिल्ली, 2006
- रामविलास शर्मा – महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- रामचंद्र शुक्ल, हिंदी साहित्य का इतिहास, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- रामस्वरूप चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोक भारती इलाहाबाद
- लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- किशोरीलाल गुप्त – भारतेन्दु और अन्य सहयोगी कवि, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, बनारस
- हिंदी साहित्य का इतिहास – (सं.) डॉ. नगेन्द्र
- हिंदी नवजागरण और संस्कृति – शम्भुनाथ
- भारतेंदु युग और हिंदी नवजागरण की समस्याएं – रामविलास शर्मा
- बीसवीं शताब्दी हिन्दी साहित्य: नये सन्दर्भ – लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय

DSE 1 SEMESTER - III (DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVES)

रचनात्मक लेखन

सेमेस्टर – 3

रचनात्मक लेखन

Discipline Specific Elective (DSE) Credits: 4

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
रचनात्मक लेखन	डीएसई (DSE3)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों में रचना-कौशल का विकास करना
- विद्यार्थियों को रोजगार की दृष्टि से सक्षम बनाना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- रचनात्मकता का विकास हो सकेगा
- विद्यार्थी विभिन्न माध्यमों – जैसे पत्रकारिता, मीडिया, विज्ञापन, सिनेमा आदि क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे

इकाई 1 : रचनात्मक लेखन : अवधारणा, स्वरूप एवं सिद्धांत **(12 घंटे)**

- भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया
- विविध अभिव्यक्ति क्षेत्र : पत्रकारिता, विज्ञापन, विविध गद्य एवं काव्य-रूप
- लेखन के विविध रूप : गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर, नाट्य

इकाई 2 : रचनात्मक लेखन और भाषा **(09 घंटे)**

- भाषा की भंगिमाएं : औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक भाषा
- भाषिक संदर्भ : स्थानीय, वर्ग, व्यवसाय, तकनीक

इकाई 3 : सृजनात्मक लेखन **(12 घंटे)**

- कविता लेखन
- कहानी लेखन
- नाटक लेखन

इकाई 4: जनसंचार माध्यमों के लिए लेखन **(12 घंटे)**

- प्रिन्ट मीडिया के लिए लेखन (फीचर, पुस्तक समीक्षा)
- रेडियो के लिए लेखन (रेडियो नाटक, रेडियो वार्ता)
- टेलिविज़न के लिए लेखन (वृत्तचित्र (डॉक्यूमेंट्री), विज्ञापन)

सहायक ग्रंथों की सूची:

- रचनात्मक लेखन – (सं) रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
- सृजनात्मक लेखन – हरीश अरोड़ा, यश प्रकाशन, नई दिल्ली
- कथा-पटकथा – मन्नू भण्डारी, वाणी प्रकाशन
- रेडियो लेखन – मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी
- दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन – राजेन्द्र मिश्र व ईशिता मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
- फिल्मों में कथा-पटकथा लेखन – रतन प्रकाश, प्रभात प्रकाशन
- सृजनशीलता और सौन्दर्य बोध – रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- कविता रचना-प्रक्रिया – कुमार विमल, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादेमी, पटना
- पटकथा लेखन : एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

DSE 2

SEMESTER - IV

(DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVES)

हिंदी लोक-नाट्य

सेमेस्टर –IV
हिंदी लोकनाट्य
Elective Course –DSE4

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी लोकनाट्य(DSE 4)	4	3	1	0	हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objective):

1. विद्यार्थियोंकोभारतीय लोकनाट्य साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन कराना।
2. लोक-जीवन और लोक-संस्कृति की जानकारी देना।
3. हिंदी लोकनाट्य शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. लोकनाट्य की समग्र भारतीय परंपरा का परिचय प्राप्त होगा।
2. विविध प्रादेशिक लोक-नाट्य रूपों के स्वरूप की जानकारी प्राप्त होगी।
3. आधुनिक हिंदी रंगमंच के संदर्भ में विविध लोकनाट्य रूपों के प्रयोगधर्मी स्वरूप की समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 **(12घंटे)**

- लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और विकास
- परंपरागत एवं आधुनिक लोकनाट्य का इतिहास (भरतमुनि प्रणीत नाट्यशास्त्र के पूर्व से लेकर मध्यकालीन तथा आधुनिक मिश्रित प्रयोगधर्मी स्वरूप तक)

इकाई – 2(12घंटे)

- प्रमुख लोकनाट्य रूपों का संक्षिप्त परिचय: रासलीला, रामलीला, सांग, नौटंकी, ख्याल, माच, पंडवानी, बिदेसिया।

इकाई– 3: पाठपरक अध्ययन (12 घंटे)

- नलदमयंती – सांग (लखमीचंद)

इकाई– 4 : पाठपरक अध्ययन (9 घंटे)

- राजयोगी भरथरी – सिद्धेश्वर सेन

सहायक ग्रंथ:

1. हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास – सोलहवां भाग, राहुल सांकृत्यायन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
2. भारतीय लोकनाट्य–वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. भारतीय लोक साहित्य : परंपरा और परिदृश्य–विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
4. लखमीचंद ग्रंथावली, हरियाणा साहित्य अकादमी।
5. लोक साहित्य : पाठ और परख–विद्या सिन्हा, आरुषि प्रकाशन, नोएडा।
6. भिखारी ठाकुर रचनावली– (संपादक) प्रो. वीरेंद्र नारायण यादव, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना।
7. परंपराशीलनाट्य–जगदीशचंद्रमाथुर, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद,पटना।
8. हमारे लोकधर्मीनाट्य–श्याम परमार,लोकरंग, उयदयपुर, राजस्थान।
9. पारंपरिक भारतीय रंगमंच : अनंत धाराएँ–कपिला वात्स्यायन।

DSE 2

SEMESTER - IV

(DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVES)

पर्यावरण
और
हिंदी साहित्य

सेमेस्टर –IV
पर्यावरण और हिंदी साहित्य
Elective Course – DSE5

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
पर्यावरण और हिंदी साहित्य(DSE5)	4	3	1	0	हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. विद्यार्थियों में पर्यावरण - बोध का प्रसार करना।
2. हिंदी साहित्य में पर्यावरण - चेतना को बताना।
3. पर्यावरण और जीवन के अन्योन्याश्रय संबंधों को समझाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी पर्यावरण के विभिन्न आयामों से परिचित होंगे।
2. हिंदी साहित्य में अभिव्यक्त पर्यावरण चेतना को जानेंगे।
3. पर्यावरण और जीव - जगत के अंतर्संबंधों को समझेंगे।

इकाई 1 : पर्यावरण-चिंतन : अवधारणा का विकास(12 घंटे)

- प्रकृति, पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी : अवधारणा और महत्त्व
- विकास की अवधारणा
- विकास की गांधी-दृष्टि
- धारणीय (Sustainable) विकास की अवधारणा

इकाई 2 : हिंदी कविता में प्रकृति(12 घंटे)

- पृथ्वी-रोदन : हरिवंशराय बच्चन
- सतपुड़ा के घने जंगल : भवानी प्रसाद मिश्र

इकाई 3 :कथा साहित्य में प्रकृति और पर्यावरण (12 घंटे)

- परती परिकथा (निर्धारित अंश) :फणीश्वर नाथ रेणु
- बाबा बटेसर नाथ (निर्धारित अंश) : नागार्जुन
- कुइयाँ जान (अंश) : नासिरा शर्मा
- नया मन्वंतर (नाटक) – चिरंजीत

इकाई 4 : कथेतर में प्रकृति-चेतना(9घंटे)

- सुलगती टहनी : निर्मल वर्मा
- हल्दी - दूब और दधि – अक्षत : विद्यानिवास मिश्र
- आज भी खरे है तालाब (अंश) : अनुपम मिश्र

सहायक ग्रंथ:

1. राजस्थान की रजत बूँदें – अनुपम मिश्र, गांधी शांति प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
2. विकास और पर्यावरण – सुभाष शर्मा, प्रकाशन विभाग, सूचना प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली।
3. जल, थल, मल – सोपान जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. लोग क्यों करते हैं प्रतिरोध – सुभाष शर्मा, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
5. साफ माथे का समाज – अनुपम मिश्र, पेंग्विन इंडिया, नई दिल्ली।
6. विचार का कपड़ा – अनुपम मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. तालाब झारखंड – हेमंत, नई किताब प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. अहिंसक अर्थव्यवस्था – नंदकिशोर आचार्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।
9. गांधी हैं विकल्प – नंदकिशोर आचार्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।

DSE 2

SEMESTER - IV

(DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVES)

जनसंचार माध्यम और तकनीक

सेमेस्टर –IV
जनसंचार माध्यमऔर तकनीक
Elective Course – DSE6

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
जनसंचार माध्यम और तकनीक (DSE6)	4	3	1	0	हिंदी के साथ12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

10. विद्यार्थियोंकोजनसंचार माध्यमों के विस्तृतक्षेत्रसेपरिचितकराना।
11. जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त तकनीक का ज्ञान देना।
12. जनसंचार माध्यम और तकनीकसे जुड़ी आचार संहिताओं काबोधकराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी जनसंचार के विभिन्नमाध्यमोंकीपहुँचऔरप्रसारक्षमतासेपरिचितहोंगे।
2. जनसंचार माध्यमों में प्रयुक्त तकनीकी पक्ष को जान पायेंगे।
3. फेक न्यूज आदि से बचने के लिए इंटरनेट से जुड़ी आचार संहिताओं का सही ज्ञान होगा।

इकाई–1:जनसंचार : स्वरूपएवंअवधारणा (12 घंटे)

- जनसंचार: अर्थ, परिभाषाव स्वरूप
- जनसंचारकेउद्देश्य
- जनसंचारका प्रसार एवं महत्व
- जनसंचार के प्रकार

इकाई–2 : जनसंचार केमाध्यम (12 घंटे)

- प्रिंट ,रेडियोऔरटेलीविज़न
- डिजिटल माध्यम
- सोशलमीडिया–फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम
- सोशलनेटवर्किंगसाइट्सतथा अन्यमाध्यम

इकाई–3 :जनसंचार :तकनीकी पक्ष(12घंटे)

- जनसंचार तथा सूचना तकनीक
- इंटरनेट पत्रकारिता
- ब्लॉग
- न्यू मीडिया

इकाई 4 : जनसंचार और लोकतंत्र (9 घंटे)

- जनसंचार माध्यमों का प्रयोग और नागरिक की ज़िम्मेदारी
- आपात स्थितियों में जनसंचार की भूमिका
- प्रेस कानून : सामान्य परिचय
- साइबर कानून :सामान्य परिचय

सहायकग्रंथ:

1. भूमंडलीकरण और मीडिया –कुमुदशर्मा।
2. जनसंचारमाध्यम : भाषाऔरसाहित्य–सुधीशपचौरी।
3. जनसंचार – हरीश अरोड़ा, युवा साहित्य चेतना मंडल, नई दिल्ली।
4. जनसंचार माध्यमों का राजनीतिक चरित्र – जवरीमल्ल पारख।
5. इंटरनेट पत्रकारिता –सुरेश कुमार।
6. सोशलनेटवर्किंग: नएसमयकासंवाद–(संपादक)संजयद्विवेदी।
7. वर्चुअलरिएलिटिऔरइंटरनेट- जगदीश्वरचतुर्वेदी।
8. सोशलमीडियाऔरब्लॉगलेखन–स्नेहलता।
9. नएमाध्यम, नईहिंदी–प्रो. हरिमोहन।
10. सोशल मीडिया–स्वर्ण सुमन।
11. मीडियाऔरबाज़ार – वर्तिकानंदा।
12. संचारक्रांतिऔरबदलतासामाजिकसौंदर्यबोध–कृष्णकुमाररत्तू।

DSE 3

SEMESTER - V

(DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVES)

भारतीय
और
पाश्चात्य रंगमंच

BA (Hons) Hindi
Semester V: DSE
भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भारतीय एवं पाश्चात्य रंग सिद्धांतों का स्वरूपगत विभेद तथा परंपरा का आद्यंत परिचय।
- भारतीय एवं पाश्चात्य विविध नाट्य रूपों के दार्शनिक चिंतन के अंतर की जानकारी।
- भारतीय तथा पाश्चात्य नाट्य रूपों की व्यावहारिक तथा प्रयोगात्मक जानकारी।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भारतीय एवं पाश्चात्य रंग परंपराओं के भेद तथा प्रकारों का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
- भारतीय एवं पाश्चात्य रंग परंपराओं के आदान-प्रदान से निर्मित आधुनिक नाट्य रूपों की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य रूपों की विविधता से परिचय के बाद समकालीन रंग परिदृश्य की बेहतर समझ विकसित होगी।

इकाई-1 : **(12 घंटे)**

- नाटक की भारतीय अवधारणाएं (उत्पत्ति तथा स्वरूप संबंधी मान्यताएं)
- नाटक की पाश्चात्य अवधारणाएं (उत्पत्ति तथा स्वरूप संबंधी मान्यताएं)

इकाई-2 : **(12 घंटे)**

- भारतीय नाट्यरूप : रूपक, उपरूपक, नाटक (प्रकार तथा भेद)
- आधुनिक भारतीय नाट्यरूप : काव्य नाटक, एकांकी, रेडियो नाटक, नुक्कड़ नाटक

इकाई-3 : **(9 घंटे)**

- अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत
- अरस्तू : विरेचन सिद्धांत

इकाई-4 : **(12 घंटे)**

- पाश्चात्य नाट्यरूप : त्रासदी, ड्रामा
- पाश्चात्य नाट्यरूप : कामदी, मेलोड्रामा

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. भरतमुनि; नाट्यशास्त्र
2. नगेंद्र, डॉ.; भारतीय नाट्य चिंतन
3. चेनी, शेल्डान; रंगमंच
4. ओझा, दशरथ; हिंदी नाटक : उद्भव और विकास
5. त्रिपाठी, राधावल्लभ; नाट्यशास्त्र विश्वकोश
6. गार्गी, बलवंत; रंगमंच
7. दीक्षित, सुरेंद्रनाथ; भरत और भारतीय नाट्यकला, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली।
8. चातक, गोविंद; रंगमंच : कला और दृष्टि
9. चतुर्वेदी, सीताराम; भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच, हिंदी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ।
10. जैन, नेमिचंद्र; रंगदर्शन
11. लाल, लक्ष्मीनारायण; रंगमंच : देखना और जानना
12. त्रिपाठी, वशिष्ठ नारायण; नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान
13. राय, डॉ. नर्वदेश्वर; हिंदी नाट्यशास्त्र का स्वरूप

DSE 3

SEMESTER - V

(DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVES)

हिंदी सिनेमा : व्यावहारिक संदर्भ

BA (Hons) Hindi
Semester V: DSE
हिंदी सिनेमा : व्यावसायिक संदर्भ

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE हिंदी सिनेमा : व्यावसायिक संदर्भ	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- हिंदी सिनेमा का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान देना।
- हिंदी सिनेमा के विकास के विभिन्न चरणों से परिचय कराना।
- हिंदी सिनेमा के माध्यम से भारतीय समाज एवं संस्कृति का बोध कराना।
- हिंदी सिनेमा और उसके माध्यम से रोजगार की ओर अग्रसर होना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी सिनेमा की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक समझ विकसित होगी।
- हिंदी सिनेमा की विकास-यात्रा के विभिन्न चरणों से परिचित होंगे।
- हिंदी सिनेमा में निहित समाज एवं संस्कृति के अंतर्संबंधों के विश्लेषण में समर्थ होंगे।
- हिंदी सिनेमा और उसके माध्यम से रोजगार से परिचित होंगे।

इकाई 1 : हिंदी सिनेमा : सामान्य परिचय **(11 घंटे)**

- हिंदी सिनेमा का स्वरूप
- हिंदी सिनेमा के प्रमुख चरण – मूक सिनेमा, सवाक सिनेमा, रंगीन सिनेमा, ओटीटी सिनेमा
- सिनेमा के प्रकार – लोकप्रिय/व्यावसायिक सिनेमा, समानांतर/कला सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा, विश्व सिनेमा

इकाई 2 : हिंदी सिनेमा का बाजार **(11 घंटे)**

- सिनेमा : कला अथवा उत्पाद
- तकनीक और ब्रांड का बाजार
- गीत और संगीत का बाजार
- विश्व बाजार में भारतीय सिनेमा

इकाई 3 : सिनेमा का बदलता स्वरूप **(11 घंटे)**

- स्वतंत्रतापूर्व हिंदी सिनेमा एवं मूल्यबोध
- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी सिनेमा : सामाजिक-सांस्कृतिक, राष्ट्रीय और आर्थिक परिप्रेक्ष्य
- वैश्वीकरण और हिंदी सिनेमा – रीमेक सिनेमा, सौ करोड़ी सिनेमा, बायोपिक सिनेमा, सोक्वल सिनेमा
- क्षेत्रीय सिनेमा का वैश्विक बाजार

इकाई 4 : फिल्मों का (सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक आदि दृष्टियों से) अध्ययन **(12 घंटे)**

- पूरब और पश्चिम
- मेरा नाम जोकर
- जंजीर
- दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे
- दंगल
- बॉर्डर

विशेष: उपरोक्त में से कुछ फिल्में तीन वर्ष के अंतराल पर अकादमिक परिषद की सहमति से बदलीं जा सकतीं हैं।

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. मृत्युंजय; हिंदी सिनेमा के सौ बरस, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
2. चड्ढा, मनमोहन; हिंदी सिनेमा का इतिहास, सचिन प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. बिसारिया, डॉ. पुनीत; भारतीय सिनेमा का सफरनामा, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली।
4. ब्रह्मात्मज, अजय; सिनेमा की सोच, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. दास, विनोद; भारतीय सिनेमा का अंतःकरण, मेधा बुक्स, शाहदरा, दिल्ली।
6. ओझा, अनुपम; भारतीय सिने सिद्धांत, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. राय, अजित; बॉलीवुड की बुनियाद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. सिंह, जय; सिनेमा बीच बाजार, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।

DSE 3

SEMESTER - V

(DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVES)

हिंदी

यात्रा साहित्य

BA (Hons) Hindi
Semester V : DSE
हिंदी यात्रा साहित्य

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE हिंदी यात्रा साहित्य	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को यात्रा साहित्य के माध्यम से समाज एवं संस्कृति के विविध पहलुओं से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता के भाव-बोध को जागृत करना।
- विद्यार्थियों को यात्रा साहित्य के इतिहास की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी यात्रा साहित्य के लेखकों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी यात्रा वृत्तांत के साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्त्व से परिचित होंगे।
- यात्रा वृत्तांत के माध्यम से पर्यटन के प्रति रुचि विकसित होगी।

इकाई 1 : यात्रा साहित्य की अवधारणा और स्वरूप **(12 घंटे)**

- यात्रा साहित्य का अर्थ और स्वरूप
- यात्रा साहित्य का महत्त्व
- यात्रा साहित्य की विशेषताएँ

इकाई 2 : हिंदी यात्रा साहित्य का विकासात्मक परिचय **(12 घंटे)**

- स्वतंत्रता पूर्व हिंदी यात्रा साहित्य : सामान्य परिचय
- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी यात्रा साहित्य : सामान्य परिचय
- यात्रा साहित्य का सामाजिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य

इकाई 3 : पाठपरक अध्ययन – 1 **(12 घंटे)**

- किन्नर देश में – राहुल सांकृत्यायन
- अरे यायावर रहेगा याद – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

इकाई 4 : पाठपरक अध्ययन – 2 **(9 घंटे)**

- चीड़ों पर चाँदनी – निर्मल वर्मा (अनुक्रम के अनुसार केवल 9वां यात्रा संस्मरण 'चीड़ों पर चाँदनी')
- कामाख्या क्षेत्रे गुवाहाटी नगरे – सांवरमल सांगानेरिया (पुस्तक : ब्रह्मपुत्र के किनारे-किनारे)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सांगानेरिया, सांवरमल; ब्रह्मपुत्र के किनारे-किनारे, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
2. सांकृत्यायन, राहुल; किन्नर देश में, किताब महल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली।
3. अज्ञेय; अरे यायावर रहेगा याद, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. वर्मा, निर्मल; चीड़ों पर चाँदनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. उप्रेती, रेखा प्रवीण; हिंदी का यात्रा साहित्य, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली।
6. नगेंद्र, डॉ; साहित्य का समाजशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
7. अग्रवाल, वासुदेव शरण; कला और संस्कृति, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. दिनकर, रामधारी सिंह; संस्कृति के चार अध्याय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. शर्मा, मुरारीलाल; हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरूप और विकास, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली।

DSE 4 SEMESTER - VI (DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVES)

हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

BA (Hons.) Hindi
Semester VI : DSE
हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE हिंदी भषा का व्यावहारिक व्याकरण	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भाषा के स्वरूप और महत्त्व का परिचय कराना।
- भाषा के व्याकरणिक रूप का परिचय देना।
- हिंदी भाषा के विकारी रूपों की रचना को सिखाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भाषा और व्याकरण के संबंध का परिचय प्राप्त होगा।
- हिंदी की ध्वनि व्यवस्था का परिचय प्राप्त होगा।
- हिंदी की वाक्य रचना, अर्थ रचना का परिचय प्राप्त होगा।

इकाई 1 : भाषा और व्याकरण **(9 घंटे)**

- भाषा की परिभाषा और विशेषताएं
- व्याकरण की परिभाषा और महत्त्व
- भाषा और व्याकरण का अंत:संबंध
- हिंदी की ध्वनियों का वर्गीकरण: स्वर, व्यंजन और मात्राएं

इकाई 2 : शब्द एवं पद विचार **(12 घंटे)**

- शब्द की परिभाषा और उसके भेद : रचना एवं स्रोत के आधार पर
- शब्द-निर्माण : उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास
- विकारी शब्दों की रूप-रचना : संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया

इकाई 3: वाक्य-विचार **(12 घंटे)**

- वाक्य की परिभाषा और उसके अंग
- वाक्य के भेद : रचना एवं अर्थ के आधार पर
- वाक्य संरचना : पदक्रम, अन्विति और विराम-चिह्न

इकाई 4: अर्थ-विचार **(12 घंटे)**

- अर्थ की अवधारणा, शब्द-अर्थ संबंध
- अर्थ बोध के साधन
- अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएं

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी भाषा का इतिहास : हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज।
2. पांडेय, डॉ. राजबलि; भारतीय पुरालिपि : लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
3. शुक्ल, डॉ. हनुमान प्रसाद; हिंदी भाषा : पहचान से प्रतिष्ठा तक, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
4. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. गुरू, कामताप्रसाद; हिंदी व्याकरण, साहित्यसरोवर पब्लिकेशन, आगरा।
6. प्रसाद, डॉ. वासुदेव नंदन; आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन, मेरठ।
7. वाजपेयी, किशोरीदास; हिंदी शब्दानुशासन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
8. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
9. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की आर्थी संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
10. तिवारी, भोलानाथ; भाषा विज्ञान, किताब महल, दिल्ली।

DSE 4 SEMESTER - VI (DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVES)

भाषा दक्षता और तकनीक

BA (Hons.) Hindi
Semester VI : DSE
भाषा दक्षता और तकनीक

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE भाषा दक्षता और तकनीक	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भाषा दक्षता के महत्व, प्रयोग विस्तार, शैली, भाषिक संस्कृति और भाषिक कौशलों की समझ विकसित करना।
- तकनीक के साथ भाषा के संबंध की समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, समीक्षा आदि पहलुओं को सीख सकेंगे।
- भाषा और तकनीक के सह-संबंध के माध्यम से भाषा के व्यावहारिक रूप को जान सकेंगे।

इकाई 1 : भाषा दक्षता का स्वरूप एवं महत्त्व (12 घंटे)

- भाषा दक्षता : तात्पर्य और महत्त्व
- भाषा दक्षता : श्रवण एवं वाचन
- भाषा दक्षता : पठन और लेखन

इकाई 2 : भाषा व्यवहार एवं प्रक्रिया (12 घंटे)

- भाषा व्यवहार : भाषा प्रयोग एवं शैली का महत्त्व
- भाषा को प्रभावित करने वाले कारक : आयु, वर्ग, लिंग, व्यवसाय, शिक्षा और संस्कृति
- भाषा दक्षता में श्रवण, उच्चारण, शुद्ध पठन और रचनात्मक लेखन की प्रक्रिया

इकाई 3 : भाषा दक्षता और तकनीक (12 घंटे)

- भाषा दक्षता में यूनिकोड का महत्त्व
- गूगल वॉयस सर्च और हिंदी दक्षता
- डिजिटल हिंदी और तकनीक का सह-संबंध

इकाई 4 : भाषा दक्षता : व्यावहारिक पक्ष ((9 घंटे)

- वाचन : भाषण, समूह चर्चा, वार्तालाप, किसी साहित्यिक कृति का पाठ
- लेखन : संक्षेपण,पल्लवन, समीक्षा, रिपोर्ट

संदर्भ ग्रंथों की सूची:

1. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ, सृजनात्मक साहित्य, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. सिंह, दिलीप; भाषा,साहित्य और संस्कृति शिक्षण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. सिंह, सावित्री; हिंदी शिक्षण, गया प्रसाद एंड संस, आगरा।
4. प्रकाश, डॉ. ओम; व्यावहारिक हिंदी शुद्ध प्रयोग, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
5. मुकुल, डॉ. मंजु; संप्रेषण : चिंतन और दक्षता, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।
6. शर्मा, शिवमूर्ति; हिंदी भाषा शिक्षण, नीलकमल प्रकाशन, हैदराबाद।
7. स्वयं अधिगम सामग्री, हिंदी शिक्षण प्रविधि, इग्नू, नई दिल्ली।
8. कुमार, निरंजन; माध्यमिक विद्यालयों मे हिंदी शिक्षण, राजस्थान ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
9. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; हिंदी भाषा का समाजशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
10. गुप्ता, मनोरमा; भाषा शिक्षण : सिद्धांत और प्रविधि, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।

DSE 4 SEMESTER - VI (DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVES)

गाँधी दर्शन और हिंदी साहित्य

BA (Hons.) Hindi
Semester VI : DSE
गांधी-दर्शन और हिंदी साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE गांधी-दर्शन और हिंदी साहित्य	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को महात्मा गांधी के शब्द और कर्म से परिचित कराना।
- महात्मा गांधी के चिंतन और हिंदी साहित्य के अंतर्संबंधों का ज्ञान देना।
- स्वाधीनता आंदोलन के मूल्यों से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी महात्मा गांधी के जीवन-दर्शन से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी राष्ट्रीय आंदोलन में गांधी जी के नेतृत्व और उनकी लोकप्रियता के कारकों को समझेंगे।
- विद्यार्थी गांधी-दर्शन और हिंदी साहित्य के संबंधों को जानेंगे।

इकाई 1 : गांधी-दर्शन : अवधारणा और महत्त्व (12 घंटे)

- गांधी-दर्शन की अवधारणा
- गांधी-दर्शन का विकास
- सत्य और अहिंसा
- विश्व पटल पर गांधी-दर्शन

इकाई 2 : भारतीय साहित्यिक-सांस्कृतिक परंपरा और महात्मा गांधी (9 घंटे)

- गांधी का गीता भाष्य
- गांधी और रामराज
- गांधी और सनातन संस्कृति

इकाई 3 : हिंदी कविता में गांधी ((12 घंटे)

- जय गांधी – सोहनलाल द्विवेदी
- महात्मा जी के प्रति – सुमित्रानंदन पंत
- बापू (चार प्रारंभिक अंश) – रामधारी सिंह दिनकर
- तुम कागज पर लिखते हो – भवानी प्रसाद मिश्र

इकाई 4 : हिंदी गद्य में गांधी (12 घंटे)

- पहला गिरमिटिया (अंतिम 50 पृष्ठ) – गिरिराज किशोर
- दांडी यात्रा (पृष्ठ संख्या 30-67) – मधुकर उपाध्याय
- भारत का स्वराज और महात्मा गांधी (उपसंहार) – बनवारी
- रचनाकार गांधी – विद्यानिवास मिश्र

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. गांधी, महात्मा; हिंद स्वराज, नवजीवन प्रकाशन, अहमदाबाद।
2. गांधी, महात्मा; सत्य के प्रयोग अथवा आत्मकथा, नवजीवन प्रकाशन, अहमदाबाद।
3. कृपलानी, कृष्ण; गांधी एक जीवनी, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली।
4. कृपलानी, जे. बी.; गांधी : जीवन और दर्शन, प्रकाशन विभाग, नई दिल्ली।
5. गिरि, राजीव रंजन; गांधीवाद रहे न रहे, अनन्य प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. आचार्य, नंद किशोर; अहिंसा की संस्कृति, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
7. धर्माधिकारी, दादा; गांधी की दृष्टि, सर्व सेवा संघ प्रकाशन, वाराणसी।
8. मिश्र, श्री प्रकाश; अहिंसा का उत्तर आधुनिक परिप्रेक्ष्य, प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।
9. मिश्र, दयानिधि; गांधी और हिंदी सृजन संदर्भ, सस्ता साहित्य मंडल, नयी दिल्ली।
10. पारेख, भीखू; गांधी, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नयी दिल्ली।

DSE 4 SEMESTER - VI (DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVES)

शोध-प्रविधि

BA (Hons.) Hindi
Semester VI : DSE
शोध प्रविधि

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE शोध-प्रविधि	4	3	1	0	Class 12th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- साहित्यिक शोध से परिचित कराना।
- शोध के नए आयामों का ज्ञान देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में साहित्यिक शोध के ज्ञान का विस्तार होगा।
- शोध के प्रतिमानों से परिचित होकर शोध-कार्य कर सकेंगे।

इकाई 1 : शोध की अवधारणा (9 घंटे)

- शोध : अवधारणा और स्वरूप
- शोध का क्षेत्र एवं शोध-प्रविधि
- शोध की प्रक्रिया

इकाई 2 : प्रमुख शोध पद्धतियाँ (12 घंटे)

- भाषा-वैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, मनोवैज्ञानिक, तुलनात्मक शोध, पाठालोचन

इकाई 3 : शोध प्रक्रिया के विविध चरण (12 घंटे)

- विषय चयन
- सामग्री संकलन
- तथ्य विश्लेषण
- रूपरेखा निर्माण
- शोध प्रबंध लेखन

इकाई 4 : शोध संबंधित अन्य पक्ष (12 घंटे)

- शोध संबंधी समस्याएं
- एक अच्छे शोधार्थी के गुण
- शोध के साधन और उपकरण
- संदर्भ सूची निर्माण

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सिन्हा, सावित्री; अनुसंधान का स्वरूप।
2. सिन्हा एवं स्नातक, सावित्री एवं विजयेन्द्र; अनुसंधान की प्रक्रिया।
3. शर्मा, विनयमोहन; शोध प्रविधि, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. सिंह, सरनाम; शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका, आत्माराम एंड संस, नई दिल्ली।
5. अरोड़ा, हरीश; शोध प्रविधि और प्रक्रिया, के. के. पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
6. त्रिपाठी, विनायक; शोध प्रविधि : अवधारणा एवं तकनीक, ओमेगा पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
7. पांडेय एवं पांडेय, गणेश एवं अरुण; राधा पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
8. गणेशन, एस. एन.; अनुसंधान प्रविधि : सिद्धांत और प्रक्रिया, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।

AEC

SEMESTER – I OR II

(ABILITY ENHANCEMENT COURSE)

AEC (A)

हिंदी भाषा : संप्रेषण और संचार

(12th तक हिंदी पढ़े विद्यार्थियों के लिए)

ABILITY ENHANCEMENT COURSE
Offered by
DEPARTMENT OF HINDI

AEC 1:हिन्दी भाषा: सम्प्रेषण और संचार (हिन्दी क)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
हिन्दी भाषा: सम्प्रेषण और संचार	02	2	--	---	हिंदी - क (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	हिंदी - क (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Learning Objectives)

- सम्प्रेषण के स्वरूप और सिद्धांतों से विद्यार्थियों को परिचित कराना
- सम्प्रेषण के विभिन्न माध्यमों की जानकारी देना
- प्रभावी सम्प्रेषण का गुण विकसित करना
- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा कौशल को बढ़ावा देना
- संचार माध्यमों के लिए लेखन कौशल का विकास

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Learning outcomes)

- संप्रेषण की अवधारणा और प्रक्रिया से परिचित हो सकेंगे
- संप्रेषण की तकनीक और कार्यशैली की बहुआयामी समझ का विकास
- प्रभावी सम्प्रेषण करना सीखेंगे
- पत्र-लेखन, प्रतिवेदन, अनुच्छेद लेखन की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे
- मीडिया के विविध रूपों के लिए लेखन करना

SYLLABUS OF AEC-1

इकाई 1: सम्प्रेषण: सामान्य परिचय (1-7 सप्ताह)

- सम्प्रेषण की अवधारणा
- सम्प्रेषण की प्रक्रिया
- सम्प्रेषण के विविध आयाम
- सम्प्रेषण और संचार

इकाई 2 : सम्प्रेषण और संचार के विविध रूप (8-15 सप्ताह)

- सम्प्रेषण के प्रकार
- सर्वेक्षण आधारित रिपोर्ट तैयार करना संभावित विषय: (कोरोना और मानसिक स्वास्थ्य, जागरूकता संबंधी अभियान, कूड़ा निस्तारण योजना)
- अनुच्छेद लेखन, संवाद लेखन, डायरी लेखन
- ब्लॉग लेखन, सम्पादकीय लेखन

सहायक पुस्तकें :

1. नए जनसंचार माध्यम और हिन्दी: सुधीश पचौरी, अचला शर्मा
2. सूचना और सम्प्रेषण: तकनीकी की समझ: स्मिता मिश्र
3. सम्प्रेषण: चिन्तन और दक्षता: मंजु मुकुल
4. संवाद पथ पत्रिका: केन्द्रीय हिन्दी संस्थान
5. हिन्दी का सामाजिक सन्दर्भ: रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
6. सम्प्रेषणपरक व्याकरण: सिद्धांत और स्वरूप: सुरेश कुमार

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक : 50
- लिखित परीक्षा : 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 12 अंक

AEC

SEMESTER – I OR II

(ABILITY ENHANCEMENT COURSE)

AEC (B)

हिंदी औपचारिक लेखन

(10th तक हिंदी पढ़े विद्यार्थियों के लिए)

AEC 2:हिंदी औपचारिक लेखन (हिन्दी ख)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
हिंदी औपचारिक लेखन	02	2	--	---	**हिंदी** - ख (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी** - ख (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	हिन्दी

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और लेखन-कौशल को बढ़ावा देना
- कार्यालयी और व्यावसायिक हिंदी की समझ विकसित करना
- हिंदी भाषा दक्षता और तकनीक के अंतः संबंध को रेखांकित करना
- कार्यालयों में व्यावहारिक कार्य के विभिन्न पक्षों से अवगत कराना
- हिन्दी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क आधारित विश्लेषण और लेखन पर बल

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी कार्यालयी और व्यावसायिक हिंदी की विशेषताओं से परिचित होंगे
- कार्यालयों में होने वाले व्यावहारिक कार्य का ज्ञान
- सूचना के अधिकार के लिए लेखन करना सकेंगे
- मार्केट सर्वेक्षण हेतु प्रश्नावली का निर्माण तथा उसका विश्लेषण करना जानेंगे
- विद्यार्थी टिप्पण, प्रारूपण, प्रतिवेदन, विज्ञप्ति तैयार करना सीख सकेंगे

SYLLABUS OF AEC-2

इकाई- 1: लेखन दक्षता का विकास (1-7 सप्ताह)

- कार्यालयी हिंदी
- व्यावसायिक हिंदी
- टिप्पण और प्रारूपण : सामान्य परिचय
- प्रतिवेदन और विज्ञप्ति का महत्व

इकाई- 2: औपचारिक लेखन के प्रकार (8-15 सप्ताह)

- स्ववृत्त लेखन
- सूचना के अधिकार के लिए लेखन
- कार्यालयी और व्यावसायिक पत्र लेखन
- किसी व्यावसायिक कार्यक्रम के संदर्भ में प्रेस विज्ञप्ति तैयार करना

सहायक पुस्तकें:

1. प्रयोजनमूलक और कार्यालयी हिन्दी: कृष्णकुमार गोस्वामी
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी की नई भूमिका: कैलाशचन्द्र पाण्डेय
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी: सिद्धांत और प्रयोग: दंगल झाल्टे
4. प्रशासनिक हिन्दी: हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन
5. राजभाषा हिंदी और उसका विकास: हीरालाल बाछोतिया, किताबघर प्रकाशन

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक : 50
- लिखित परीक्षा : 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 12 अंक

AEC

SEMESTER – I OR II

(ABILITY ENHANCEMENT COURSE)

AEC (C)

सोशल मीडिया और ब्लॉग लेखन

(8th तक हिंदी पढ़े विद्यार्थियों के लिए)

AEC 3 :सोशल मीडिया और ब्लॉग लेखन (हिन्दी ग)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
सोशल मीडिया और ब्लॉग लेखन	02	2	--	---	हिंदी - ग (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	हिंदी - ग (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8 वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	हिन्दी

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives)

- हिंदी सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों की जानकारी
- सोशल मीडिया की कार्यशैली की समझ
- सोशल मीडिया के महत्व और प्रभाव से मूल्यांकन
- ब्लॉग बनाना और लेखन
- सोशल मीडिया का व्यावहारिक ज्ञान

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcomes):

- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की जानकारी मिलेगी।
- सोशल मीडिया की कार्य-शैली की समझ विकसित होगी।
- ब्लॉग लेखन करने के साथ हिंदी के प्रमुख ब्लॉगों का अध्ययन और विश्लेषण कर सकेंगे।
- सोशल मीडिया के महत्व और उसकी भूमिका को रेखांकित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी सोशल मीडिया पर कार्य करना सीख सकेंगे

SYLLABUS OF AEC-3

इकाई 1. सोशल मीडिया और ब्लॉग

- सोशल मीडिया : अर्थ और परिभाषा
- सोशल मीडिया का प्रभाव और महत्व
- सोशल मीडिया के प्रकार (विकीपीडिया, ब्लॉग, सोशल नेटवर्किंग साइट्स, ट्विटर,यूट्यूब,इन्स्टाग्राम आदि)
- ब्लॉग लेखन: सामान्य परिचय

इकाई 2: सोशल मीडिया का व्यावहारिक पक्ष

- किसी सामाजिक अभियान के प्रचार के लिए सोशल मीडिया हेतु एक विज्ञापन तैयार करना
- अपना निजी ब्लॉग तैयार करने की प्रक्रिया
- सोशल मीडिया से बनने वाली किसी खबर पर रिपोर्ट तैयार करना
- सोशल मीडिया से सम्बन्धित विविध विषयों पर आलेख तैयार करना

सहायक पुस्तकें :

1.सामाजिक मीडिया और हम: रवीन्द्र प्रभात, नोशन प्रेस
2.सोशल मीडिया: स्वर्ण सुमन, हार्पर कॉलिन्स पब्लिशर इण्डिया
3.भूमंडलीकरण और मीडिया: कुमुद शर्मा
4.मीडिया और हिन्दी: बदलती प्रवृतियाँ: रविन्द्र जाधव, वाणी प्रकाशन
5.रेडियो लेखन, मधुकर गंगाधर, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना, प्रथम संस्करण- 1974
6.रेडियो वार्ता शिल्प, सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम प्रकाशन- 1992

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक : 50
- लिखित परीक्षा : 38 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 12 अंक

AEC

SEMESTER – I OR II

(ABILITY ENHANCEMENT COURSE)

AEC (D)

लिपि ज्ञान
और
आधारभूत शब्दावली

(विदेशी विद्यार्थियों के लिए)

Ability Enhancement Course (AECs)
Under UGCF-2022
Listed under Appendix-IIA to the Ordinance V (2-A) of the Ordinances of the University
(With effect from academic year 2022-23)

FOLLOWING IS THE SYLLABUS OF ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC) OFFERED UNDER UGCF-2022 IN FIRST SEMESTER FOR FOREIGN STUDENTS

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
AEC-Hindi	2	2	–	—		

Learning Objectives

1. विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
2. व्यावहारिक कार्य को प्रोत्साहन देना

Learning outcomes

1. भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन से अवगत कराना
2. अभिव्यक्ति कौशल का विकास

सेमेस्टर 1:

इकाई 1: लिपि ज्ञान

- वर्ण माला : स्वर, व्यंजन

- संयुक्त व्यंजन
- अनुस्वार एवं अनुनासिक
- विराम चिह्न
- संज्ञा-सर्वनाम

इकाई 2: हिंदी की आधारभूत शब्दावली (हिंदी एवं अंग्रेजी)

- फल-सब्जियाँ
- रंग-पर्व उत्सव
- सप्ताह के दिन
- ऋतुएं
- पर्यटन स्थल
- रिश्ते-नाते
- शरीर के अंग
- खाने-पीने की चीजें
- प्रमुख वस्तुएं

संदर्भ ग्रंथ :

1. देवनागरी लिपि एवं हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
2. Basic Hindi Course for Foreigners, Central Hindi Institute, Agra, U.P Basic Hindi Vocabulary, Ministry of Education, Govt. of India.
3. English-Hindi Conversational Guide & Hindi-English Conversational Guide, Central Hindi Directorate, New Delhi
4. Fairbanks, G & Mishra, 8.G. Spoken and written Hindi Cornell University Press, NewYork
5. Fairbanks, G & Pandit, P.B.: A Spoken approach, Deccan College, Pune
6. McGregor, R.S. Exercises in spoken Hindi, Oxford University Press, Oxford, England.
7. Verma, Vimlesh Kanti: Learner's Hindi-English Dictionary, Dreamland Publication, New Delhi
8.हिंदी व्याकरण:कामताप्रसाद गुरु,नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
9. हिंदी : शब्द, अर्थ, प्रयोग: हरदेव बाहरी,अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
10. हिंदी का समसामयिक व्याकरण: यमुना काचरू, मैकमिलन, नई दिल्ली

AEC

SEMESTER – I OR II

(ABILITY ENHANCEMENT COURSE)

AEC (E)

हिंदी में वार्तालाप, व्यावहारिक व्याकरण

(8th तक हिंदी ना पढ़े विद्यार्थियों के लिए)

AEC – Hindi E
अनिवार्य हिंदी पाठ्यक्रम – 1

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
AEC-Hindi E (अनिवार्य हिंदी पाठ्यक्रम – 1)	2	2	--	--	12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की हो	उन भारतीय विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं तक हिंदी की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Learning Objectives):

1. हिंदी भाषा-कौशल का संवर्धन
2. व्यावहारिक जीवन में हिंदी भाषा का सफलतापूर्वक प्रयोग

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Learning outcomes):

1. भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, अनौपचारिक/औपचारिक लेखन का अभ्यास कराना
2. हिंदी भाषा में अभिव्यक्ति-कौशल का विकास

Sem-I & II

इकाई 1: हिंदी में वार्तालाप (प्रारंभिक स्तर) **(1-7 सप्ताह)**

- स्व-परिचय, मेरा परिवार
- मेरा दैनिक कार्यक्रम
- टेलीफोन / मोबाईल पर हिंदी में बातचीत
- बाजार, मॉल में सामान्य बातचीत का अभ्यास
- रेलवे स्टेशन, मेट्रो, यातायात के अन्य साधन

इकाई 2: हिंदी का व्यावहारिक व्याकरण (प्रारंभिक स्तर) **(8-15 सप्ताह)**

- हिंदी वर्णमाला – स्वर, व्यंजन, संयुक्त व्यंजन
- हिंदी संज्ञा शब्द – वचन व लिंग के आधार पर
- हिंदी सर्वनाम
- हिंदी विशेषण शब्द
- हिंदी क्रिया

संदर्भ ग्रंथ:

1. स्वयं हिंदी सीखें : वी. आर. जगन्नाथन
2. हिंदी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. हिंदी : शब्द, अर्थ, प्रयोग – हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी का समसामयिक व्याकरण – यमुना काचरू, मैकमिलन, नई दिल्ली
5. सामान्य हिंदी – डॉ. पृथ्वीनाथ पांडेय, नालंदा पब्लिशिंग हाउस, इलाहाबाद
6. मानक हिंदी व्याकरण – डॉ. नरेश मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. Basic Hindi Course for Foreigners, Central Hindi Institute, Agra, UP Basic Hindi Vocabulary, Ministry of Education, Govt. of India.
8. English-Hindi Conversational Guide & Hindi-English Conversational Guide, Central Hindi Directorate, New Delhi
9. Fairbanks, G & Mishra, 8.G. Spoken and written Hindi Cornell University Press, New York
10. Fairbanks, G & Pandit, P.B.: A Spoken approach, Deccan College, Pune
11. McGregor, R.S. Exercises in spoken Hindi, Oxford University Press, Oxford, England
12. Verma, Vimlesh Kanti: Learner's Hindi-English Dictionary, Dreamland Publication, New Delhi

AEC

SEMESTER – III OR IV

(ABILITY ENHANCEMENT COURSE)

AEC (A)

व्यावहारिक हिंदी

(12th तक हिंदी पढ़े विद्यार्थियों के लिए)

AEC 2: व्यावहारिक हिंदी (हिंदी क)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
व्यावहारिक हिंदी	02	2	--	---	**हिंदी क** (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी क** (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन देना
- रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना
- विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी के प्रयोग की जानकारी
- हिंदी प्रयोग से जुड़े फील्ड वर्क पर आधारित विश्लेषण और लेखन पर बल देना

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcomes):

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा।
- स्नातक स्तर के विद्यार्थी को भाषायी सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा।
- वार्तालाप, भाषण, संवाद, समूह चर्चा, अनुवाद के माध्यम से विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा।
- समूह चर्चा, परियोजना के द्वारा विद्यार्थी में आलोचनात्मक क्षमता का विकास हो सकेगा।

SYLLABUS OF AEC-2 (Semester – III/IV)

इकाई 1 : व्यावहारिक हिंदी (1-7 सप्ताह)

- व्यावहारिक हिंदी के विविध रूप (सामान्य परिचय)
- बैंको में प्रयोग होने वाली हिंदी
- संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का महत्त्व
- बम्बईया हिंदी, कलकतिया हिंदी, हैदराबादी हिंदी

इकाई 2 : संपर्क भाषा के रूप में हिंदी के विविध रूप (8-15 सप्ताह)

- सार्वजनिक स्थानों पर हिंदी का प्रयोग (अस्पताल, बाज़ार, मॉल, मंडी)
- बैंकों में प्रचलित पारिभाषिक शब्दावली
- कार्यालयों में प्रचलित हिंदी की पारिभाषिक शब्दावली
- बाज़ार / दर्शनीय स्थल / क्रिकेट मैच का अनुभव-लेखन

सहायक पुस्तकें:

1. हिंदी भाषा – हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक हिंदी: सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झालटे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2010
3. मानक हिंदी का स्वरूप – भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2008
4. व्यावहारिक हिंदी एवं प्रयोग – डॉ. ओम प्रकाश, राजपाल एंड संस, संस्करण 2003
5. प्रायोगिक हिंदी – (सं) रमेश गौतम, ओरिएंट ब्लैकस्वान, प्रकाशन संस्करण 2013

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक: 80
- लिखत परीक्षा: 60 अंक
- आंतरिक मू ांकन: 20 अंक

AEC

SEMESTER – III OR IV

(ABILITY ENHANCEMENT COURSE)

AEC (B)

जनसंचार और रचनात्मक लेखन

(10th तक हिंदी पढ़े विद्यार्थियों के लिए)

AEC 2 : जनसंचार और रचनात्मक लेखन (हिंदी ख)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
जनसंचार और रचनात्मक लेखन	02	2	--	--	हिंदी ख (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	हिंदी ख (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	हिंदी

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objetive):

- विद्यार्थियों के अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करना।
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए लेखन कार्य की समझ विकसित करना
- हिंदी भाषा में रचनात्मक लेखन की ओर प्रेरित करना।
- विद्यार्थियों में कल्पनाशीलता और रचनात्मक लेखन का विकास करना।
- रचनात्मक लेखन के विविध क्षेत्रों की कार्यशैली का अध्ययन।

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों के मौखिक और लेखन कौशल को बढ़ाया जा सकेगा।
- विद्यार्थियों को प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक लेखन की ओर अग्रसर किया जा सकेगा।
- आज शिक्षा का व्यवसाय से भी संबंध है। यह पाठ्यक्रम वर्तमान संदर्भों के अनुकूल स्थापित ह सकेगा।
- विद्यार्थियों को साहित्य लेखन की जानकारी का ज्ञान विकसित होगा।
- रचनात्मक लेखन के सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्षों से परिचित हो सकेंगे।

SYLLABUS OF AEC-2 (Semester – III/IV)

इकाई 1 : रचनात्मक लेखन का स्वरूप **(1-7 सप्ताह)**

- रचनात्मक लेखन का अर्थ और महत्व
- रचनात्मक लेखन के विविध रूप
- जनसंचार माध्यमों के लिए रचनात्मक लेखन
- जनसंचार माध्यमों में हिंदी भाषा

इकाई 2: विविध माध्यमों के लिए रचनात्मक लेखन **(8-15 सप्ताह)**

- प्रिंट माध्यम के लिए लेखन (साक्षात्कार, यात्रा अनुभव लेखन)
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के लिए लेखन (संवाद लेखन और गीत)
- विज्ञापन लेखन

सहायक पुस्तकें:

1. रचनात्मक लेखन – प्रो. रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2016
2. कथा पटकथा – मन्नू भंडारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण 2006
3. पटकथा लेखन: एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2000
4. जनसंचार माध्यम: सम्प्रेषण और विकास – देवेन्द्र इस्सर, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली
5. जनसंचार माध्यमों का सामाजिक चरित्र – जवरीमल्ल पारिख, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक: 80
- लिखित परीक्षा: 60 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 20 अंक

AEC

SEMESTER – III OR IV

(ABILITY ENHANCEMENT COURSE)

AEC (C)

हिंदी भाषा और तकनीक

(8th तक हिंदी पढ़े विद्यार्थियों के लिए)

AEC 2 : हिन्दी भाषा और तकनीक (हिंदी ग)

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course	Department Offering the Course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice			
हिंदी भाषा और तकनीक	02	2	--	--	**हिंदी ग** (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी ग** (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)	**हिंदी**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
- भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से प्रायोगिक कार्य को प्रोत्साहन देना
- हिंदी भाषा दक्षता और तकनीक के अंतः संबंध को रेखांकित करना
- प्रभावी सम्प्रेषण का महत्त्व
- भाषिक सम्प्रेषण के स्वरूप एवं सिद्धांतों से विद्यार्थी का परिचय
- विभिन्न माध्यमों की जानकारी

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcomes):

- भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, औपचारिक लेखन तथा तकनीकी शब्दों से अवगत कराना
- स्नातक स्तर के विद्यार्थी को भाषाई सम्प्रेषण की समझ और संभाषण से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत कराना

SYLLABUS OF AEC-2 (Semester – III/IV)

इकाई 1 : हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी (1-7 सप्ताह)

- ई-गवर्नेंस में हिंदी का प्रयोग
- राजभाषा के प्रचार-प्रसार में कम्प्यूटर की भूमिका
- हिंदी और वेब डिजाइनिंग
- हिंदी के संदर्भ में यूनिकोड का प्रयोग

इकाई 2 : तकनीक और हिंदी भाषा (8-15 सप्ताह)

- इंटरनेट पर हिंदी की प्रमुख पत्रिकाओं की सूची बनाना
- हिंदी की किसी एक प्रमुख वेबसाइट की भाषा का विश्लेषण करना
- कम्प्यूटर पर हिंदी में स्ववृत ,एस.एम.एस. और संदेश लेखन
- मशीनी अनुवाद से संबंधित प्रमुख सॉफ्टवेयर की सूची बनाना

सहायक पुस्तकें:

1. सृजनात्मक साहित्य – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. व्यवहारिक हिंदी शुद्ध प्रयोग – ओमप्रकाश, राजपाल एंड संस, दिल्ली
3. हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण – डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
4. रचनात्मक लेखन – (सं.) प्रो. रमेश गौतम, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली
5. तकनीकी सुलझने – बालेंदु शर्मा दधीचि, ईप्रकाशकडॉटकॉम
6. https://balendu.com/

मूल्यांकन पद्धति: (Assessment Method)

- कुल अंक: 80
- लिखित परीक्षा: 60 अंक
- आंतरिक मूल्यांकन: 20 अंक

AEC

SEMESTER – III OR IV

(ABILITY ENHANCEMENT COURSE)

AEC (D)

भारतीय संस्कृति,
जनजीवन,
हिंदी लेखन

(विदेशी विद्यार्थियों के लिए)

AEC - Hindi D
विदेशी विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
AEC - Hindi D (विदेशी विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम)	2	2	–	--	विदेशी विद्यार्थियों के लिए	विदेशी विद्यार्थियों के लिए

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Learning Objectives):

1. विद्यार्थी की भाषाई दक्षता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना
2. हिंदी भाषा में व्यावहारिक कार्य को प्रोत्साहन देना

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Learning outcomes):

1. भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, अनौपचारिक/औपचारिक लेखन का अभ्यास कराना
2. हिंदी भाषा में अभिव्यक्ति कौशल का विकास

सेमेस्टर III

इकाई 1: भारतीय संस्कृति एवं जन-जीवन (सामान्य परिचय)

- भारत के महत्वपूर्ण दर्शनीय स्थल (कोई पांच)
- भारतीय भोजन
- भारतीय पर्व, उत्सव और मेले
- पारंपरिक भारतीय वेशभूषा

इकाई 2: हिंदी लेखन अभ्यास

- संवाद लेखन (किसी नाटक अथवा फिल्म के माध्यम से)
- किसी घटना, दृश्य अथवा स्थल का वर्णन
- पत्र-लेखन (अनौपचारिक)
- अपठित गद्यांश

संदर्भ ग्रंथ:

1. स्वयं हिंदी सीखें : वी. आर. जगन्नाथन
2. हिंदी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. हिंदी : शब्द, अर्थ, प्रयोग - हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी का समसामयिक व्याकरण - यमुना काचरू, मैकमिलन, नई दिल्ली
5. Basic Hindi Course for Foreigners, Central Hindi Institute, Agra, UP Basic Hindi Vocabulary, Ministry of Education, Govt. of India.
6. English-Hindi Conversational Guide & Hindi-English Conversational Guide, Central Hindi Directorate, New Delhi
7. Fairbanks, G & Mishra, 8.G. Spoken and written Hindi Cornell University Press, New York
8. Fairbanks, G & Pandit, P.B.: A Spoken approach, Deccan College, Pune
9. McGregor, R.S. Exercises in spoken Hindi, Oxford University Press, Oxford, England
10. Verma, Vimlesh Kanti: Learner's Hindi-English Dictionary, Dreamland Publication, New Delhi

AEC

SEMESTER – III OR IV

(ABILITY ENHANCEMENT COURSE)

AEC (E)

देवनागरी लिपि,
हिंदी में लेखन

(8th तक हिंदी ना पढ़े विद्यार्थियों के लिए)

AEC – Hindi E
अनिवार्य हिंदी पाठ्यक्रम – 2

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
AEC-Hindi E (अनिवार्य हिंदी पाठ्यक्रम – 2)	2	2	--	--	12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की हो	उन भारतीय विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं तक हिंदी की परीक्षा उत्तीर्ण नहीं की है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Learning Objectives):

1. हिंदी भाषा-कौशल का संवर्धन
2. व्यावहारिक जीवन में हिंदी भाषा का सफलतापूर्वक प्रयोग

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Learning outcomes):

1. भाषा के शुद्ध उच्चारण, रचनात्मक लेखन, अनौपचारिक/औपचारिक लेखन का अभ्यास कराना
2. हिंदी भाषा में अभिव्यक्ति-कौशल का विकास

Semester III/IV

इकाई 1: देवनागरी लिपि का व्यावहारिक ज्ञान **(1-7 सप्ताह)**

- अनुस्वार (बिंदु) और अनुनासिक (चंद्र बिंदु) के प्रयोग के नियम
- विदेशी ध्वनियों का देवनागरी लिप्यंतरण
- हिंदी विराम चिह्न
- हिंदी की वाक्य संरचना के सामान्य नियम

इकाई 2: हिंदी में लेखन अभ्यास **(8-15 सप्ताह)**

- कहानी, निबंध लेखन
- यात्रा, दृश्य, घटना का वर्णन
- संवाद लेखन (किसी नाटक अथवा फिल्म के माध्यम से)
- अपठित गद्यांश

संदर्भ ग्रंथ:

1. स्वयं हिंदी सीखें : वी. आर. जगन्नाथन
2. हिंदी व्याकरण – कामताप्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. हिंदी : शब्द, अर्थ, प्रयोग – हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी का समसामयिक व्याकरण – यमुना काचरू, मैकमिलन, नई दिल्ली
5. सामान्य हिंदी – डॉ. पृथ्वीनाथ पांडेय, नालंदा पब्लिशिंग हाउस, इलाहाबाद
6. मानक हिंदी व्याकरण – डॉ. नरेश मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. रचनात्मक लेखन – प्रो. रमेश गौतम, ओरिएंट ब्लैक स्वान पब्लिकेशन, दिल्ली
8. Basic Hindi Course for Foreigners, Central Hindi Institute, Agra, UP Basic Hindi Vocabulary, Ministry of Education, Govt. of India.
9. English-Hindi Conversational Guide & Hindi-English Conversational Guide, Central Hindi Directorate, New Delhi
10. Fairbanks, G & Mishra, 8.G. Spoken and written Hindi Cornell University Press, New York
11. Fairbanks, G & Pandit, P.B.: A Spoken approach, Deccan College, Pune
12. McGregor, R.S. Exercises in spoken Hindi, Oxford University Press, Oxford, England
13. Verma, Vimlesh Kanti: Learner's Hindi-English Dictionary, Dreamland Publication, New Delhi

SEC (SKILL ENHANCEMENT COURSE)

पटकथा लेखन

पटकथा लेखन

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
पटकथा लेखन	2	0	0	2	12th Pass	NIL

Course Objective:

- पटकथा लेखन का परिचय कराना।
- विद्यार्थी की लेखन-क्षमता और भाषा-कौशल को बढ़ावा देना।
- विद्यार्थी को लेखन में रोजगार सम्बन्धी क्षेत्रों के लिए तैयार करना।

Course Learning Outcomes:

- पटकथा लेखन तथा उसके तकनीकी शब्दों से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा।
- पटकथा लेखन की जानकारी मिलने के उपरान्त विद्यार्थी के लिए रोजगार की संभावनाएँ बनेंगी।
- विद्यार्थी भाषायी सम्प्रेषण को समझते हुए लेखन से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों से अवगत हो सकेगा।
- विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा।

SYLLABUS

यूनिट 1 (4 सप्ताह)

- पटकथा लेखन: परिचय
- पटकथा के तत्व
- पटकथा के प्रकार
- पटकथा की शब्दावली

यूनिट 2 (4 सप्ताह)

- पटकथा लेखन में शोध का महत्व
- चरित्र की निर्मिति और विकास
- एक दृश्य का लिखा जाना
- तीन अंक (थ्री एक्ट) और पाँच अंक (फाइव एक्ट) को समझना

यूनिट 3 (4 सप्ताह)

- वेबसीरीज के लिए पटकथा लेखन
- लघु फ़िल्म के लिए पटकथा लेखन
- वृत्तचित्र के लिए पटकथा लेखन
- विज्ञापन फ़िल्म के लिए पटकथा लेखन

यूनिट 4 (3 सप्ताह)

- पटकथा का पाठ और विश्लेषण
- किसी आईडिया को स्क्रीन प्ले के तौर पर विकसित करना

सन्दर्भ पुस्तकें:

- पटकथा कैसे लिखें: राजेंद्र पांडेय - वाणी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2015
- पटकथा लेखन : एक परिचय - मनोहर श्याम जोशी - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2000
- कथा-पटकथा: मन्नू भंडारी - वाणी प्रकाशन, दिल्ली, संस्करण 2014
- व्यावहारिक निर्देशिका: पटकथा लेखन: असगर वज़ाहत - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2011
- आईडिया से परदे तक: रामकुमार सिंह - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली संस्करण 2021

Examination Scheme & Mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: **Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.**

SEC (SKILL ENHANCEMENT COURSE) रंगमंच

रंगमंच

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
रंगमंच	2	0	0	2	12th pass	NIL

Course Objective:

- हिन्दी रंगमंच का सामान्य परिचय कराना ।
- नाट्य-प्रस्तुति की प्रक्रिया की जानकारी देना ।
- अभिनय के विभिन्न पक्षों से अवगत कराना ।
- रंगमंच के खेलों और गतिविधियों से अवगत कराना ।

Course Learning Outcomes:

- नाट्य-प्रस्तुति की प्रक्रिया से विद्यार्थी अवगत हो सकेगा ।
- रंगमंच की सामान्य जानकारी मिलने के उपरान्त इस क्षेत्र में विद्यार्थी के लिए रोजगार की संभावनाएँ बनेंगी ।
- रंगमंचीय गतिविधियों से विद्यार्थी के व्यक्तित्व का विकास हो सकेगा ।
- विद्यार्थी में अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सकेगा ।

SYLLABUS

यूनिट 1 (4 सप्ताह)

- भरत मुनि कृत नाट्यशास्त्र (संक्षिप्त परिचय)
- हिन्दी का पारंपरिक रंगमंच (संक्षिप्त परिचय)

यूनिट 2 (4 सप्ताह)

प्रस्तुति-प्रक्रिया: आलेख का चयन, अभिनेताओं का चयन, दृश्य-परिकल्पना (ध्वनि-संगीत-नृत्य-प्रकाश), पूर्वाभ्यास

यूनिट 3 (4 सप्ताह)

अभिनय की तैयारी: वाचिक, आंगिक, आहार्य, सात्विक

यूनिट 4 (2 सप्ताह)

आशु अभिनय, थिएटर गेम्स, संवाद-वाचन, शारीरिक अभ्यास, सीन वर्क

यूनिट 5 (1 सप्ताह)

मंच प्रबंधन: सेट, रंग-सामग्री, प्रचार-प्रसार, ब्रोशर-निर्माण

सन्दर्भ पुस्तकें:

- संक्षिप्त नाट्यशास्त्रम् - राधावल्लभ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, 2009
- रंग स्थापत्य: कुछ टिप्पणियाँ - एच. वी. शर्मा राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय प्रकाशन, दिल्ली, 2004
- पारंपरिक भारतीय: रंगमंच अनंतधाराएँ - कपिला वात्स्यायन, अनुवाद - बदी उज़म्मा, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली, 1995
- हिंदी रंगमंच का लोकपक्ष, सं प्रो. रमेश गौतम, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली 2020
- मंच आलोकन - जी. एन. दासगुप्ता, अनुवाद - अजय मलकानी, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली, 2006
- रंगमंच के सिद्धांत - सं महेश आनंद, देवेन्द्र राज अंकुर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2008

Examination Scheme & Mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

SEC (SKILL ENHANCEMENT COURSE)

रचनात्मक लेखन

रचनात्मक लेखन

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
रचनात्मक लेखन	2	0	0	2	12th Pass	NIL

Learning Objectives

- विद्यार्थियों के मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल को विकसित करना।
- उनमें कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का विकास करना।
- साहित्य की विविध विधाओं और उनकी रचनात्मक शैली का परिचय कराते हुए लेखन की ओर प्रेरित करना।
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक माध्यमों के लिए लेखन की प्रवृत्ति को विकसित करना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के पश्चात् विद्यार्थियों में:

- मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति कौशल को विकसित होने में मदद मिलेगी।
- उसमें कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का विकास हो सकेगा।
- साहित्य की विविध विधाओं और उनकी रचनात्मकता शैली का परिचय होगा जिससे वे स्वयं भी इन विधाओं में लेखन की अग्रसर हो सकेंगे।
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक माध्यमों के लिए लेखन की ओर भी ये अग्रसर होंगे।

इकाई 1 (5 सप्ताह)

रचनात्मक लेखन: अवधारणा: स्वरूप आधार एवं विश्लेषण

- भाव एवं विचार की रचना में अभिव्यक्ति की प्रक्रिया
- अभिव्यक्ति के विविध क्षेत्र: साहित्य पत्रकारिता, विज्ञापन, भाषण
- लेखन के विविध रूप: मौखिक-लिखित, गद्य-पद्य, कथात्मक-कथेतर
- अर्थ निर्मिति के आधार: शब्द और अर्थ की मीमांसा शब्द के पुराने-नए प्रयोग, शब्द की व्याकरणिक कोटि

इकाई 2

भाषा भंगिमा और साहित्य लेखन (5 सप्ताह)

- भाषा की भंगिमाएँ: औपचारिक-अनौपचारिक, मौखिक-लिखित, मानक भाषिक संदर्भ: क्षेत्रीय, वर्ग-सापेक्ष, समूह-सापेक्ष
- रचना-सौष्ठव: शब्दशक्ति, प्रतीक, बिम्ब, अलंकारवक्रता
- कविता: संवेदना, भाषिक सौष्ठव, छंदबद्ध-छंदमुक्त, लय, गति, तुक
- कथा-साहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश, कथ्य और भाषा

Unit III (5 weeks)

विविध विधाओं एवं सूचना माध्यमों के लिए लेखन

- नाट्य-साहित्य: वस्तु, पात्र, परिवेश, कथ्य, रंगमंच और नाट्य-भाषा
- विविध गद्य विधाएँ: निबंध, संस्मरण, आत्मकथा, व्यंग्य, रिपोर्ताज, यात्रा-वृतांत
- प्रिंट माध्यम के लिए लेखन: फीचर, यात्रा-वृतांत, साक्षात्कार, विज्ञापन
- इलेक्ट्रानिक माध्यम के लिए लेखन: विज्ञापन, पटकथा, संवाद

Practical Exercises if any:

नोट: उपर्युक्त का परिचय देते हुए इनका अभ्यास भी करवाया जाए।

References and suggested Readings

1. साहित्य चिंतन: रचनात्मक आयाम: रघुवंश
2. शैली: रामचंद्र मिश्र
3. रचनात्मक लेखन: सं. रमेश गौतम
4. कविता क्या है: विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
5. कथा-पटकथा: मन्नू भंडारी
6. पटकथा लेखन: मनोहर श्याम जोशी
7. कला की जरूरत: अर्नेस्ट फिशर: अनुवादक: रमेश उपाध्याय
8. साहित्य का सौंदर्यशास्त्र: रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
9. कविता: रचना-प्रक्रिया: कुमार विमल

Examination scheme and mode:

Total Marks: 100
Internal Assessment: 25 marks
Practical Exam (Internal): 25 marks
End Semester University Exam: 50 marks
The Internal Assessment for the course may include Class participation, Assignments, Class tests, Projects, Field Work, Presentations, amongst others as decided by the faculty.

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

VAC (VALUE ADDITION COURSE)

भारतीय भक्ति परंपरा और मानव-मूल्य

VAC 1: भारतीय भक्ति परंपरा और मानव मूल्य

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
भारतीय भक्ति परंपरा और मानव मूल्य	02	1	0	1	Pass in Class 12th	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- भारतीय भक्ति की महान परंपरा, प्राचीनता और इसके अखिल भारतीय स्वरूप से छात्रों का परिचय कराना
- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से छात्रों में मानव मूल्यों और गुणों को जगाकर उनका चारित्रिक विकास करना और एक अच्छे मनुष्य का निर्माण करना।
- छात्रों को भारतीय नैतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना।
- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से राष्ट्रीयता और अखिल भारतीयता की भावना जागृत करना।

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- भारतीय भक्ति परंपरा के माध्यम से छात्रों में मानव मूल्यों और गुणों को विकास होगा और वे एक अच्छे और चरित्रवान मनुष्य बन सकेंगे।
- भारतीय भक्ति परंपरा के सांस्कृतिक और सामाजिक पक्षों की जानकारी हो सकेगी।
- भक्ति की प्राचीनता और अखिल भारतीय स्वरूप की जानकारी से राष्ट्रीयता और अखिल भारतीयता की भावना जागृत और मजबूत होगी।
- प्रमुख भक्त कवियों का परिचय और उनके विचारों की जानकारी हो सकेगी।

SYLLABUS OF परंपरा और मानव मूल्य

UNIT – I भारतीय भक्ति परंपरा **(5 Weeks)**

- भक्ति : अर्थ और अवधारणा
- भक्ति के वि भि न्न संप्रदाय और सि द्धांत
- भारत की सांस्कृति क एकता और भक्ति
- भक्ति का अखि ल भारतीय स्वरूप

UNIT – II भारत के कुछ प्रमुख भक्त और उनके वि चार **(5 Weeks)**

संत ति रुवल्लुवर , आण्डाल, अक्कमहादेवी, ललद्यद , मीराबाई, तुलसीदास, कबीरदास, रैदास, गुरु नानक, सूरदास, जायसी, तकु ाराम, नामदेव, नरसिंह मेहता, वेमना, कंु चन, नम्बियार, चतैन्य महाप्रभ,ु चंडीदास, सारला दास, शंकरदेव

UNIT – III मानव मूल्य और भक्ति **(5 Weeks)**

मानव मूल्य का अर्थ
चयनि त भक्त कवि यों की जीवन मूल्यपरक कवि ताएँ

Practical component (if any) – **(15 Weeks)**

- पाठ्यक्रम में उल्लिखित कवियों में से किसी एक कवि की रचनाओं में विभिन्न मानव मूल्यों के आधार पर प्रोजेक्ट
- वर्तमान समय में भक्ति की प्रासंगि कता को समझना; सर्वे और साक्षात्कार पद्धति के आधार पर.
- जीवन में मानव मूल्यों के प्रति पालन पर सर्वे और साक्षात्कार के आधार पर एक रि पोर्ट बनाना.
- उल्लिखित कवियों में से किसी एक कवि से संबंधि त किसी मठ, आश्रम या मंदिर आदि, अथवा कोई फिल्म/ डॉक्युमेंट्री के आधार पर रिपोर्ट बनाना.
- आवश्यक हो, तो छात्र प्रोजेक्ट रिपोर्ट के रूप में अपने अनुभव साझा करें
- **Any other Practical/Practice as decided from time to time**

Essential/recommended readings

- 'भक्ति का उद्भव और विकास तथा वैष्णव भक्ति के विविधरूप, भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, संपादक- डॉ नगेंद्र, हि ंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, पृष्ठ संख्या **215-250**
- कुछ प्रमुख कवियों के चयनित पद
- 'भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य', शिव कुमार मिश्र, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, **1994**
- 'मानव मूल्य और साहित्य, डॉ धर्मवीर भारती, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली,**1999**

Suggested readings

- 'भक्ति के आयाम', डॉ. पी. जयरामन, वाणी प्रकाशन, नई दि ल्ली
- 'हि ंदी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- 'मध्यकालीन हि ंदी काव्य का स्त्री पक्ष', डॉ. पूनम कुमारी, अनामि का पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्युटर्स, नई दिल्ली
- 'मध्यकालीन हि ंदी भक्ति काव्य: पुनर्मूल्यांकन के आयाम', डॉ. पूनम कुमारी, अनामि का पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्युटर्स , नई दिल्ली

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

VAC (VALUE ADDITION COURSE)

साहित्य, संस्कृति और सिनेमा

VAC 1: साहित्य संस्कृति और सिनेमा

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
साहित्य संस्कृति और सिनेमा	02	1	0	1	Pass in Class 12th	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- साहित्य , संस्कृति और सिनेमा के माध्यम से छात्रों का सर्वांगीण विकास करना
- छात्रों को नैतिक,सांस्कृति क और संवैधानि क मूल्यों के प्रति जागरूक करना
- भारतीय ज्ञान परंपरा,वैज्ञानि क दृष्टि कोण और तार्किक क्षमता को प्रोत्साहित करना
- साहित्य,संस्कृति और सि नेमा के माध्यम से राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत करना
- सामूहिक कार्यों के माध्यम से सम्प्रेषण,प्रस्तुतीकरण एवं कौशल दक्षता विकसित करना

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- साहित्य ,संस्कृति और सिनेमा के माध्यम से नैतिक,सांस्कृतिक और संवैधानिक मूल्यों की समझ वि कसि त होगी
- भारतीय ज्ञान परंपरा और नैतिक मूल्यों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनेगा
- वैचारि क समझ एवं तार्किक क्षमता का विकास होगा
- परियोजना के माध्यम से संप्रेषण एवं प्रस्तुति करण दक्षता का विकास होगा
- छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वा गीण विकास होगा

SYLLABUS OF **साहित्य संस्कृति और सिनेमा**

UNIT – I साहित्य,संस्कृति और सिनेमा का सामान्य परिचय (2 Weeks)

- साहित्य, संस्कृति और सिनेमा : परिभाषा और स्वरूप
- साहित्य , संस्कृति और सिनेमा का अंत:संबंध

UNIT – II साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा (6 Weeks)

- साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा में परिकल्पना
- साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा की प्रासंगि कता
- साहित्यिक कृतियों पर आधारित सिनेमा- आनंदमठ 1952, तीसरी कसम 1966, रजनीगंधा 1974, पद्मावत 2016

UNIT – III हिन्दी सिनेमा में सामाजिक –सांस्कृतिक मूल्यों की अभिव्यक्ति (7 Weeks)

- सामाजि क - सांस्कृति क मूल्य
- सामाजि क - सांस्कृति क मूल्य के शक्ति शाली उपकरण के रूप में सि नेमा
- हि न्दी सि नेमा में अंतर्नि हि त सामाजि क- सांस्कृति क मूल्य – मदर इंडि या 1957, बंदिनी 1963, पूरब और पश्चि म 1970, हम आपके हैं कौन 1994, टॉयलेट: एक प्रेमकथा 2017

Practical component (if any) – (15 Weeks)

- भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित लघु फिल्म हेतु पटकथा लेखन (8-10 मि नट)
- साहित्यिक रचनाओं का फिल्मांतरण (8-10 मिनट); यह सामूहिक क्रियाकलाप होगा
- राष्ट्रप्रेम, कुटुंब, शांति , पर्या वरण, जल-संरक्षण, स्वच्छता,मित्रता, सत्यनिष्ठा, कर्मनिष्ठा, समरसता में से किसी एक विषय पर मूक फिल्म निर्माण (8-10 मि नट)
- आवश्यक हो, तो छात्र प्रोजेक्ट रिपोर्ट के रूप में अपने अनुभव साझा करें
- Any other Practical/Practice as decided from time to time

Essential/Recommended readings

- 'संस्कृति क्या है (निबंध) ससंकृति ,भाषा और राष्ट्र, रामधारी सिहं दिनकर, लोक भारती प्रकाशन,2008,पृष्ठ संख्या 60-64.
- साहित्य का उद्देश्य(निबंध) ,प्रेमचंद ,एस. के.पब्लिशर्स,नई दि ल्ली,1988,पृष्ठसंख्या 7-18.
- भारतीय संस्कृति के स्वर,महादेवी वर्मा , राजपाल एंड संस प्रकाशन 2017 .
- हि ंदी सिनेमा ; भाषा ,समाज और संस्कृति (लेख), पृष्ठ संख्या 11-18 भाषा ,साहित्य ,समाज और सस्कृति खंड 6,प्रो. लालचंद राम, अक्षर पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स,2020
- सिनेमा और साहित्य का अंत:संबंध (लेख) पृष्ठ संख्या 30-34,साहित्य और सिनेमा, परुषोतम कंु दे (संपा.) साहित्य ससंथान,2014
- साहित्यिक रचनाओं का फिल्मांतरण (लेख) पृष्ठ संख्या 206-212,लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ ,जवरीमल पारख, अनामि का पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा.लि., 2019

Suggested readings

- सिनेमा और संस्कृति ,राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन, प्रकाशन वर्ष, 2018.
- जीवन को गढ़ती फिल्में, प्रयाग शुक्ल
- सिनेमा और संसार, उदयन वाजपेयी
- साहित्य,संस्कृति और समाज परिवर्तन की प्रक्रि या(नि बंध)अज्ञेय, संपा०कृष्णदत्तपालीवाल, सस्ता साहित्य मंडल,नई दि ल्ली, 2010, पृष्ठसंख्या 25-41
- सिनेमा समकालीन सिनेमा ,अजय ब्रह्मात्मज,वाणी प्रकाशन,2006
- कल्चर इन्डस्ट्री रिकन्सि डर्ड: पृष्ठसंख्या- 98-106 कल्चरइन्डस्ट्री:थ्योडोरएडोर्नो , राउटलेज (भारतीयसंस्करण)
- दि सिग्निफिकेन्स ऑफ कल्चर इन अन्डर्स्टैंडिग ऑफ सोशल चेंज इन कन्टेम्परारि इंडिया: पृष्ठसंख्या- 25-39.
- कल्चर चेंज इन इंडिया:आइडन्टिटी एंड ग्लोबलाइजेशन: योगेन्द्र सिहं .रावत पब्लिकेशन, जयपुर,भारत.

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

VAC (VALUE ADDITION COURSE) सृजनात्मक लेखन के आयाम

VAC 1: सृजनात्मक लेखन के आयाम

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
सृजनात्मक लेखन के आयाम	02	1	0	1	Pass in Class 12th	NIL

Learning Objectives

The Learning Objectives of this course are as follows:

- सृजनात्मकता और भाषायी कौशल का संक्षिप्त परिचय कराना
- विचारों का प्रभावी प्रस्तुति करण करना
- सजृनात्मक चितंन और लेखन क्षमता को विकसित करना
- मीडि या लेखन की समझ विकसित करना

Learning outcomes

The Learning Outcomes of this course are as follows:

- सजृनात्मक चितंन और लेखन क्षमता का विकास हो सकेगा
- लेखन और मौखिक अभिव्यक्ति की प्रभावी क्षमता विकसित हो सकेगी
- मीडिया लेखन की समझ विकसित होगी
- विद्यार्थी में अपने परिवेश, समाज तथा राष्ट्र के प्रति संवेदनशीलता का विकास होगा

SYLLABUS OF सृजनात्मक लेखन के आयाम

UNIT – I सृजनात्मक लेखन **(5 Weeks)**

- सृजनात्मक लेखन : अर्थ, स्वरुप और बोध
- सृजनात्मक लेखन और परिवेश
- सृजनात्मक लेखन और व्यक्तित्व निर्माण

UNIT – II सृजनात्मक लेखन : भाषि क संदर्भ **(5 Weeks)**

- भाव और विचार का भाषा में रूपान्तरण
- साहित्य क भाषा की विभिन्न छवि याँ
- प्रिटं तथा इलेक्ट्रोनिक माध्यमों की भाषा का अंतर

UNIT – III सृजनात्मकता लेखन – विविध आयाम **(5 Weeks)**

- कविता, गीत, लघु कथा
- हास्य - व्यंग्य लेखन,
- पल्लवन, संक्षेपण , अनुच्छेद

Practical component (if any) – **(15 Weeks)**

- कक्षा में प्रत्येक वि द्यार्थी द्वारा 'मेरी पहली रचना' शीर्षक से किसी भी विधा में लेखन
- किसी भी साहित्यिक रचना का भाषा की दृष्टि से विश्लेषण
- इकाई- 3 में उल्लिखित विधाओं में विद्यार्थि यों द्वारा लेखन एवं सामूहिक चर्चा
- प्रत्येक इकाई से संबन्धि त परि योजना कार्य:

i. समसामयिक विषयों पर किसी भी विधा में लेखन – बदलते जीवन मूल्य, महामारी, राष्ट्र निर्माण में छात्र की भूमि का, युवाओं के कर्तव्य, पर्यावरण संरक्षण, लोकतन्त्र में मीडिया की भमिू का, ऑनलाइन शॉपि गं अथवा अन्य समसामयिक विषय

ii. कि सी उत्सव, मेला, प्रदर्शनी, संग्रहालय और कि सी दर्शनीय स्थल का भ्रमण तथा उस पर परियोजना कार्य

- प्रिटं माध्यम के खेल, राजनीति , आर्थिक और फिल्म जगत आदि से जड़ुी सामग्री का भाषा की दृष्टि से विवेचन
- इलेक्ट्रोनि क माध्यम के समाचार, धारावाहिक, वि ज्ञापन आदि का भाषा की दृष्टि से विवेचन
- आवश्यक हो, तो छात्र प्रोजेक्ट रिपोर्ट के रूप में अपने अनुभव साझा करें
- Any other Practical/Practice as decided from time to time

Essential/recommended readings

- **लेखन एक प्रयास, हरीश चन्द्र काण्डपाल**
- **रचनात्मक लेखन, सं. रमेश गौतम**
- **साहित्य – चितंन: रचनात्मक आयाम, रघवुंश**

Suggested readings

- अग्नि की उड़ान, अबुल कलाम आज़ाद
- टेलीवि जन की भाषा - हरीश चन्द्र बर्णवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- छोटे पर्दे का लेखन, हरीश नवल
- काव्यभाषा : रचनात्मक सरोकार, प्रो. राजमणि शर्मा
- कविता रचना प्रक्रिया, कुमार विमल

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time

विकास गुप्ता 16/9/2
REGISTRAR

Back Home

DSC

SEMESTER - I

(DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

DSC A

हिंदी भाषा

और

साहित्य का इतिहास

BA (Prog.) Hindi

DSC-I

हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य के इतिहास का परिचय प्राप्त होगा।
साहित्य इतिहास के विभिन्न कालों की प्रमुख प्रवृत्तियों की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।

Course Learning Outcomes

इतिहास के प्रति आलोचनात्मक–विश्लेषणात्मक ज्ञान के द्वारा हिंदी भाषा और साहित्य इतिहास को संतुलित रूप से प्रस्तुत किया जा सकेगा।

इकाई–1

(क) हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय

1. हिंदी भाषा का उद्भव
2. हिंदी भाषा की बोलियाँ
3. हिंदी भाषा का विकास : आदिकालीन हिंदी, मध्यकालीन हिंदी, आधुनिक हिंदी

(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल

1. आदिकाल : काल–विभाजन एवं नामकरण
2. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रासो साहित्य, धार्मिक साहित्य, लौकिक साहित्य)

इकाई–2

हिंदी साहित्य का इतिहास : भक्तिकाल

1. भक्ति आंदोलन : उद्भव और विकास
2. भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (संत काव्य, सूफ़ी काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य)

इकाई–3

हिंदी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल

1. रीतिकाल : नामकरण विषयक विभिन्न मतों की समीक्षा
2. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध काव्य, रीतिसिद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य)

इकाई–4

हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

1. मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण की परिस्थितियाँ)
2. आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता)
3. गद्य विधाओं का उद्भव एवं विकास : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध

References

1. हिंदी भाषा : धीरेंद्र वर्मा
2. हिंदी भाषा की संरचना : भोलानाथ तिवारी
3. हिंदी साहित्य का इतिहास : आ. रामचंद्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेंद्र
5. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : डॉ. रसाल सिंह
6. हिंदी साहित्य का अतीत : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. हिंदी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी
8. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

इतिहास, भाषा और आलोचना से जुड़ी शब्दावली

DSC

SEMESTER - I

(DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

DSC A1

हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन

Discipline Specific Core-2

हिंदी सिनेमा और उसका अध्ययन

Course Objective (2-3)

सिनेमा के निर्माण और उपभोग या आलोचना की व्यावहारिक समझ विकसित करना
हिंदी सिनेमा के विकास अध्ययन
कुछ प्रमुख फिल्मों के माध्यम से सिनेमा में आ रहे बदलाव को समझना

Course Learning Outcomes

सिनेमा की व्यावहारिक और आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।
सिनेमा के विकास के माध्यम से भारत के मनोरंजन जगत में आ रहे बदलाव को समझ सकेंगे।

इकाई–1

कला विधा के रूप में सिनेमा और उसकी सैद्धांतिकी

इकाई–2

हिंदी सिनेमा : उद्भव और विकास

इकाई–3

सिनेमा में कैमरे की भूमिका

इकाई–4

नयी तकनीक और सिनेमा : संभावनाएं और चुनौतियां
(संदर्भ : मुगलेआजम, मदर इंडिया, पीके)

References

1. हिंदी सिनेमा का इतिहास : मनमोहन चड्ढा
2. सिनेमा, नया सिनेमा : ब्रजेश्वर मदान
3. सिनेमा : कल, आज और कल : विनोद भारद्वाज
4. हिंदी का मौखिक परिदृष्य : करुणा शंकर उपाध्याय
5. हिंदी का मौखिक परिदृष्य : कौपल कुमार गोस्वामी

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वीडियो क्लिप का अध्ययन और उसे बनाना, कैमरे का कक्षा के बाहर अध्ययन
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

सिनेमाई शब्दावली

DSC

SEMESTER - I

(DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

DSC B

हिंदी भाषा

और

साहित्य का इतिहास

BA (Prog.) Hindi

DSC-I

हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य के इतिहास का परिचय प्राप्त होगा।
साहित्य इतिहास के विभिन्न कालों की प्रमुख प्रवृत्तियों की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।

Course Learning Outcomes

इतिहास के प्रति आलोचनात्मक–विश्लेषणात्मक ज्ञान के द्वारा हिंदी भाषा और साहित्य इतिहास को संतुलित रूप से प्रस्तुत किया जा सकेगा।

इकाई–1

(क) हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय

1. हिंदी भाषा का उद्भव
2. हिंदी भाषा की बोलियाँ
3. हिंदी भाषा का विकास : आदिकालीन हिंदी, मध्यकालीन हिंदी, आधुनिक हिंदी

(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल

1. आदिकाल : काल–विभाजन एवं नामकरण
2. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रासो साहित्य, धार्मिक साहित्य, लौकिक साहित्य)

इकाई–2

हिंदी साहित्य का इतिहास : भक्तिकाल

1. भक्ति आंदोलन : उद्भव और विकास
2. भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (संत काव्य, सूफ़ी काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य)

इकाई–3

हिंदी साहित्य का इतिहास : रीतिकाल

1. रीतिकाल : नामकरण विषयक विभिन्न मतों की समीक्षा
2. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध काव्य, रीतिसिद्ध काव्य, रीतिमुक्त काव्य)

इकाई–4

हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिक काल

1. मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (संक्रमण की परिस्थितियाँ)
2. आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ (भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता)
3. गद्य विधाओं का उद्भव एवं विकास : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध

References

1. हिंदी भाषा : धीरेंद्र वर्मा
2. हिंदी भाषा की संरचना : भोलानाथ तिवारी
3. हिंदी साहित्य का इतिहास : आ. रामचंद्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेंद्र
5. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : डॉ. रसाल सिंह
6. हिंदी साहित्य का अतीत : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. हिंदी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी
8. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Keywords

इतिहास, भाषा और आलोचना से जुड़ी शब्दावली

DSC

SEMESTER - II

(DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

DSC A

हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिक काल)

CATEGORY-II

BA (PROG) WITH HINDI AS MAJOR

हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल)

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल)	कोर कोर्स (DSC) 3	4	3	1	0	DSC-I

Course Objective

– विद्यार्थियों को हिंदी के मध्यकालीन और आधुनिक कवियों से परिचित कराना।

– मुख्य कविताओं के माध्यम से तत्कालीन साहित्य की जानकारी देना।

Course learning outcomes

– कविताओं का अध्ययन–विश्लेषण करने की पद्धति सीख सकेंगे।

– साहित्य के सामाजिक–राजनीतिक–सांस्कृतिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई–1 10 घंटे

– **कबीर** – कबीर ग्रंथावली; माताप्रसाद गुप्त; लोकभारती प्रकाशन; 1969 ई.

– साँच कौ अंग (1), भेष कौ अंग (5, 9, 12) संमथाई कौ अंग (12)

– **सूरदास** – सूरसागर संपा. डॉ. धीरेंद्र वर्मा; साहित्य भवन 1990 ई.

गोकुल लीला – पद संख्या 20, 26, 27, 60

– गोस्वामी तुलसीदास – तुलसी ग्रंथावली (दूसरा खण्ड); संपा. आ. रामचंद्र शुक्ल (नागरीप्रचारिणी सभा, काशी)

दोहावली – छंद सं. 277, 355, 401, 412, 490

इकाई–2 10 घंटे

– **बिहारी** – रीतिकाव्य संग्रह; जगदीश गुप्त; साहित्य भवन प्रा. लि.; इलाहाबाद; प्रथम संस्करण; 1961 ई.

छंद सं. – 3, 14, 16, 18, 23, 24

इकाई–3 10 घंटे

– मैथिलीशरण गुप्त : रईसों के सपूत (भारतभारती, वर्तमान खण्ड, साहित्य सदन, झाँसी)

पद सं. 123 से 128

– जयशंकर प्रसाद : बीती विभावरी जाग री (लहर, लोकभारती प्रकाशन, 2000)

हिमालय के आँगन में ..... (स्कन्दगुप्त; भारती भण्डार; इलाहाबाद, 1973)

इकाई–4 15 घंटे

– हरिवंश राय 'बच्चन' – जो बीत गयी ..... (हरिवंश राय 'बच्चन' : प्रतिनिधि कविता; राजकमल पेपरबैक्स, संपा. मोहन गुप्त, 2009)

– नागार्जुन – उनको प्रणाम! (नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ, संपा. नामवर सिंह, राजकमल, पेपरबैक्स, 2009)

– भवानीप्रसाद मिश्र – गीत–फरोश (दूसरा सप्तक, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, द्वितीय संस्करण, 1970)

References

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. तुलसी काव्य–मीमांसा : उदयभानु सिंह
3. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. सूरदास : ब्रजेश्वर शर्मा
5. सूरदास : रामचंद्र शुक्ल
6. गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल
7. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा : मनोहरलाल गौड़
8. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य : कमलकांत पाठक
9. प्रसाद, पंत और मैथिलीशरण – रामधारी सिंह 'दिनकर'
10. प्रसाद के काव्य – प्रेमशंकर
11. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
12. हरिवंश राय बच्चन – संपा. पुष्पा भारती
13. आधुनिक हिंदी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

मध्यकाल, आधुनिकता, आधुनिकतावाद, काव्य, विभिन्न बोलियाँ आदि।

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DSC

SEMESTER - II

(DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

DSC A1

हिंदी का मौखिक साहित्य और उसकी परंपरा

हिंदी का मौखिक साहित्य और उसकी परम्परा

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी का मौखिक साहित्य और उसकी परम्परा	कोर कोर्स (DSC) 4	4	3	1	0	DSC-II

Course Objective

– भारत के मौखिक साहित्य और लोक–परम्परा का अवलोकन

– लोक–जीवन और संस्कृति की जानकारी

– पर्यटन और संगीत–नृत्य आदि में आकर्षण विकसित होगा।

Course Learning Outcomes

– मौखिक साहित्य का परिचय

– प्रमुख रूपों का परिचय

– संस्कृति और लोक–जीवन व संस्कृति के विश्लेषण की क्षमता

इकाई–1 10 घंटे

मौखिक साहित्य की अवधारणा : सामान्य परिचय, मौखिक साहित्य और लिखित साहित्य का संबंध

साहित्य के विविध रूप – लोकगीत, लोककथा, लोकगाथाएँ, लोकनाट्य, लोकोक्तियाँ

इकाई–2 10 घंटे

लोकगीत : वाचिक और मुद्रित

संस्कार गीत : सोहर, विवाह, मंगलगीत इत्यादि

सोहर : भोजपुरी, संस्कार गीत; श्री हंस कुमार तिवारी; बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पृ. 8, गीत सं. 4

सोहर : अवधी, हिंदी प्रदेश के लोकगीत; कृष्णदेव उपाध्याय; पृ. 110, 111; साहित्य भवन; इलाहाबाद

विवाह : भोजपुरी; भारतीय लोकसाहित्य : परम्परा और परिदृश्य; विद्या सिन्हा; पृ. 116

निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के पृष्ठ :

हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकर लाल यादव; पृ. 231

हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय; पृ. 205

वाचिक कविता : भोजपुरी; पं. विद्यानिवास मिश्र, पृ. 49

श्रमसंबंधी गीत : कटनी, जंतसर; दँवनी, रोपनी इत्यादि

कटनी के गीत; अवधी 2 गीत; हिंदी प्रदेश के लोकगीत : पं. कृष्णदेव उपाध्याय; पृ. 134, 135

जंतसारी : भोजपुरी; भारतीय लोकसाहित्य परम्परा और परिदृश्य; विद्या सिन्हा; पृ. 140, 141

विविध गीत : घुघुती–कुमाउनी; कविता कौमुदी :ग्रामगीत : पं. रामनरेश त्रिपाठी

गढ़वाली : कविता कौमुदी : ग्रामगीत; पं. रामनरेश त्रिपाठी; पृ. 801–802

इकाई–3 10 घंटे

लोककथाएँ एवं लोकगाथाएँ :

– विधा का सामान्य परिचय और प्रसिद्ध लोककथाएँ एवं लोकगाथाएँ आल्हा, लोरिक, सारंग – सदावृक्ष, बिहुला

– राजस्थानी लोककथा नं. 2; हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास; पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 461–462

– अवधी लोककथा नं. 2, हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास; पं. राहुल सांकृत्यायन, पृ. 187–188

इकाई–4 15 घंटे

लोकनाट्य

विधा का परिचय, विविध भाषा क्षेत्रों के विविध नाट्यरूप और शैलियाँ, रामलीला,; रासलीला, मालवा का माच; राजस्थान का ख्याल, उत्तर प्रदेश की नौटंकी, भांड, रासलीला, बिहार – बिदेसिया, हरियाणा सांग पाठ, संक्षिप्त पद्मावत सांग (लखमीचंद ग्रंथावली, संपा. पूरनचंद शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंडवानी; तीजन बाई)

References

1. हिंदी प्रदेश के लोकगीत : कृष्णदेव उपाध्याय
2. हरियाणा प्रदेश का लोकसाहित्य : शंकरलाल यादव
3. मीट माई पीपल : देवेन्द्र सत्यार्थी
4. मालवी लोक–साहित्य का अध्ययन : श्याम परमार
5. रसमंजरी : सुचीता रामदीन, महात्मा गांधी संस्थान, मॉरिशस
6. हिंदी साहित्य का बृहत् इतिहास : पं. राहुल सांकृत्यायन; 16वां भाग
7. वाचिक कविता : भोजपुरी: विद्यानिवास मिश्र
8. भारतीय लोकसाहित्य :परंपरा और परिदृश्य : डॉ. विद्या सिन्हा
9. कविता कौमुदी : ग्रामगीत :पं. रामनरेश त्रिपाठी
10. हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन–हरियाणा साहित्य अकादमी का प्रकाशन
11. मध्यप्रदेश लोककला अकादमी की पत्रिका–चौमासा

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

विभिन्न रूप, बोलियाँ सांस्कृतिक शब्द

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DSC

SEMESTER - II

(DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

DSC B

हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिक काल)

CATEGORY-III

BA (PROG) WITH HINDI AS NON-MAJOR

हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल)

COURSE	Nature of the Course	Total Credit	Components			Eligibility Criteria / Prerequisite
			Lecture	Tutorial	Practical	
हिंदी कविता (मध्यकाल और आधुनिककाल)	कोर कोर्स (DSC) 3	4	3	1	0	DSC-I

Course Objective

– विद्यार्थियों को हिंदी के मध्यकालीन और आधुनिक कवियों से परिचित कराना।

– मुख्य कविताओं के माध्यम से तत्कालीन साहित्य की जानकारी देना।

Course learning outcomes

– कविताओं का अध्ययन–विश्लेषण करने की पद्धति सीख सकेंगे।

– साहित्य के सामाजिक–राजनीतिक–सांस्कृतिक पहलुओं की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई–1 10 घंटे

– **कबीर** – कबीर ग्रंथावली; माताप्रसाद गुप्त; लोकभारती प्रकाशन; 1969 ई.

– साँच कौ अंग (1), भेष कौ अंग (5, 9, 12) समथाई कौ अंग (12)

– **सूरदास** – सूरसागर संपा. डॉ. धीरेंद्र वर्मा; साहित्य भवन 1990 ई.

गोकुल लीला – पद संख्या 20, 26, 27, 60

– गोस्वामी तुलसीदास – तुलसी ग्रंथावली (दूसरा खण्ड); संपा. आ. रामचंद्र शुक्ल (नागरीप्रचारिणी सभा, काशी)

दोहावली – छंद सं. 277, 355, 401, 412, 490

इकाई–2 10 घंटे

– **बिहारी** – रीतिकाव्य रांग्रह; जगदीश गुप्त; साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहाबाद; प्रथम संस्करण;
1961 ई.

छंद सं. – 3, 14, 16, 18, 23, 24

इकाई–3 10 घंटे

– मैथिलीशरण गुप्त : रईसों के सपूत (भारतभारती, वर्तमान खण्ड, साहित्य सदन, झाँसी)

पद सं. 123 से 128

– जयशंकर प्रसाद : बीती विभावरी जाग री (लहर, लोकभारती प्रकाशन, 2000)

हिमालय के आँगन में ..... (स्कन्दगुप्त; भारती भण्डार; इलाहाबाद, 1973)

इकाई–4 15 घंटे

– हरिवंश राय 'बच्चन' – जो बीत गयी ..... (हरिवंश राय 'बच्चन' : प्रतिनिधि कविता; राजकमल पेपरबैक्स, संपा. मोहन गुप्त, 2009)

– नागार्जुन – उनको प्रणाम! (नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ, संपा. नामवर सिंह, राजकमल, पेपरबैक्स, 2009)

– भवानीप्रसाद मिश्र – गीत–फरोश (दूसरा सप्तक, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, द्वितीय संस्करण, 1970)

References

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. तुलसी काव्य–मीमांसा : उदयभानु सिंह
3. बिहारी की वाग्विभूति : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. सूरदास : ब्रजेश्वर शर्मा
5. सूरदास : रामचंद्र शुक्ल
6. गोस्वामी तुलसीदास : रामचंद्र शुक्ल
7. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा : मनोहरलाल गौड़
8. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य : कमलकांत पाठक
9. प्रसाद, पंत और मैथिलीशरण – रामधारी सिंह 'दिनकर'
10. प्रसाद के काव्य – प्रेमशंकर
11. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
12. हरिवंश राय बच्चन – संपा. पुष्पा भारती
13. आधुनिक हिंदी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Assessment Methods

टेस्ट, असाइनमेंट

Keywords

मध्यकाल, आधुनिकता, आधुनिकतावाद, काव्य, विभिन्न बोलियाँ आदि।

Note: Examination scheme and mode shall be as prescribed by the Examination Branch, University of Delhi, from time to time.

DSC

SEMESTER - III

(DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

DSC A

हिंदी कथा साहित्य

BA (Prog.) with Hindi as MAJOR
सेमेस्टर III – DSC 5 – क्रेडिट 4
हिंदी कथा साहित्य

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी कथा साहित्य	(DSC)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को उपन्यास तथा कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी देना
- उपन्यास और कहानी के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के अध्ययन द्वारा उनकी संरचना की समझ विकसित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी कथा साहित्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे
- कहानी और उपन्यास के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी कहानी : स्वरूप और संरचना
- हिंदी उपन्यास : स्वरूप और संरचना

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
- ऐसी होली खेलो लाल – पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- शरणदाता – अज्ञेय
- वापसी – उषा प्रियंवदा

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- गबन – प्रेमचंद

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी नई कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंद : एक विवेचना – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

DSC

SEMESTER - III

(DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

DSC A1

जनपदीय साहित्य (लोकनाट्य विशेष)

BA (Prog.) with Hindi as MAJOR
सेमेस्टर III – DSC 6 – क्रेडिट 4
जनपदीय साहित्य (लोकनाट्य विशेष)

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
जनपदीय साहित्य (लोकनाट्य विशेष)	(DSC)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भारतीय लोकनाट्य साहित्य और लोक-परंपरा का अवलोकन कराना
- लोक-जीवन और संस्कृति की जानकारी देना
- जनपदीय लोकनाट्य शैलियों के प्रति रुचि विकसित करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- जनपदीय साहित्य का परिचय प्राप्त होगा
- लोकनाट्य के विभिन्न रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- लोक-संस्कृति और लोक जीवन के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी

इकाई – 1 (12 घंटे)

- लोकनाट्य : अवधारणा, स्वरूप और विकास
- विविध रूपों का सामान्य परिचय – रामलीला, रासलीला, माच, नौटंकी

इकाई – 2 (12 घंटे)

- सत्यवान सावित्री – लखमीचन्द

इकाई – 3

- बिदेसिया – भिखारी ठाकुर (12 घंटे)

इकाई – 4

- राजयोगी भरथरी – सिद्धेश्वर सेन (09 घंटे)

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी साहित्य का बृहत इतिहास (सोलहवां भाग) – राहुल सांकृत्यायन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

16

- भारतीय लोकनाट्य – वशिष्ठनारायण त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- भारतीय लोक-साहित्य : परंपरा और परिदृश्य – विद्या सिन्हा, प्रकाशन विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली
- लखमीचन्द का काव्य-वैभव – हरिचन्द्र बंधु
- लोक साहित्य : पाठ और परख – विद्या सिन्हा, आरुषि प्रकाशन, नोएडा
- भिखारी ठाकुर रचनावली – (सं.) प्रो. वीरेंद्र नारायण यादव, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- परंपराशील नाट्य – जगदीशचंद्र माथुर, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- हमारे लोकधर्मी नाट्य – श्याम परमार, लोकरंग, उदयपुर

DSC

SEMESTER - III

(DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

DSC B

हिंदी कथा साहित्य

BA (Prog.) with Hindi as NON-MAJOR
सेमेस्टर III – DSC 5 – क्रेडिट 4
हिंदी कथा साहित्य

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी कथा साहित्य	(DSC)	4	3	1	0	12th Pass	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को उपन्यास तथा कहानी के उद्भव और विकास की जानकारी देना
- उपन्यास और कहानी के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के अध्ययन द्वारा उनकी संरचना की समझ विकसित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी कथा साहित्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे
- कहानी और उपन्यास के प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे
- प्रमुख कहानियों और उपन्यासों के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी कहानी : स्वरूप और संरचना
- हिंदी उपन्यास : स्वरूप और संरचना

इकाई – 2 **(12 घंटे)**

- पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद
- ऐसी होली खेलो लाल – पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- शरणदाता – अज्ञेय
- वापसी – उषा प्रियंवदा

इकाई – 4 **(09 घंटे)**

- गबन – प्रेमचंद

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली

18

- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- कहानी नई कहानी – नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रेमचंद : एक विवेचना – इंद्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

DSC

SEMESTER - IV

(DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

DSC A

अन्य गद्य विधाएँ

सेमेस्टर –IV

BA (Prog.)With Hindi as MAJOR

अन्य गद्य विधाएँ

Core Course – DSC7

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
अन्य गद्य विधाएँ (DSC7)	4	3	1	0	12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना।
2. विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना।
3. प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा।
2. विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे।
3. प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 (12 घंटे)

- लोभ और प्रीति (निबंध) – रामचंद्र शुक्ल
- बसंत आ गया है (निबंध) – हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई –2 (12 घंटे)

- प्रेमचंद के साथ दो दिन (संस्मरण) – बनारसी दास चतुर्वेदी
- ठकुरी बाबा (संस्मरण) – महादेवी

इकाई –3(12 घंटे)

- वैष्णव जन (ध्वनि रूपक) – विष्णु प्रभाकर
- शायद (एकांकी) – मोहन राकेश

इकाई –4(9घंटे)

- अंगद का पाँव (व्यंग्य) – श्रीलाल शुक्ल
- ठेले पर हिमालय (यात्रावृत्त) – धर्मवीर भारती

111

सहायक ग्रंथ:

1. हिंदी का गद्य साहित्य–रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर।
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास–बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास–रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. कवि तथा नाटककार–रामकुमार वर्मा, वरुण प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिंदी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी–विदुषी भारद्वाज, राधा पब्लिकेशन।
6. साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार–हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार–विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान– रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ–सुरेंद्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

DSC

SEMESTER - IV

(DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

DSC A1

किसी एक साहित्यकार का अध्ययन

(भारतेन्दु)

सेमेस्टर –IV

किसी एक साहित्यकार का अध्ययन: भारतेंदुहरिश्चंद्र

Core Course – DSC8-A

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
किसी एक साहित्यकार का अध्ययन : भारतेंदु हरिश्चंद्र (DSC8-A)	4	3	1	0	12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

1. प्रथम स्वाधीनता संग्राम के पश्चात उभरे साहित्यिक परिदृश्य की जानकारी देना।
2. भारतेंदु के साहित्य से विस्तार में परिचय देना।
3. भारतेंदु के कवि, नाटककार और गद्यकार के रूप को समझाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. भारतेंदु के लेखन और रचना-दृष्टि की समझ विकसित होगी।
2. प्रथम स्वाधीनता संग्राम के पश्चातराष्ट्रीय-सांस्कृतिक परिदृश्य से परिचय होंगे।

इकाई – 1 : कविताएं (12 घंटे)

- कहां करुणानिधि केशव सोए
- बसंत होली
- नए जमाने की मुकरी – भीतर-भीतर सब रस चूसे, नई नई नित तान सुनावे, धन लेकर कुछ काम न आवै, तीन बुलाए तेरह आवैं

इकाई – 2: नाटक (12 घंटे)

- नीलदेवी

इकाई – 3: निबंध (12 घंटे)

- भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है
- वैष्णवता और भारतवर्ष

इकाई – 4 : विविध (9 घंटे)

- एक अद्भुत अपूर्व स्वप्न

113

- एक कहानी – कुछ आपबीती, कुछ जगबीती

सहायक ग्रंथ:

1. नाटकार भारतेंदु की रंग परिकल्पना – सत्येंद्र तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण की समस्याएं–रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. भारतेंदुहरिश्चंद्र का रचना संसार: एक पुनर्मूल्यांकन–डॉ. वीरेंद्र सिंह यादव।
4. भारतेंदुहरिश्चंद्र–ब्रजरत्न दास, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद।
5. भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा –रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

DSC

SEMESTER - IV

(DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

DSC A1

किसी एक साहित्यकार का अध्ययन

(जयशंकर प्रसाद)

सेमेस्टर –IV

किसी एक साहित्यकार का अध्ययन: जयशंकर प्रसाद

Core Course – DSC8-B

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
किसी एक साहित्यकार का अध्ययन : भारतेंदु हरिश्चंद्र (DSC8-B)	4	3	1	0	12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

1. छायावाद के प्रवर्तक कवि जयशंकर प्रसाद के साहित्य से विस्तार में परिचय।
2. जयशंकर प्रसाद के कवि, कथाकार, नाटककार और आलोचक रूप को समझना।
3. छायावादी कविता संबंधी आलोचनात्मक बहस और प्रसाद के साहित्य के विकास-क्रम का अध्ययन।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. जयशंकर प्रसाद के लेखन-दृष्टि की गंभीर समझ विकसित होगी।
2. छायावाद और राष्ट्रीय आंदोलन के आपसी संबंधों का विश्लेषण कर सकेंगे।
3. कहानियों, नाटकों और उपन्यासों के आधार पर आदर्शवादी और यथार्थवादी साहित्यिक धारा का ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई – 1 (12 घंटे)

- कविताएँ – बीती विभावरी जाग री, हिमाद्रि तुंग शृंग से, अशोक की चिंता

इकाई –2(12 घंटे)

- कहानियाँ – आकाशदीप, ममता, पुरस्कार, गुंडा
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड4,संपादक– रत्नशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

इकाई–3(12 घंटे)

- नाटक – अजातशत्रु

इकाई–4 (9 घंटे)

- निबंध – यथार्थवाद, छायावाद (काव्य और कला तथा अन्य निबंध पुस्तक से)
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड4,संपादक– रत्नशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

115

सहायक ग्रंथ:

1. प्रसाद रचना संचयन – (संपादक) विष्णु प्रभाकर और रमेश चंद्र शाह, साहित्य अकादेमी, दिल्ली।
2. जयशंकर प्रसाद –नंददुलारे वाजपेयी।
3. काव्य और कला तथा अन्य निबंध – जयशंकर प्रसाद।
4. छायावाद: पुनर्मूल्यांकन –सुमित्रानन्दन पंत।
5. छायावाद – नामवर सिंह।
6. प्रसाद का काव्य – प्रेमशंकर।
7. छायावाद की प्रासंगिकता –रमेशचंद्र शाह।
8. जयशंकर प्रसाद: एक पुनर्मूल्यांकन – विनोद शाही।
9. छायावाद का पतन – डॉ. देवराज।
10. कामायनी: एक पुनर्विचार – गजानन माधव मुक्तिबोध।
11. छायावाद का पुनर्मूल्यांकन – रामस्वरूप चतुर्वेदी।
12. कामायनी: मूल्यांकन और मूल्यांकन – (संपादक) इंद्रनाथ मदान।
13. जयशंकर प्रसाद: महानता के आयाम – करुणा शंकर उपाध्याय।
14. कंथा (प्रसाद की जीवनी) – श्यामबिहारी श्यामल।

DSC

SEMESTER - IV

(DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

DSC B

अन्य गद्य विधाएँ

सेमेस्टर –IV

BA (Prog.)With Hindi as NON-MAJOR

अन्य गद्य विधाएँ

Core Course – DSC7

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility criteria	Pre-requisiteof the course
		Lecture	Tutorial	Practical		
अन्य गद्य विधाएँ (DSC7)	4	3	1	0	12वीं उत्तीर्ण	NIL

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना।
2. विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना।
3. प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा।
2. विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे।
3. प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 (12 घंटे)

- लोभ और प्रीति (निबंध) – रामचंद्र शुक्ल
- बसंत आ गया है (निबंध) – हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई –2 (12 घंटे)

- प्रेमचंद के साथ दो दिन (संस्मरण) – बनारसी दास चतुर्वेदी
- ठकुरी बाबा (संस्मरण) – महादेवी

इकाई –3(12 घंटे)

- वैष्णव जन (ध्वनि रूपक) – विष्णु प्रभाकर
- शायद (एकांकी) – मोहन राकेश

इकाई –4(9घंटे)

- अंगद का पाँव (व्यंग्य) – श्रीलाल शुक्ल
- ठेले पर हिमालय (यात्रावृत्त) – धर्मवीर भारती

117

सहायक ग्रंथ:

1. हिंदी का गद्य साहित्य–रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर।
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास–बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिंदी गद्य : विन्यास और विकास–रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. कवि तथा नाटककार–रामकुमार वर्मा, वरुण प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिंदी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी–विदुषी भारद्वाज, राधा पब्लिकेशन।
6. साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार–हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार–विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान– रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ–सुरेंद्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

DSC

SEMESTER - V

(DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

DSC A

हिंदी भाषा

का

व्यावहारिक व्याकरण

BA (Prog.) with Hindi as MAJOR
Semester V : DSC-9
हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC-9 हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भाषा के नियमों से परिचित कराना।
- हिंदी भाषा के व्याकरणिक नियमों की आधारभूत जानकारी देना।
- भाषा की विविध ध्वनियों के उच्चारण के नियमों का समुचित ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी व्याकरणिक संरचना का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- मौखिक अभिव्यक्ति के मानक-अमानक रूपों से परिचित होंगे।
- हिंदी भाषा के सर्वमान्य रूपों की समझ विकसित होगी।

इकाई 1 : भाषा और व्याकरण **(12 घंटे)**

- भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ
- व्याकरण की परिभाषा और महत्त्व
- भाषा और व्याकरण का अंतःसंबंध
- ध्वनि, वर्ण एवं मात्राएँ

इकाई 2 : शब्द परिचय **(12 घंटे)**

- शब्दों के भेद – तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ – संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया (केवल परिभाषा एवं भेद)
- शब्द निर्माण – उपसर्ग, प्रत्यय
- शब्द और पद में अंतर
- शब्दगत अशुद्धियाँ

इकाई 3 : व्याकरण व्यवहार **(12 घंटे)**

- लिंग, वचन, कारक
- संधि और समास
- मुहावरे और लोकोक्तियाँ

इकाई 4 : वाक्य-परिचय **(9 घंटे)**

- वाक्य के अंग, उद्देश्य और विधेय
- रचना के आधार पर वाक्य के भेद
- वाक्यगत अशुद्धियाँ

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. गुरु, कामता प्रसाद; हिंदी व्याकरण, साहित्य सरोवर पब्लिकेशन, आगरा।
2. वाजपेयी, किशोरीदास; हिंदी शब्दानुशासन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
3. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी भाषा का इतिहास, हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज।
5. पांडेय, डॉ. राजबलि; भारतीय पुरालिपि, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
6. शुक्ल, डॉ. हनुमान प्रसाद; हिंदी भाषा : पहचान से प्रतिष्ठा तक, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
7. प्रसाद, डॉ. वासुदेव नंदन; आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन, मेरठ।
8. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
9. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की आर्थी संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
10. तिवारी, भोलानाथ; भाषा विज्ञान, किताब महल, दिल्ली।

DSC

SEMESTER - V

(DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

DSC A1

राजभाषा
और
राष्ट्रभाषा के रूप में
हिंदी

BA (Prog.) With Hindi as MAJOR
Semester V : DSC-10
राजभाषा और राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC-10 राजभाषा और राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को राजभाषा की अवधारणा से परिचित कराना।
- राष्ट्रभाषा की अवधारणा से परिचित कराना।
- हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी राजभाषा की अवधारणा से परिचित होंगे।
- राष्ट्रभाषा की अवधारणा से परिचित होंगे।
- हिंदी भाषा की संवैधानिक स्थिति से अवगत हो सकेंगे।

इकाई 1 : हिंदी : संकल्पना और अनुप्रयोग **(12 घंटे)**

- हिंदी भाषा के विविध रूप – राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, मानक भाषा, साहित्यिक भाषा, संचार की भाषा

इकाई 2 : राजभाषा हिंदी **(12 घंटे)**

- राजभाषा : तात्पर्य और स्वरूप
- राजभाषा हिंदी संबंधी संवैधानिक प्रावधान
- राजभाषा आयोग तथा संसदीय समिति

इकाई 3 : राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदी **(12 घंटे)**

- स्वाधीनता आंदोलन और राष्ट्रभाषा हिंदी की संकल्पना
- संविधान की आठवीं अनुसूची और हिंदी
- राजभाषा और राष्ट्रभाषा में अंतर

इकाई 4 : हिंदी का अनुप्रयोग **(9 घंटे)**

- राजभाषा संबंधी विशिष्ट शब्दावली (सूची विभाग द्वारा दी जाएगी)
- राजभाषा की कार्यालयी अभिव्यक्तियाँ (सूची विभाग द्वारा दी जाएगी)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. तिवारी, डॉ. भोलानाथ; राजभाषा हिंदी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
2. शर्मा, डॉ. देवेंद्रनाथ, राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ एवं समाधान, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
3. सिंह, शंकर दयाल; हिंदी : राजभाषा, राष्ट्रभाषा, जनभाषा, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली।
4. सिंह, डॉ. राजवीर; राजभाषा हिंदी : विविध आयाम, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली।
5. गिरि, डॉ. राजीव रंजन; परस्पर : भाषा-साहित्य-आंदोलन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

DSC

SEMESTER - V

(DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

DSC B

हिंदी भाषा

का

व्यावहारिक व्याकरण

BA (Prog.) With Hindi as NON-MAJOR
Semester V : DSC-9
हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC-9 हिंदी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भाषा के नियमों से परिचित कराना।
- हिंदी भाषा के व्याकरणिक नियमों की आधारभूत जानकारी देना।
- भाषा की विविध ध्वनियों के उच्चारण के नियमों का समुचित ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी व्याकरणिक संरचना का ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- मौखिक अभिव्यक्ति के मानक-अमानक रूपों से परिचित होंगे।
- हिंदी भाषा के सर्वमान्य रूपों की समझ विकसित होगी।

इकाई 1 : भाषा और व्याकरण (12 घंटे)

- भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएँ
- व्याकरण की परिभाषा और महत्त्व
- भाषा और व्याकरण का अंतःसंबंध
- ध्वनि, वर्ण एवं मात्राएँ

इकाई 2 : शब्द परिचय (12 घंटे)

- शब्दों के भेद – तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी
- शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ – संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया (केवल परिभाषा एवं भेद)
- शब्द निर्माण – उपसर्ग, प्रत्यय
- शब्द और पद में अंतर
- शब्दगत अशुद्धियाँ

इकाई 3 : व्याकरण व्यवहार (12 घंटे)

- लिंग, वचन, कारक
- संधि और समास
- मुहावरे और लोकोक्तियाँ

इकाई 4 : वाक्य-परिचय (9 घंटे)

- वाक्य के अंग, उद्देश्य और विधेय
- रचना के आधार पर वाक्य के भेद
- वाक्यगत अशुद्धियाँ

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. गुरु, कामता प्रसाद; हिंदी व्याकरण, साहित्य सरोवर पब्लिकेशन, आगरा।
2. वाजपेयी, किशोरीदास; हिंदी शब्दानुशासन, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
3. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ; हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी भाषा का इतिहास, हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज।
5. पांडेय, डॉ. राजबलि; भारतीय पुरालिपि, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
6. शुक्ल, डॉ. हनुमान प्रसाद; हिंदी भाषा : पहचान से प्रतिष्ठा तक, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
7. प्रसाद, डॉ. वासुदेव नंदन; आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन, मेरठ।
8. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
9. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा की आर्थी संरचना, साहित्य सहकार, दिल्ली।
10. तिवारी, भोलानाथ; भाषा विज्ञान, किताब महल, दिल्ली।

DSC

SEMESTER - VI

(DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

DSC A

साहित्य चिंतन

BA (Prog.) with Hindi as MAJOR
Semester VI : DSC-11
साहित्य चिंतन

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC-11 साहित्य चिंतन	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं से परिचित कराना।
- साहित्य के अवधारणात्मक पदों का समुचित ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी साहित्य की आधुनिक विधाओं से परिचित हो सकेंगे।
- साहित्य के अवधारणामूलक पदावली का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।

इकाई 1 : काव्य की प्रमुख आधुनिक विधाओं का सामान्य परिचय **(12 घंटे)**

- आख्यानपरक कविता
- प्रगीतात्मक कविता
- मुक्तछंद, छंदमुक्त कविता
- नवगीत

इकाई 2 : गद्य की प्रमुख आधुनिक विधाओं का सामान्य परिचय **(12 घंटे)**

- उपन्यास
- कहानी
- नाटक
- निबंध
- अन्य गद्य विधाएँ – आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा वृतांत, डायरी।

इकाई 3 : आलोचना के अवधारणात्मक पदों का सामान्य परिचय – 1 **(12 घंटे)**

- लोकमंगल की अवधारणा
- पुनर्जागरण
- आधुनिकता और आधुनिकता बोध
- अनुभूति की प्रामाणिकता

इकाई 4 : आलोचना के अवधारणात्मक पदों का सामान्य परिचय – 2 **(9 घंटे)**

- बिंब, प्रतीक और मिथक
- विसंगति
- विडंबना

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. अमरनाथ, डॉ.; हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. सिंह, डॉ. बच्चन; हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. सिंह, डॉ. नामवर; कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; चिंतामणि (भाग 1 एवं 2), लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी साहित्य कोश (भाग-1, पारिभाषिक शब्दावली), ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी।
6. अवस्थी, मोहन; आधुनिक हिंदी काव्य-शिल्प, हिंदी परिषद प्रकाशन, प्रयागराज।

DSC

SEMESTER - VI

(DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

DSC A1

विमर्श की सामाजिकी और हिंदी साहित्य

BA (Prog.) with Hindi as MAJOR
Semester VI : DSC-12
विमर्श की सामाजिकी और हिंदी साहित्य

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC-12 विमर्श की सामाजिकी और हिंदी साहित्य	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों को अस्मिता का सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।
- प्रमुख रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से संवेदनशील बनाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी अस्मितामूलक विमर्श की सैद्धांतिकी से परिचित होंगे।
- विभिन्न अस्मिताओं से संदर्भित सामाजिक परिवेश को समझ सकेंगे।
- अस्मितामूलक साहित्य के अध्ययन से संवेदनशील बनेंगे।

इकाई 1 : विमर्शों की सामाजिकी (12 घंटे)

- विमर्श की सामाजिक अवधारणा एवं स्वरूप विकास
- दलित विमर्श, स्त्री विमर्श एवं आदिवासी विमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप विकास

इकाई 2 : विमर्शमूलक कहानी (12 घंटे)

- अपना गाँव – मोहनदास नैमिशराय
- स्त्री सुबोधिनी – मन्नू भण्डारी
- बाबा, कौए और काला धुआँ – रणेंद्र

इकाई 3 : विमर्शमूलक कविता (12 घंटे)

- दलित कविता : अछूत की शिकायत – हीरा डोम, ठाकुर का कुआं – ओम प्रकाश बाल्मीकी
- आदिवासी कविता : गुलदस्ते की जगह बेसलरी की बोतलें, उतनी दूर मत ब्याहना बाबा! – निर्मला पुतुल
- स्त्री कविता : पानदान, हंडा – नीलेश रघुवंशी

इकाई 4 : विमर्शमूलक गद्य विधाएं (9 घंटे)

- घर-बाहर – महादेवी वर्मा
- पिंजरे की मैना – चंद्रकिरण सोनरेक्सा (अंतिम 50 पृष्ठ)
- सीता रत्नमाला – जंगल से आगे (पृष्ठ 57-70)

सहायक ग्रंथों की सूची:

16. अंबेडकर वांगमय (भाग-1), डॉ. अंबेडकर प्रतिष्ठान, नई दिल्ली।
17. वाल्मिकी, ओमप्रकाश; दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
18. गुप्ता, रमणिका; आदिवासी अस्मिता का संकट, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली।
19. टेटे, वंदना; आदिवासी दर्शन और साहित्य, नोशन प्रेस, दिल्ली।
20. नेगी, डॉ. स्नेहलता; आदिवासी समाज और साहित्य, अनुज्ञा प्रकाशन, दिल्ली।
21. मीणा, गंगा सहाय; आदिवासी चिंतन की भूमिका।
22. नेगी, डॉ. स्नेहलता; आदिवासी साहित्य का स्त्री पाठ, विकल्प प्रकाशन, दिल्ली।
23. खेतान, प्रभा; उपनिवेष में स्त्री, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
24. बोउआर, सीमोन द; स्त्री उपेक्षिता, हिंद पॉकेट बुक्स, नई दिल्ली।
25. वर्मा, महादेवी; श्रृंखला की कड़ियां, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
26. देसाई एवं ठक्कर, मीरा एवं उषा (धूसिया, डॉ. सुभी, अनुवादक); भारतीय समाज में महिलाएं
27. सिंह, सुधा; ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली।
28. सेठी, रेखा; स्त्री कविता: पक्ष और परिप्रेक्ष्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
29. मालिक, प्रो. कुसुमलता; अंतिम जन तक, दोआबा प्रकाशन, दिल्ली।
30. बेचैन, डॉ. श्यौराज सिंह; मूकनायक के सौ साल और अस्मिता संघर्ष के सवाल, एकेडमिक पब्लिकेशन, दिल्ली।

DSC

SEMESTER - VI

(DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

DSC B

साहित्य चिंतन

BA (Prog.) With Hindi as NON-MAJOR
Semester VI : DSC-11
साहित्य चिंतन

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSC-11 साहित्य चिंतन	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को विभिन्न विधाओं से परिचित कराना।
- साहित्य के अवधारणात्मक पदों का समुचित ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी साहित्य की आधुनिक विधाओं से परिचित हो सकेंगे।
- साहित्य के अवधारणामूलक पदावली का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।

इकाई 1 : काव्य की प्रमुख आधुनिक विधाओं का सामान्य परिचय (12 घंटे)

- आख्यानपरक कविता
- प्रगीतात्मक कविता
- मुक्तछंद, छंदमुक्त कविता
- नवगीत

इकाई 2 : गद्य की प्रमुख आधुनिक विधाओं का सामान्य परिचय (12 घंटे)

- उपन्यास
- कहानी
- नाटक
- निबंध
- अन्य गद्य विधाएँ – आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा वृतांत, डायरी।

इकाई 3 : आलोचना के अवधारणात्मक पदों का सामान्य परिचय – 1 (12 घंटे)

- लोकमंगल की अवधारणा
- पुनर्जागरण
- आधुनिकता और आधुनिकता बोध
- अनुभूति की प्रामाणिकता

इकाई 4 : आलोचना के अवधारणात्मक पदों का सामान्य परिचय – 2 (9 घंटे)

- बिंब, प्रतीक और मिथक
- विसंगति
- विडंबना

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. अमरनाथ, डॉ.; हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. सिंह, डॉ. बच्चन; हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. सिंह, डॉ. नामवर; कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; चिंतामणि (भाग 1 एवं 2), लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. वर्मा, धीरेंद्र; हिंदी साहित्य कोश (भाग-1, पारिभाषिक शब्दावली), ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी।
6. अवस्थी, मोहन; आधुनिक हिंदी काव्य-शिल्प, हिंदी परिषद प्रकाशन, प्रयागराज।

GE (GENERAL ELECTIVES) LANGUAGE

SEMESTER 1 OR 2

हिंदी 'क'

हिंदी :
भाषा और साहित्य

(12वीं तक हिंदी पास के लिये)

'हिंदी–क' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।
राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता–संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।
आधुनिक आवष्यकताओं के अनुरूप राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई–1

(क) हिंदी भाषा का उद्‌भव एवं विकास
(ख) राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क–भाषा के रूप में हिंदी

इकाई–2

हिंदी साहित्य का इतिहास
(क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) सामान्य परिचय
(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय

इकाई–3

(क) संत–काव्य (संग्रह) : परषुराम चतुर्वेदी; किताब महल, इलाहाबाद; 1952
संत रैदासजी
पद : 1, 4, और 19

(ख) भूषण – भूषण ग्रंथावली, सं. आचार्य विष्वनाथ प्रसादमिश्र, वाणी प्रकाषन, दिल्ली, 1998;
कवित्त संख्या 409, 411, 412

(ग) बिहारी – बिहारी रत्नाकर, सं. जगन्नाथदास रत्नाकर बी.ए., प्रकाषन संस्थान, नई दिल्ली, सं. 2006, दोहा 1, 10, 13, 32

इकाई–4

– आधुनिक हिंदी कविता
– माखनलाल चतुर्वेदी : बेटी की विदाई
– जयषंकर प्रसाद : हिमाद्रि तुंग श्रृंग से
– नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है

References

9. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
10. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका
11. सं. डॉ. नगेंद्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
12. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
13. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा, वीडियो आदि
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

GE (GENERAL ELECTIVES) LANGUAGE

SEMESTER 1 OR 2

हिंदी 'ख'

हिंदी :

भाषा और साहित्य

(10वीं तक हिंदी पास के लिये)

'हिंदी–'ख'(उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी भाषा और साहित्य
हिंदी भाषा का उद्भव और विकास
हिंदी की प्रमुख बोलियों का परिचय
हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल, मध्यकाल)
हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

इकाई–2

भक्तिकालीन कविता :
(क) कबीर – कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17वां संस्करण, सं. 2049 वि.
साखी : गुरुदेव कौ अंग – 24, 25, 26, 27, 28, 33, 34

(ख) तुलसी : 'रामचरितमानस' गीताप्रेस, गोरखपुर से 'केवटप्रसंग'

इकाई–3

– मैथिलीषरण गुप्त : नर हो न निराष करो .....
– सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' – तोड़ती पत्थर
– केदारनाथ अग्रवाल : धूप

इकाई–4

आधुनिक कविता
– सुभद्रा कुमार चौहान : बालिका का परिचय
– निराला : तोड़ती पत्थर

References

1. रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी : हिंदी साहित्य की भूमिका
3. सं. डॉ. नगेंद्र : हिंदी साहित्य का इतिहास
4. रामस्वरूप चतुर्वेदी : हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास
5. आ. विष्वनाथ प्रसाद मिश्र : भूषण ग्रंथावली
6. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

Teaching Learning Process

व्याख्यान, सामूहिक चर्चा
1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

Back Home

GE (GENERAL ELECTIVES) LANGUAGE

SEMESTER 1 OR 2

हिंदी 'ग'

हिंदी :
भाषा और साहित्य

(8वीं तक हिंदी पास के लिये)

'हिंदी–'ग' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी : भाषा और साहित्य

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।
विषिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी भाषा और साहित्य
(क) हिंदी भाषा का उद्‌भव एवं विकास
(ख) हिंदी का भौगोलिक विस्तार
(ग) हिंदी कविता का विकास (आदिकाल, मध्यकाल) : सामान्य विषेषताएँ
(घ) हिंदी कविता का विकास (आधुनिक काल) : सामान्य विषेषताएँ

इकाई–2

भक्तिकालीन हिंदी कविता :
कबीर : कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी 17वां संस्करण, सं. 2049 वि.

साखी : गुरुदेव कौ अंग – 19, 20, 21, 22, 23

सूरदास :
–मैया मैं नहिं माखन खायौ .....
– उधोमन न भए दस–बीस .....

इकाई–3

रीतिकालीन हिंदी कविता
(क) बिहारी :
– मेरी भव बाधा हरौ .....
–कनक कनक ते सौंगुनी .....
–कहत नटत रीझत खिजत .....

(ख) घनानंद :
– अति सूधो सनेह को मारग .....
– रावरे रूप की रीति अनूप .....

इकाई–4

आधुनिक हिंदी कविता
– सुमित्रा नंदन पंत : आह! धरती कितना देती है .....
– सर्वेष्वर दयाल सक्सेना : लीक पर वे चलें .....

References

1. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
2. तुलसीकाव्य – मीमांसा : उदयभानु सिंह
3. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास : विष्वनाथ त्रिपाठी
4. बिहारी की वाग्विभूति : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
5. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
6. डॉ. रसाल सिंह : हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स

GE (GENERAL ELECTIVES) LANGUAGE

SEMESTER 3 OR 4

हिंदी 'क'

हिंदी गद्य :
उद्भव और विकास

(12वीं तक हिंदी पास के लिये)

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV
GE / Language – क्रेडिट 4
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'क'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'क'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	0	हिंदी विषय के साथ 12वीं पास	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय और विकास – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- नमक का दरोगा – प्रेमचंद
- मलबे का मालिक – मोहन राकेश

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- भाव और मनोविकार – रामचन्द्र शुक्ल
- मेरे राम का मुकुट भीग रहा है – विद्यानिवास मिश्र

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- दीपदान – रामकुमार वर्मा
- सुभद्रा – महादेवी वर्मा

सहायक ग्रंथों की सूची:

20

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- कवि तथा नाटककार : रामकुमार वर्मा, वरुण प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी – विदुषी भारद्वाज, राधा पब्लिकेशन
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

GE (GENERAL ELECTIVES) LANGUAGE

SEMESTER 3 OR 4

हिंदी 'ख'

हिंदी गद्य :
उद्भव और विकास

(10वीं तक हिंदी पास के लिये)

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV
GE / Language – क्रेडिट 4
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ख'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ख'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	—	हिंदी विषय के साथ 10वीं पास	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय एवं विकास – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
- परिन्दे – निर्मल वर्मा

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- आकाशदीप – जयशंकर प्रसाद
- परिन्दे – निर्मल वर्मा

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- जबान – बालकृष्ण भट्ट
- सच्ची वीरता – सरदार पूर्ण सिंह

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- मालव प्रेम – हरिकृष्ण प्रेमी
- गुंगिया – महादेवी वर्मा

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

GE (GENERAL ELECTIVES) LANGUAGE

SEMESTER 3 OR 4

हिंदी 'ग'

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास

(8वीं तक हिंदी पास के लिये)

BA (Prog.) सेमेस्टर III / IV
GE / Language – क्रेडिट 4
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ग'

Course	Nature of Course	Total Credit	Component			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
			Lecture	Tutorial	Practical		
हिंदी गद्य : उद्भव और विकास 'ग'	जीई / भाषा (GE)	4	3	1	0	हिंदी विषय के साथ 08वीं पास	Nil

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई – 1 **(12 घंटे)**

- हिंदी गद्य रूपों का सामान्य परिचय – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई – 2 : कहानी **(12 घंटे)**

- बड़े भाई साहब – प्रेमचंद
- हार की जीत – सुदर्शन

इकाई – 3 : निबंध **(12 घंटे)**

- मेले का ऊंट – बालमुकुंद गुप्त
- नाखून क्यों बढ़ते हैं – हजारीप्रसाद द्विवेदी

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएँ **(09 घंटे)**

- बुधिया – रामवृक्ष बेनीपुरी
- भोलाराम का जीव – हरिशंकर परसाई

सहायक ग्रंथों की सूची:

- हिंदी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी गद्य : विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार – हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान – रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : प्रक्रिया और पाठ – सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

GE (GENERAL ELECTIVES)

SEMESTER 5

लोकप्रिय हिंदी साहित्य

BA (Prog.) Hindi
Semester V : GE
लोकप्रिय हिंदी साहित्य

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
GE लोकप्रिय हिंदी साहित्य	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- लोकप्रिय संस्कृति की समझ विकसित करना।
- साहित्य की मुख्यधारा के समानांतर लोकप्रिय साहित्य का परिचय देना।
- लोकप्रिय हिंदी साहित्य की परंपरा का ज्ञान कराना।

पाठ्यक्रम-अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी लोकप्रिय साहित्य की अवधारणा को समझ सकेंगे।
- साहित्य की मुख्यधारा के समानांतर लोकप्रिय साहित्य से परिचित होंगे।
- लोकप्रिय हिंदी साहित्य की परंपरा को समझ सकेंगे।

इकाई 1 : लोकप्रिय संस्कृति और साहित्य (12 घंटे)

- लोकप्रिय संस्कृति : अवधारणा और स्वरूप
- लोकप्रिय संस्कृति और कला के विविध आयाम
- लोकप्रिय संस्कृति और लोकप्रिय साहित्य

इकाई 2 : लोकप्रिय साहित्य (12 घंटे)

- लोकप्रिय साहित्य का संक्षिप्त इतिहास
- वैश्वीकृत दुनिया और हिंदी का लोकप्रिय साहित्य
- लोकप्रिय साहित्य का विधागत वैशिष्ट्य : कविता, कहानी, उपन्यास, नाटक।

147

इकाई 3 : लोकप्रिय कविता (9 घंटे)

- हरिवंश राय बच्चन – मधुशाला (भाग 1)
- कवि प्रदीप – दे दी हमें आजादी बिना खड्ग बिना ढाल
- शैलेंद्र – दुनिया बनाने वाले क्या तेरे मन में समाई
- गोपालदास नीरज – कारवाँ गुजर गया

इकाई 4 : लोकप्रिय कथा साहित्य (12 घंटे)

- चंद्रकांता – देवकी नंदन खत्री
- गुप्त कथा – गोपाल राम गहमरी

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. पचौरी, सुधीश; पापुलर कल्चर, राधाकृष्ण प्रकाशन, प्रयागराज।
2. रंजन, प्रभात; पॉपुलर हिंदी लुगदी हिंदी : हिंदी का लोकप्रिय साहित्य, जानकीपुल प्रकाशन, दिल्ली।
3. कृष्ण, संजय (संपादक); गोपालराम गहमरी की जासूसी कहानियाँ, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
4. शुक्ल, वागीश; चंद्रकांता (संतति) का तिलिस्म, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. सक्सेना, प्रदीप; तिलिस्मी साहित्य का साम्राज्यवाद चरित्र, शिल्पायन, दिल्ली।

GE (GENERAL ELECTIVES)

SEMESTER 5

प्रवासी

हिंदी

साहित्य

BA (Prog.) Hindi
Semester V : GE
प्रवासी हिंदी साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
GE प्रवासी हिंदी साहित्य	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को प्रवासी भारतीयों द्वारा लिखे जा रहे हिंदी साहित्य से परिचित कराना।
- विविध प्रवासी साहित्यिक अभिव्यक्तियों की समझ विकसित कराना।
- हिंदी साहित्य के वैश्विक स्वरूप एवं उपस्थिति से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी प्रवासी साहित्य के इतिहास एवं उसके विकास की परंपरा से परिचित हो सकेंगे।
- प्रवासी साहित्य के माध्यम से प्रवासी जीवन संदर्भों को समझ सकेंगे।
- प्रवासी साहित्य की अवधारणा एवं उससे जुड़े विषयों को जान सकेंगे।

इकाई 1 : प्रवासी साहित्य का परिचय (12 घंटे)

- प्रवासी साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप
- प्रवासी हिंदी साहित्य लेखन का इतिहास
- प्रवासी हिंदी साहित्य लेखन की प्रवृत्तियां

इकाई 2 : प्रवासी कविताएं (12 घंटे)

- बदलाव – सुधा ओम ढींगरा
- अहंकार – अनीता वर्मा
- अपनी राह से – पुष्पिता अवस्थी
- क्या मैं परदेसी हूं – कमला प्रसाद मिश्र

149

इकाई 3 : प्रवासी कहानियां (12 घंटे)

- कब्र का मुनाफा – तेजेंद्र शर्मा
- श्यामली जीजी – रेखा राजवंशी
- थोड़ी देर और – शैलजा सक्सेना

इकाई 4 : प्रवासी उपन्यास (9 घंटे)

- लाल पसीना – अभिमन्यु अनत

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. गोयनका, डॉ. कमल किशोर; हिंदी का प्रवासी साहित्य, अमित प्रकाशन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश।
2. गोयनका, डॉ. कमल किशोर (प्रधान संपादक); प्रवासी साहित्य : जोहान्सबर्ग से आगे, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
3. आर्य एवं नाबरिया, सुषमा एवं अजय (संपादक); प्रवासी हिंदी कहानी : एक अंतर्यात्रा, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
4. पांडेय एवं पांडेय, डॉ. नूतन एवं डॉ. दीपक, प्रवासी साहित्य (विश्व के हिंदी साहित्यकारों से संवाद) खंड 1 एवं 2, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. सक्सेना, उषा राजे; ब्रिटेन में हिंदी, मेधा बुक्स, दिल्ली।
6. जोशी, रामशरण (संपादक); भारतीय डायस्पोरा : विविध आयाम
7. Dubey, Ajay (ed.), 2003, *Indian Diaspora: Global Identity*. New Delhi: Kalin Publications.

GE (GENERAL ELECTIVES)

SEMESTER 6

हिंदी बाल साहित्य

BA (Prog.) Hindi
Semester VI : GE
हिंदी बाल साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी बाल साहित्य	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को बाल साहित्य से परिचित कराना।
- बाल साहित्यकारों से परिचय कराना।
- हिंदी साहित्य में बाल साहित्य की स्थिति का विश्लेषण करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में बाल साहित्य के अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ेगी।
- बाल साहित्य के लेखन और प्रकाशन की दिशा में काम होगा जिससे बाल साहित्य समृद्ध होगा।
- बाल साहित्य के महत्व को समझ सकेंगे।

इकाई 1 : बाल साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप **(12 घंटे)**

- बाल साहित्य की अवधारणा एवं परिभाषा
- बाल साहित्य की आवश्यकता एवं महत्त्व
- बाल साहित्य लेखन की प्रक्रिया / प्रविधि
- बाल साहित्य के समक्ष चुनौतियाँ

इकाई 2 : प्रमुख बाल कविताएँ / गीत **(12 घंटे)**

- उठो लाल अब आँखें खोलो – अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
- चाँद का कुर्ता – रामधारी सिंह 'दिनकर'
- चंदा मामा आ – द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी
- विश्वास – बाल कवि बैरागी

इकाई 3 : प्रमुख बाल कथाएँ **(12 घंटे)**

- अक्ल बड़ी या भैंस – अमृतलाल नागर
- दीप जले शंख बजे – जयप्रकाश भारती
- डाकू का बेटा – हरिकृष्ण देवसरे
- मंजिल – भगवती प्रसाद द्विवेदी

इकाई 4 : बाल पत्रिकाएँ (सामान्य परिचय एवं विशेषताएँ) **(9 घंटे)**

- पराग
- साइकिल
- चंपक
- बालभारती

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. देवसरे, हरिकृष्ण (संपादक), भारतीय बाल साहित्य, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
2. तिवारी, डॉ. सुरेंद्र नाथ; हिंदी बाल साहित्य : परंपरा, विकास एवं मूल्यांकन, कौशल प्रकाशन, दिल्ली।
3. सेवक, निरंकार देव; बालगीत साहित्य : इतिहास और समीक्षा, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
4. श्रीवास्तव, डॉ. रमाकांत (संपादक); भारतीय बाल साहित्य के विविध आयाम, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
5. पांडेय, अमिताभ; बाल काव्य के प्रमुख प्रणेता, शिल्पी प्रकाशन, लखनऊ।
6. भारती, जयप्रकाश; बाल पत्रकारिता : स्वर्णयुग की ओर, परमेश्वरी प्रकाशन, दिल्ली।
7. शुक्ल एवं राष्ट्रबंधु, डॉ. त्रिभुवन नाथ एवं डॉ.; भारतीय बाल साहित्य की भूमिका, अमन प्रकाशन, कानपुर।
8. श्रीप्रसाद, डॉ.; हिंदी बाल साहित्य की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. मूर्ति, सुधा; श्रेष्ठ बाल कहानियाँ, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
10. मनु, प्रकाश; हिंदी बाल साहित्य : नई चुनौतियां और संभावनाएँ, कृतिका बुक्स, नई दिल्ली।

GE (GENERAL ELECTIVES)

SEMESTER 6

हिंदी साहित्य और भारतीय मूल्य-बोध

BA (Prog.) Hindi
Semester VI : GE
हिंदी साहित्य और भारतीय मूल्य-बोध

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी साहित्य और भारतीय मूल्य-बोध	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भारतीय मूल्य-बोध की परंपरा से परिचित कराना।
- हिंदी साहित्य में निहित सामाजिक, सांस्कृतिक, पारिवारिक, धार्मिक भारतीय मूल्य संपदा से परिचित कराना।
- हिंदी साहित्य में अनुस्यूत भारतीय मूल्यों के महत्त्व को समझाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी प्राचीन भारतीय मूल्यों की जीवंत परंपरा से परिचित हो सकेंगे।
- हिंदी साहित्य में अनुस्यूत भारतीय मूल्य-बोध के स्वरूप की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- हिंदी साहित्य की विविध विधाओं में वर्णित भारतीय मूल्यों को आत्मसात कर सकेंगे।

इकाई 1 : भारतीय मूल्य-बोध का स्वरूप (9 घंटे)

- मूल्य-बोध की भारतीय अवधारणा
- सामाजिक मूल्य
- राष्ट्रीय-सांस्कृतिक मूल्य
- पारिवारिक मूल्य

इकाई 2 : हिंदी काव्य और भारतीय मूल्य-बोध (संक्षिप्त परिचय) (12 घंटे)

- 'रामचरित मानस' में उद्घाटित भारतीय सांस्कृतिक मूल्य
  (केवट प्रसंग, भरत मिलाप प्रसंग, राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद प्रसंगों के आधार पर)
- 'भारत भारती' और राष्ट्रीय सांस्कृतिक मूल्य
- 'रश्मिरथी' और भारतीय पारिवारिक और सामाजिक मूल्य

इकाई 3 : हिंदी की प्रमुख कहानियों में वर्णित भारतीय मूल्य (12 घंटे)

- आहुति – प्रेमचंद
- हार की जीत – सुदर्शन
- डिप्टी कलक्टरी – अमरकांत

इकाई 4 : हिंदी के प्रमुख निबंधों में वर्णित भारतीय मूल्य (12 घंटे)

- आचरण की सभ्यता – सरदार पूर्ण सिंह
- शिक्षा का उद्देश्य – डॉ. संपूर्णानंद
- रहिमन पानी राखिए – विद्यानिवास मिश्र

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. भारती, डॉ. धर्मवीर; मानव-मूल्य और साहित्य, भारतीय ज्ञानपीठ।
2. अग्रवाल, वासुदेव शरण; कला और संस्कृति, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज।
3. अग्रवाल, वासुदेव शरण; भारत की मौलिक एकता, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत।
4. वर्मा, सुरेंद्र; भारतीय जीवन मूल्य, पार्श्वनाथ विद्यापीठ ग्रंथमाला, वाराणसी।
5. गुप्ता, डॉ. बजरंग लाल; भारतीय सांस्कृतिक मूल्य, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
6. पांडेय, गोविंद चंद्र; मूल्य मीमांसा, राका प्रकाशन, प्रयागराज।
7. राय, गोपाल; हिंदी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

DSE (DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVES)

SEMESTER 5

विभाजन विभीषिका और हिंदी साहित्य

BA (Prog.) Hindi
Semester V : DSE
विभाजन-विभीषिका और हिंदी साहित्य

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE विभाजन-विभीषिका और हिंदी साहित्य	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- भारत के स्वाधीनता आंदोलन संबंधी इतिहास-बोध से परिचित कराना।
- भारत-विभाजन की त्रासदी के प्रति संवेदनशील बनाना।
- भारत-विभाजन संबंधी हिंदी साहित्य का परिचय देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में भारत के स्वाधीनता आंदोलन संबंधी इतिहास-बोध का विकास होगा।
- भारत-विभाजन की त्रासदी के प्रति संवेदनशील बनेंगे।
- भारत-विभाजन संबंधी हिंदी साहित्य को समझेंगे।

इकाई 1 : भारत-विभाजन और स्वाधीनता (12 घंटे)

- भारत-विभाजन की पृष्ठभूमि
- भारत-विभाजन के परिणाम
- स्वाधीनता आंदोलन : एक परिचय

इकाई 2 : भारत-विभाजन और हिंदी कविता (12 घंटे)

- शरणार्थी – अज्ञेय (11 कविताओं की शृंखला)
- देस-विभाजन (1-3) – हरिवंश राय 'बच्चन'

इकाई 3 : भारत-विभाजन और हिंदी कहानी (12 घंटे)

- सिक्का बदल गया – कृष्णा सोबती
- मलबे का मालिक – मोहन राकेश
- मैं जिंदा रहूँगा – विष्णु प्रभाकर

इकाई 4 : भारत-विभाजन और हिंदी उपन्यास (9 घंटे)

- जुलूस – फनीश्वरनाथ रेणु

सहायक ग्रंथों की सूची :

1. प्रसाद, डॉ. राजेंद्र; खंडित भारत, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
2. सरीला, नरेंद्र सिंह; विभाजन की असली कहानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. शेषाद्रि, हो. वे.; ...और देश बंट गया, सुरुचि प्रकाशन, दिल्ली।
4. लोहिया, राम मनोहर; भारत विभाजन के गुनहगार, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. राय, रामबहादुर; भारतीय संविधान : अनकही कहानी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. सिंह, अनिता इंदर; भारत का विभाजन, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत।
7. प्रियंवद; भारत विभाजन की अंतःकथा, पेंगुइन बुक्स इंडिया, नई दिल्ली।
8. दत्त, बलबीर; भारत विभाजन और पाकिस्तान के षड्यंत्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
9. यादव, सुभाष चंद्र; भारत विभाजन और हिंदी उपन्यास, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
10. मोहन, नरेंद्र; विभाजन की त्रासदी : भारतीय कथादृष्टि, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
11. राय, गोपाल; हिंदी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
12. राय, गोपाल; हिंदी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
13. मधुरेश; हिंदी कहानी का विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
14. मधुरेश; हिंदी उपन्यास का विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
15. Azad, Maulana Abul Kalam; India Wins Freedom, Orient Longman, Hyderabad, India.

DSE (DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVES) SEMESTER 5

व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा

BA (Prog.) Hindi
Semester V : DSE
व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा

Course Code & title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा के स्वरूप से परिचित कराना
- हिंदी भाषा के प्रभावी संप्रेषण की क्षमता विकसित करना
- हिंदी भाषा को व्यावहारिक रूप से व्यावसायिक जगत से जोड़ना
- छात्रों को हिंदी से जुड़े रोजगार क्षेत्रों के लिए तैयार करना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी व्यावसायिक संप्रेषण की प्रक्रिया से अवगत होंगे
- व्यावसायिक क्षेत्र में हिंदी के व्यावहारिक ज्ञान से परिचित होंगे
- हिंदी के वैश्विक और व्यावसायिक अंत:संबंधों को समझेंगे
- व्यावसायिक लेखन की प्रक्रिया से परिचित होंगे

इकाई 1: संप्रेषण का स्वरूप और महत्त्व **(12 घंटे)**

- संप्रेषण की परिभाषा एवं स्वरूप
- संप्रेषण का महत्त्व
- भूमंडलीकरण के युग में संप्रेषण की महत्ता
- संप्रेषण की बाधाएं

इकाई 2: व्यावसायिक संप्रेषण और हिंदी भाषा **(9 घंटे)**

- व्यावसायिक संप्रेषण का स्वरूप
- व्यावसायिक संप्रेषण के प्रकार
- तकनीकी व्यावसायिक संप्रेषण

इकाई 3: हिंदी जनसंचार और व्यावसायिक संप्रेषण **(12 घंटे)**

- संप्रेषण के विविध माध्यम – परंपरागत और आधुनिक
- प्रिंट मीडिया और व्यावसायिक संप्रेषण
- इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और व्यावसायिक संप्रेषण
- हिंदी भाषा, सोशल मीडिया और व्यावसायिक संप्रेषण

इकाई 4: हिंदी में व्यावसायिक लेखन **(12 घंटे)**

- हिंदी में व्यावसायिक लेखन का महत्त्व
- हिंदी में व्यावसायिक लेखन के प्रकार (प्रतिवेदन लेखन, कार्यसूची, कार्यवृत्त का रूप निर्माण)
- व्यावसायिक पत्र और ईमेल का प्रारूप निर्माण
- स्ववृत्त-निर्माण और उसके विविध स्वरूप

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. पाल एवं शर्मा, डॉ. हंसराज एवं डॉ. मंजुलता; व्यावसायिक संप्रेषण, हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
2. झालटे, डॉ. दंगल; प्रयोजनमूलक हिंदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. तिवारी, डॉ. भोलानाथ; हिंदी भाषा की वाक्य संरचना, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली।
4. पांडेय, कैलाशनाथ; प्रयोजनमूलक हिंदी की भूमिका, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. गोस्वामी, कृष्ण कुमार; प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी, कलिंगा प्रकाशन, दिल्ली।

DSE (DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVES) SEMESTER 5

हिंदी की प्रमुख संस्थाएँ एवं पत्र-पत्रिकाएँ

BA (Prog.) Hindi
Semester V : DSE
हिंदी की प्रमुख संस्थाएँ एवं पत्र-पत्रिकाएँ

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE हिंदी की प्रमुख संस्थाएँ एवं पत्र-पत्रिकाएँ	4	3	1	0	12th Pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हिंदी की प्रमुख संस्थाओं से परिचित कराना।
- हिंदी के विकास में पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका से अवगत कराना।
- संस्थाओं और पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से हिंदी के प्रति विद्यार्थियों में अभिरुचि का विकास करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी हिंदी के विकास में विभिन्न साहित्यिक संस्थाओं के योगदान को समझ सकेंगे।
- प्रारंभिक हिंदी पत्र-पत्रिकाओं के विविध रूपों से परिचित हो सकेंगे।
- हिंदी साहित्य के इतिहास में विभिन्न संथाओं और पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका को रेखांकित कर सकेंगे।

इकाई 1 : हिंदी की आरंभिक संस्थाएँ (12 घंटे)

- नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
- हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयागराज
- दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास
- राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा

इकाई 2 : स्वातंत्र्योत्तर हिंदी संस्थाएँ (12 घंटे)

- केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली
- केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
- बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज

इकाई 3 : हिंदी के विकास में पत्र-पत्रिकाओं का योगदान (12 घंटे)

- आरंभिक पत्र – उदन्त मार्तण्ड, बंगदूत, समाचार सुधा वर्षण
- साहित्यिक पत्रिकाएं – कविवचन सुधा, हिंदी प्रदीप, ब्राह्मण, सरस्वती
- हिंदी के विकास में प्रमुख पत्रकारों का योगदान – भारतेंदु हरिश्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, बाबू बालमुकुंद गुप्त।

इकाई 4 : स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्र-पत्रिकाएं (9 घंटे)

- प्रमुख स्वातंत्र्योत्तर पत्र-पत्रिकाएं – धर्मयुग, दिनमान, साप्ताहिक हिंदुस्तान
- आपातकाल के दौर की पत्रकारिता और चुनौतियां
- समकालीन पत्र-पत्रिकाएं

सहायक ग्रंथों की सूची :

1. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. गुप्त, गणपतिचंद्र; हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
3. वैदिक, वेदप्रताप; हिंदी पत्रकारिता के विविध आयाम, हिंदी बुक सेंटर, दिल्ली।
4. पांडेय, डॉ. पृथ्वीनाथ, पत्रकारिता : परिवेश एवं प्रवृत्तियाँ, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. शर्मा, रामविलास; महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. शर्मा, कुमुद; भूमंडलीकरण और मीडिया, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
7. मिश्र, कृष्ण बिहारी; हिंदी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
8. चतुर्वेदी, जगदीश प्रसाद; हिंदी पत्रकारिता का इतिहास, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
9. श्रीधर, विजयदत्त; भारतीय पत्रकारिता कोश, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

Back Home

DSE (DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVES)

SEMESTER 6

हिंदी नवजागरण

BA (Prog.) Hindi
Semester VI : DSE
हिंदी नवजागरण

Course Code & Tittle	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE हिंदी नवजागरण	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को नवजागरण संबंधी विभिन्न मान्यताओं से परिचित कराना।
- नवजागरणकालीन साहित्य का जानकारी देना।
- नवजागरण संबंधी चिंतन परंपरा से जुड़े पक्षों का बोध कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी नवजागरण संबंधी धारणाओं से परिचित होंगे।
- नवजागरणकालीन साहित्यिक गतिविधियों को जानेंगे।
- नवजागरणकालीन चिंतकों के सरोकारों और गतिविधियों से परिचित होंगे।

इकाई 1 : पुनर्जागरण : अवधारणा एवं महत्त्व (12 घंटे)

- पुनरुत्थान एवं पुनर्जागरण की अवधारणा
- पुनर्जागरण व समाज सुधार
- पुनर्जागरण व राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन
- हिंदी पुनर्जागरण की पृष्ठभूमि

इकाई 2 : नवजागरणकालीन प्रमुख संस्थाएं (12 घंटे)

- ब्रह्म समाज
- प्रार्थना समाज
- आर्य समाज
- रामकृष्ण मिशन

इकाई 3 : नवजागरण और हिंदी पत्रकारिता (12 घंटे)

- कविवचन सुधा – भारतेंदु हरिश्चंद्र
- आनंद कादंबिनी – बदरी नारायण चौधरी 'प्रेमघन'
- हिंदी प्रदीप – बालकृष्ण भट्ट
- सरस्वती – महावीर प्रसाद द्विवेदी

इकाई 4 : हिंदी नवजागरण से संबंधित चयनित पाठ (9 घंटे)

- भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है – भारतेंदु हरिश्चंद्र
- जातीयता के गुण – बालकृष्ण भट्ट
- भारत दुर्दशा – प्रताप नारायण मिश्र
- शिवशंभु के चिट्ठे – बालमुकुंद गुप्त

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. द्विवेदी, हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. भट्ट, बालकृष्ण; निबंध संग्रह, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
3. शर्मा, रामविलास; भारतेंदु और हिंदी नवजागरण की समस्याएं, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. शर्मा, रामविलास; महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. शर्मा, रामविलास शर्मा; परंपरा का मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. चौहान, शिवदान सिंह; हिंदी साहित्य का अस्सी बरस, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
7. मिश्र, कृष्ण बिहारी; हिंदी पत्रकारिता, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
8. दयानंद, स्वामी; सत्यार्थ प्रकाश, किरण प्रकाशन, दिल्ली।
9. शुक्ल, रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. शर्मा, रामविलास; भाषा, साहित्य और संस्कृति, ओरियंट ब्लैक स्वान, दिल्ली।

DSE (DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVES)

SEMESTER 6

हिंदी स्त्री-लेखन

BA (Prog.) Hindi
Semester VI : DSE
हिंदी स्त्री-लेखन

Course Code & Tittle	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/Practice		
DSE हिंदी स्त्री-लेखन	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हिंदी स्त्री-लेखन की समृद्ध परंपरा से परिचित कराना।
- हिंदी स्त्री-लेखन विभिन्न पाठों एवं रचनाकारों से परिचित कराना।
- स्त्री संदर्भित सवालों के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी स्त्री-लेखन की गंभीरता को समझेंगें।
- समाज में व्याप्त लैंगिक भेदभाव के प्रति जागरूक बनेगें।
- स्त्री-लेखन से संदर्भित प्रश्नों के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित होगी।

इकाई 1 : हिंदी स्त्री-लेखन : सामान्य परिचय **(12 घंटे)**

- स्त्री-लेखन : अवधारणा और स्वरूप
- हिंदी स्त्री-लेखन का प्रारंभ और विकास

इकाई 2 : आधुनिक हिंदी स्त्री-लेखन : कविता **(9 घंटे)**

- झांसी की रानी – सुभद्रा कुमारी चौहान
- नाम और पता – स्नेहमयी चौधरी
- उतनी दूर मत ब्याहना बाबा! – निर्मला पुतुल

इकाई 3 : आधुनिक हिंदी स्त्री-लेखन : कथा साहित्य **(12 घंटे)**

- दुलाई वाली – राजेंद्र बाला घोष
- स्त्री सुबोधीनी – मन्नू भंडारी
- वापसी – उषा प्रियंवदा
- ना ज़मी अपनी ना फलक अपना – मालती जोशी

इकाई 4 : हिंदी स्त्री-लेखन : अन्य गद्य विधाएं **(12 घंटे)**

- महादेवी वर्मा : जीने की कला
- शिवरानी देवी : प्रेमचंद घर में (अंश – बेटी की शादी)
- कृष्णा सोबती : बुद्ध का कमंडल 'लद्दाख' (पृष्ठ संख्या 05 से 26 तक)
- जूते चिढ़ गए हैं : सूर्यबाला

सहायक ग्रंथों की सूची :

1. सदायत, चंदा (संपादक); सुभद्रा कुमारी चौहान की श्रेष्ठ कविताएँ, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत।
2. भंडारी, मन्नू; त्रिशंकु (कहानी संग्रह), राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. देवी, शिवरानी; प्रेमचंद घर में, रोशनाई प्रकाशन।
4. वर्मा, महादेवी; श्रृंखला की कड़ियाँ, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. जोशी, मालती; ना ज़मी अपनी ना फलक अपना (कहानी संग्रह), साक्षी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. राजे, सुमन; हिंदी साहित्य का आधा इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
7. माधव, नीरजा, हिंदी साहित्य का ओझल नारी इतिहास, सामायिक बुक्स, दिल्ली।
8. मालती, के. एम.; स्त्री विमर्श : भारतीय परिप्रेक्ष्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. कुमार, राधा; स्त्री संघर्ष का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. पांडेय, भवदेव; बंग महिला : नारी मुक्ति का संघर्ष, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

DSE (DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVES)

SEMESTER 6

भक्ति आंदोलन और हिंदी साहित्य

BA (Prog.) Hindi
Semester VI : DSE
भक्ति-आंदोलन और हिंदी साहित्य

Course Code & Tittle	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (if any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE भक्ति-आंदोलन और हिंदी साहित्य	4	3	1	0	12th pass	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भक्ति एवं भक्ति आंदोलन के स्वरूप से परिचित कराना।
- भक्ति आंदोलन के उद्भव और विकास संबंधी अवधारणाओं की जानकारी देना।
- भक्ति-आंदोलन संबंधी हिंदी साहित्य की विभिन्न काव्याधाराओं का बोध कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी भारतीय भक्ति परंपरा और भक्ति-आंदोलन से परिचित होंगे।
- भक्ति-आंदोलन के उद्भव और विकास संबंधी कारण और प्रभावों का सम्यक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
- भक्ति-आंदोलन संबंधी हिंदी साहित्य की विविध काव्यधाराओं की समझ विकसित होगी।

इकाई 1 : भक्ति-आंदोलन : उद्भव और विकास **(9 घंटे)**

- भक्ति का स्वरूप
- भक्ति-आंदोलन की पृष्ठभूमि
- भक्ति-आंदोलन उद्भव संबंधी अवधारणाएँ
- भक्ति-आंदोलन की विकास-यात्रा

इकाई 2 : भक्ति-आंदोलन का दार्शनिक पक्ष **(12 घंटे)**

- उपनिषद्
- श्रीमद्भागवत पुराण और भगवद्गीता
- वेदांत दर्शन
- प्रमुख दार्शनिकों का संक्षिप्त परिचय – शंकराचार्य, मध्वाचार्य, रामानुजाचार्य, निम्बार्काचार्य, विष्णु स्वामी, वल्लभाचार्य, रामानंद।

इकाई 3 : भक्ति-आंदोलन और निर्गुण काव्यधारा **(12 घंटे)**

- निर्गुण भक्ति का स्वरूप
- संत काव्य और कबीर (सामाजिक चेतना)
- सूफ़ी काव्य और मलिक मुहम्मद जायसी (प्रेम एवं लोक जीवन)

इकाई 4 : भक्ति-आंदोलन और सगुण काव्यधारा **(12 घंटे)**

- सगुण भक्ति का स्वरूप
- राम भक्तिकाव्य और तुलसीदास (लोकमंगल एवं समन्वय)
- कृष्ण भक्तिकाव्य और सूरदास (वात्सल्य एवं प्रेम)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. द्विवेदी, आचार्य हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. द्विवेदी, आचार्य हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. चतुर्वेदी, डॉ. रामस्वरूप; हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
5. नगेंद्र, डॉ. (संपादक); हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपरबैक्स, दिल्ली।
6. सिंह, डॉ. बच्चन; हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. वर्मा, डॉ. धीरेंद्र (संपादक); हिंदी साहित्य कोश (भाग1 और 2), ज्ञानमंडल, वाराणसी।
8. शर्मा, रामकिशोर (संपादक); कबीर ग्रंथावली, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
9. तुलसीदास, गोस्वामी; दोहावली, गीता प्रेस, गोरखपुर।

GE (GENERAL ELECTIVES) LANGUAGE

SEMESTER 1 OR 2

B.COM. Prog

हिंदी 'क'

हिंदी भाषा
और
साहित्य का उद्भव
और
विकास

(12वीं तक हिंदी पास के लिये)

बी.कॉम. (प्रोग्राम) पाठ्यक्रम

CATEGORY-IV

'हिंदी–क' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 12वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास

Course Objective (2-3)

हिंदी में रुचि विकसित करना

हिंदी साहित्य एवं प्रमुख साहित्यकारों का परिचय

हिंदी भाषा को समझना और उसके आधुनिक प्रयोग को जानना

Course Learning Outcomes

हिंदी भाषा और साहित्य का परिचय

प्रमुख साहित्यकारों का अध्ययन

इकाई–1

हिंदी भाषा
(क) हिंदी भाषा का उद्भव एवं विकास
(ख) हिंदी की उपभाषाएँ

इकाई–2

हिंदी साहित्य का इतिहास
(क) हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, मध्यकाल) सामान्य परिचय
(ख) हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) सामान्य परिचय

इकाई–3

(क) कबीर : कबीर ग्रंथावली, संपा. श्यामसुंदरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, 17वाँ संस्करण, सं. 2049 वि.
साखी : गुरुदेव कौ अंग – 11, 12, 13, 14, 15, 16, 17

(ख) मीराबाई की पदावली, संपा. आ. परषुराम चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग; 14वां संस्करण, 1892. सन् 1970 ई.; पद 1, 4, 5, 6

(ग) बिहारी : बिहारी रत्नाकर; संपा. जगन्नाथ दास रत्नाकर बी.ए., प्रकाषन संस्थान, नई दिल्ली; सं. 2006; दोहा 381, 435, 438, 439, 491

इकाई–4

आधुनिक हिंदी कविता
– मैथिलीषरण गुप्त : भारत भारती (हमारे पूर्वज अंष)
– जयषंकर प्रसाद : हिमाद्रि तुंग श्रृंग से
– नागार्जुन : अकाल और उसके बाद

References

1. हिंदी भाषा : धीरेंद्र वर्मा
2. हिंदी भाषा की संरचना : भोलानाथ तिवारी
3. हिंदी साहित्य का इतिहास : आ. रामचंद्र शुक्ल
4. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. डॉ. नगेंद्र
5. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : डॉ. रसाल सिंह
6. हिंदी साहित्य का अतीत : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास : हजारीप्रसाद द्विवेदी
8. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
9. मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी
10. प्रसाद का काव्य : प्रेमषंकर

Teaching Learning Process

कक्षा व्याख्यान, सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1
4 से 6 सप्ताह : इकाई–2
7 से 9 सप्ताह : इकाई–3
10 से 12 सप्ताह : इकाई–4
13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन सं

GE (GENERAL ELECTIVES) LANGUAGE

SEMESTER 1 OR 2

B.COM. Prog

हिंदी 'ख'

हिंदी भाषा
और
साहित्य का उद्भव
और
विकास

(10वीं तक हिंदी पास के लिये)

'हिंदी–ख' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 10वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य के इतिहास की समझ विकसित होगी।

प्रमुख कविताओं की आलोचनात्मक समझ विकसित होगी।

372 |

Course Learning Outcomes

हिंदी भाषा के विकास और साहित्य के इतिहास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी का उद्भव और विकास

हिंदी की प्रमुख बोलियों का परिचय

हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आदिकाल, मध्यकाल)

हिंदी साहित्य का इतिहास : संक्षिप्त परिचय (आधुनिक काल)

इकाई–2

(क) कबीर : कबीर ग्रंथावली, संपा. श्यामसुंदरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, 17वां संस्करण; सं. 2049 वि.

– पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ.....

– कस्तूरी कुंडलि बसै .....

– यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान .....

– सात समुन्दर की मसि करूँ .....

– साधू ऐसा चाहिए .....

– सतगुरु हमसुँ रीझकर .....

(ख) तुलसी : रामचरितमानस – केवट प्रसंग

इकाई–3

(क) बिहारी

– बतरस लालच लाल की .....

– या अनुरागी चित्त की .....

373 | Page

(ख) भूषण

– इंद्र जिमि जंभ पर .....

– साजि चतरंग सैन .....

इकाई–4

आधुनिक कविता

– जयषंकर प्रसाद : अरुण यह मधुमय देष हमारा

– हरिवंष राय 'बच्चन' : अग्निपथ

References

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. तुलसी काव्य–मीमांसा : उदयभानु सिंह
4. बिहारी की वाग्विभूति : विष्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी
5. निराला की साहित्य साधना : रामविलास शर्मा
6. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास : विष्वनाथ त्रिपाठी

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1

4 से 6 सप्ताह : इकाई–2

7 से 9 सप्ताह : इकाई–3

10 से 12 सप्ताह : इकाई–4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

GE (GENERAL ELECTIVES) LANGUAGE

SEMESTER 1 OR 2

B.COM. Prog

हिंदी 'ग'

हिंदी भाषा
और
साहित्य का उद्भव
और
विकास

(8वीं तक हिंदी पास के लिये)

'हिंदी–ग' (उन विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने 8वीं कक्षा तक हिंदी पढ़ी है।)

हिंदी भाषा और साहित्य का उद्भव और विकास

Course Objective (2-3)

हिंदी भाषा और साहित्य की सामान्य जानकारी विकसित करना।

राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की स्थिति का परिचय देना।

विषिष्ट कविताओं के अध्ययन–विष्लेषण के माध्यम से कविता–संबंधी समझ विकसित करना।

Course Learning Outcomes

हिंदी साहित्य और भाषा के विकास की स्पष्ट समझ विकसित होगी।

विषिष्ट कविताओं के अध्ययन से साहित्य की समझ विकसित होगी।

इकाई–1

हिंदी भाषा और साहित्य

हिंदी भाषा का सामान्य परिचय

हिंदी कीप्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय

हिंदी साहित्य का इतिहास : आदिकाल और मध्यकाल की सामान्य विषेषताएँ

हिंदी साहित्य का इतिहास : आधुनिककाल की सामान्य विषेषताएँ

इकाई–2

भक्तिकालीन कविता

कबीर

– गुरु गोविन्द दोउ खड़े .....
– निन्दक नियरे राखिए .....
– कबीर संगति साधु की .....
– माला फेरत जुग भया .....
– पाहन पूजे हरि मिले .....
– वृच्छ कबहूँ न फल भखें .....

सूरदास

– मैया मैं नहिं माखन खायो .....
– उधो मन न भए दस–बीस .....

इकाई–3

बिहारी

– मेरी भव बाधा हरौ .....
– कनक कनक ते सौं गुनी .....
– थोड़े ही गुन रीझते .....
– कहत नटत रीझत खिझत .....

घनानंद

– अति सूधो सनेह को मारग .....
– रावरे रूप की रीति अनूप .....

इकाई–4

– माखनलाल चतुर्वेदी : पुष्प की अभिलाषा
– धूमिल : रोटी और संसद

References

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल
2. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. बिहारी रत्नाकर : जगन्नाथदास रत्नाकर
4. हिंदी साहित्य के इतिहास पर कुछ नोट्स : डॉ. रसाल सिंह
5. त्रिवेणी : रामचंद्र शुक्ल
6. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय
7. समकालीन बोध और धूमिल का काव्य : डॉ. हुकुमचंद राजपाल
8. समकालीन साहित्य : एक दृष्टि : इन्द्रनाथ मदान

Teaching Learning Process

व्याख्यान और सामूहिक चर्चा

1 से 3 सप्ताह : इकाई–1

4 से 6 सप्ताह : इकाई–2

7 से 9 सप्ताह : इकाई–3

10 से 12 सप्ताह : इकाई–4

13 से 14 सप्ताह : सामूहिक चर्चा, विषेष व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन संबंधी गतिविधियाँ

Assessment Methods

टेस्ट और असाइनमेंट

GE (GENERAL ELECTIVES) LANGUAGE

SEMESTER 3 OR 4

B.COM. Prog

हिंदी 'क'

हिंदी गद्य विकास के विविध चरण

(12वीं तक हिंदी पास के लिये)

BCom (Prog) **सेमेस्टर III/IV – GE/Language – क्रेडिट 4**
हिन्दी गद्य विकास के विविध चरण 'क'

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Eligibility Criteria
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-Language **हिन्दी गद्य विकास के विविध चरण 'क'**	4	3	1	0	द्वितीय सिमेस्टर उत्तीर्ण	12th Pass

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- हिन्दी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- हिन्दी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई 1 हिन्दी गद्य रूपों का सामान्य परिचय – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई 2 कहानी

अनमोल रतन - प्रेमचंद
मलबे का मालिक - मोहन राकेश

इकाई 3 निबंध

उत्साह - रामचन्द्र शुक्ल
आचरण की सभ्यता - अध्यापक पूर्ण सिंह

इकाई 4 अन्य गद्य विधाएँ

दीपदान - रामकुमार वर्मा
भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई

सहायक ग्रंथ

- हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार, हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार, विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान, रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ, सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

GE (GENERAL ELECTIVES) LANGUAGE

SEMESTER 3 OR 4

B.COM. Prog

हिंदी 'ख'

हिंदी गद्य विकास के विविध चरण

(10वीं तक हिंदी पास के लिये)

BCom (Prog) **सेमेस्टर Sem III/IV – GE/Language – क्रेडिट 4**

हिन्दी गद्य विकास के विविध चरण 'ख'

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Eligibility Criteria
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-Language **हिन्दी गद्य विकास के विविध चरण 'ख'**	4	3	1	—	द्वितीय सिमेस्टर उत्तीर्ण	10th Pass

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- हिन्दी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- हिन्दी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई 1 हिन्दी गद्य रूपों का सामान्य परिचय – कहानी, संस्मरण, निबंध, एकांकी

इकाई 2 कहानी

उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी

चीफ की दावत - भीष्म साहनी

इकाई 3 निबंध

एक दुराशा - बालमुकुंद गुप्त

मजदूरी और प्रेम - सरदार पूर्ण सिंह

इकाई 4 अन्य गद्य विधाएँ

बिबिया - महादेवी वर्मा

सूखी डाली - उपेन्द्रनाथ अश्क

सहायक ग्रंथ

- हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार, हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार, विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान, रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ, सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण

GE (GENERAL ELECTIVES) LANGUAGE

SEMESTER 3 OR 4

B.COM. Prog

हिंदी 'ग'

हिंदी गद्य विकास के विविध चरण

(8वीं तक हिंदी पास के लिये)

BCom (Prog) सेमेस्टर Sem III/IV – GE/Language – क्रेडिट 4
हिन्दी गद्य विकास के विविध चरण 'ग'

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Eligibility Criteria
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE-Language **हिन्दी गद्य विकास के विविध चरण 'ग'**	4	3	1	0	द्वितीय सिमेस्टर उत्तीर्ण	8th Pass

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives)

- हिन्दी के विभिन्न गद्य रूपों से परिचित कराना
- विभिन्न गद्य रूपों के विश्लेषण की समझ विकसित कराना
- प्रमुख गद्य रचनाओं के अध्ययन द्वारा उनकी प्रासंगिकता से परिचित कराना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes)

- हिन्दी गद्य रूपों का परिचय प्राप्त होगा
- विविध गद्य रचनाओं का महत्व और प्रासंगिकता से परिचित हो सकेंगे
- प्रमुख रचनाओं के विश्लेषण की समझ विकसित होगी

इकाई 1 हिन्दी गद्य रूपों का सामान्य परिचय – कहानी, रेखाचित्र, संस्मरण, निबंध, एकाँकी, व्यंग्य

इकाई 2 कहानी
दो बैलों की कथा - प्रेमचंद
बहादुर - अमरकांत

इकाई 3 निबंध
सच्ची वीरता - सरदार पूर्ण सिंह
घर जोड़ने की माया - हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई 4 अन्य गद्य विधाएँ
रामा - महादेवी वर्मा
मंगर - रामवृक्ष बेनीपुरी

सहायक ग्रंथ

- हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, गोरखपुर
- हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार, हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रतिनिधि हिन्दी निबंधकार, विभुराम मिश्र, ज्योतिश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी : अन्तरंग पहचान, रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिन्दी कहानी : प्रक्रिया और पाठ, सुरेन्द्र चौधरी, राधाकृष्ण

ASSESSMENT METHOD

मूल्याँकन पद्धति

TABLE-1

Total Credits	L	T	P	End term Theory Exam marks	Internal Assessment (IA) marks	Total of theory exam and IA	Duration of theory exam	Tutorial	Practical marks				Grand Total marks
								CA	CA	End term practical/ written exam	Viva-voce	Total	
4	3	1	0	90	30	120	3 hours	40	0	0	0	0	160
4	3	0	1	90	30	120	3 hours	0	10	20	10	40	160
4	0	0	4	0	0	0	NA	0	40	80#	40	160	160
4	1	0	3	30	10	40	1 hour	0	30	60	30	120	160
4	2	0	2	60	20	80	2 hours	0	20	40	20	80	160
2	1	0	1	30	10	40	1 hour	0	10	20**	10	40	80
2	0	0	2	0	0	0	NA	0	20	40**	20	80	80
2	2	0	0	60	20	80	2 hours	0	0	0	0	0	80

#In case there is no end term Practical examination for any 4 credit course, which has only Practical component, this mark shall be added to Continuous Assessment of the Practical and the total of the CA for Practical shall be 120.

****In case of courses of two credits which have practical component, either there shall be end term Practical Examination or end term written examination.**

CA - Continuous Assessment
IA - Internal Assessment

UNIVERSITY OF DELHI

ACADEMIC COUNCIL
DATED : 30.11.2023
RESOLUTION NO. – 44

Resolution No. –44

44/- The Council resolved that the proposal for change of Assessment Pattern of practicals for all two credit courses (SEC/ AEC) to continuous assessment be accepted from the start of semester in January, 2024.

Note : The existing Assessment Pattern of practicals of two credit courses having LTP - 1 0 1 or 0 0 2 are as follows:

Existing Pattern

Total Credits	L	T	P	Practical marks			
				CA	End term practical/ written exam	Viva-voce	Total
2	1	0	1	20	10	10	40
2	0	0	2	40	20	20	80

Proposed pattern

Total Credits	L	T	P	Continuous Assessment	Total
2	1	0	1	40	40
2	0	0	2	80	80

However, the matter for implementation of continuous assessment in respect of VAC courses be considered by the committee of the following:-

(i) Director, South Delhi Campus
(ii) Dean, Academic
(iii) Chairman, VAC
(iv) OSD Examination

The Vice Chancellor is authorised to consider and accept the same and report to Academic Council at its next meeting.

TEACHER-STUDENT RATIO

आकर प्रकार

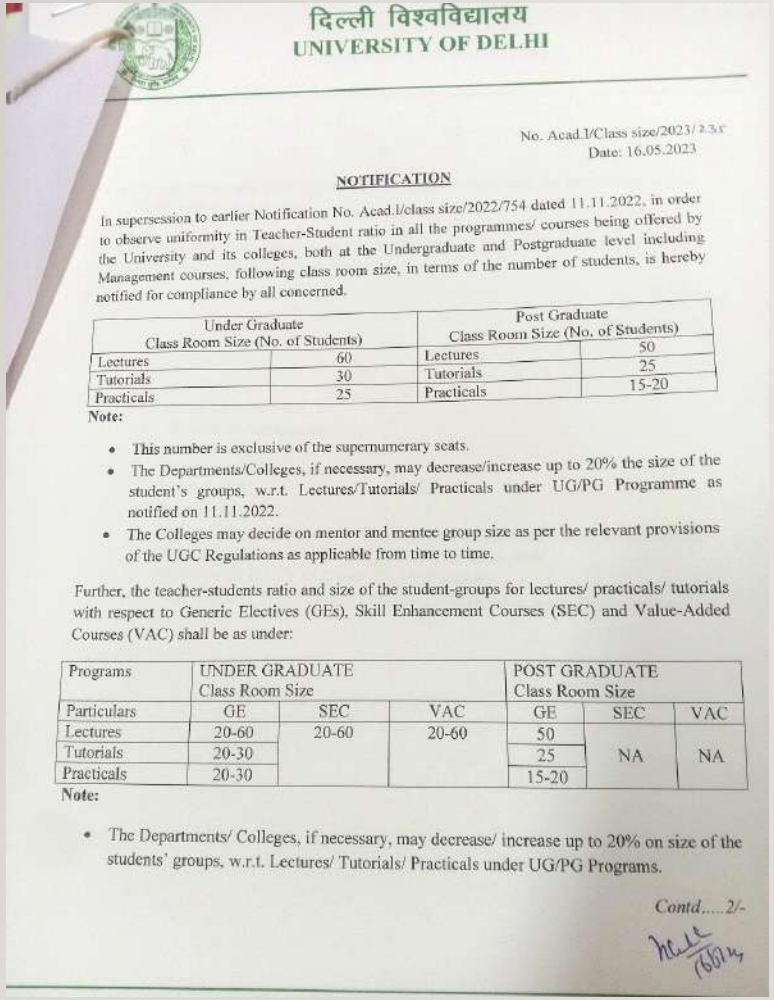

दिल्ली विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF DELHI

No. Acad.I/Class size/2023/ 2.3.5
Date: 16.05.2023

NOTIFICATION

In supersession to earlier Notification No. Acad.I/class size/2022/754 dated 11.11.2022, in order to observe uniformity in Teacher-Student ratio in all the programmes/ courses being offered by the University and its colleges, both at the Undergraduate and Postgraduate level including Management courses, following class room size, in terms of the number of students, is hereby notified for compliance by all concerned.

Under Graduate Class Room Size (No. of Students)		Post Graduate Class Room Size (No. of Students)	
Lectures	60	Lectures	50
Tutorials	30	Tutorials	25
Practicals	25	Practicals	15-20

Note:

- This number is exclusive of the supernumerary seats.
- The Departments/Colleges, if necessary, may decrease/increase up to 20% the size of the student's groups, w.r.t. Lectures/Tutorials/ Practicals under UG/PG Programme as notified on 11.11.2022.
- The Colleges may decide on mentor and mentee group size as per the relevant provisions of the UGC Regulations as applicable from time to time.

Further, the teacher-students ratio and size of the student-groups for lectures/ practicals/ tutorials with respect to Generic Electives (GEs), Skill Enhancement Courses (SEC) and Value-Added Courses (VAC) shall be as under:

Programs	UNDER GRADUATE Class Room Size			POST GRADUATE Class Room Size		
Particulars	GE	SEC	VAC	GE	SEC	VAC
Lectures	20-60	20-60	20-60	50	NA	NA
Tutorials	20-30			25		
Practicals	20-30			15-20		

Note:

- The Departments/ Colleges, if necessary, may decrease/ increase up to 20% on size of the students' groups, w.r.t. Lectures/ Tutorials/ Practicals under UG/PG Programs.

Contd..... 2/-

दिल्ली विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF DELHI

-2-

- In case of SEC and VAC papers not having lab-based Practicals, the practical size should be the same as the class size.
- Colleges may make arrangements for practical classes in such ways that the Laboratory facilities are put to optimum utilization.

REGISTRAR

Copy to:

1. Deans of the Faculties
2. Heads of the Departments
3. Directors of the Centres/ Institutions
4. Principals of the Colleges
5. Director, COL
6. Dean Students' Welfare
7. Dean, Academic Affairs/ Dean, Planning/ Dean, Admissions/ Dean, Examinations
8. Director, NCWEB/ Joint Director, DUCC/ Joint Dean, FSR
9. JR (VCO)/ JR (SDC)/ JR (Estab.-T)/ AR (Colleges)
10. PA to Registrar/ PA to Dean of Colleges/ PA to Director, South Delhi Campus

OTHER LINKS

कुछ अन्य लिंक

- दिल्ली विश्वविद्यालय साईट
- हिंदी विशेष (LOCF)
- बी. ए. प्रोग्राम (LOCF)
- शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात

DSC 19 हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएँ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSC
हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएं

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-19 हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाएं	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भारत के बहुभाषिक परिदृश्य के प्रति जागरूक करना।
- भारत में भारतीय भाषाओं के महत्व को रेखांकित करना।
- हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के अंतर्संबंध एवं सहअस्तित्व से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी भारत के बहुभाषिक परिदृश्य के प्रति सजग होंगे।
- भारत में भारतीय भाषाओं के महत्व को समझ सकेंगे।
- हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के अंतर्संबंध एवं सहअस्तित्व से परिचित होंगे।

इकाई – 1 : भारत का भाषिक परिदृश्य (12 घंटे)

- भारत की भाषिक विविधता
- भाषा परिवार एवं भारतीय भाषाएं
- भारत की शास्त्रीय भाषाएं
- आधुनिक भारतीय भाषाएं

इकाई – 2 : भारतीय भाषाओं का संवैधानिक परिप्रेक्ष्य (9 घंटे)

- संविधान सभा में भारतीय भाषाओं का प्रश्न
- आठवीं अनुसूची की संकल्पना
- राजभाषा हिंदी

इकाई – 3 : देवनागरी लिपि एवं भारतीय भाषाएं (12 घंटे)

- भाषा एवं लिपि का अंतर्संबंध
- प्रमुख भारतीय भाषाएं एवं उनकी लिपि
- देवनागरी लिपि एवं विभिन्न भारतीय भाषाएं
- लिपि रहित भारतीय भाषाओं का संदर्भ एवं लिपि निर्माण

इकाई – 4 : हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं का अंतर्संबंध (12 घंटे)

- वि-उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया एवं भारतीय भाषाएं
- 'स्व' की अवधारणा एवं 'स्वभाषा' का प्रश्न
- राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन एवं भारतीय भाषाएं
- भारत का वर्तमान बहुभाषिक परिप्रेक्ष्य एवं संपर्क भाषा

सहायक ग्रंथ :

1. बोरा, डॉ. राजमल; भारत की भाषाएं, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. चाटुर्ज्या, सुनीति कुमार; भारतीय आर्यभाषा और हिंदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. शर्मा, रामविलास; भारत की भाषा समस्या, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. चट्टोपाध्याय, सुनीति कुमार; भारत की भाषाएं और भाषा संबंधी समस्याएं, महादेव साहा (अनुवाद), हिंदी भवन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
6. शास्त्री, कलानाथ; मानक हिंदी का स्वरूप, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. शर्मा, रामविलास; भारत की प्राचीन भाषा परिवार और हिंदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. शर्मा, रामविलास; भाषा और समाज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. गिरि, राजीव रंजन; परस्पर : भाषा-साहित्य-आंदोलन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
10. देवी, गणेश (मुख्य संपादक); भारतीय भाषा लोक सर्वेक्षण, ओरिएंट ब्लैकस्वान, नोएडा, उत्तर प्रदेश।
11. नंदकुमार, जे.; राष्ट्रीय स्वत्व के लिए संघर्ष : अतीत, वर्तमान और भविष्य, इंडस स्क्रॉल प्रेस, नयी दिल्ली।

DSC 20 हिंदी साहित्य में भारतबोध

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSC
हिंदी साहित्य में भारतबोध

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-20 हिंदी साहित्य में भारतबोध	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भारत को समझने के लिए भारतीय दृष्टि से परिचित करवाना।
- भारतीय साहित्य में भारतीयता की सतत परंपरा को चिन्हित करना।
- हिंदी साहित्य में भारतबोध की उपस्थिति को रेखांकित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी भारत को समझने के लिए भारतीय दृष्टि से परिचित हो सकेंगे।
- भारतीय साहित्य में भारतीयता की सतत परंपरा को चिन्हित कर सकेंगे।
- हिंदी साहित्य में भारतबोध की उपस्थिति को रेखांकित कर सकेंगे।

इकाई – 1 : भारतबोध की संकल्पना (12 घंटे)

- भारतीय दृष्टि से भारत का अनुशीलन : प्राच्यवाद, भारतविद्या, भारतबोध
- भारतीय समाज एवं संस्कृति
- भारतीय जीवन-दृष्टि, भारत का लोक और लोकप्रज्ञा
- वि-उपनिवेशीकृत भारतीय चित्त / मानस

इकाई – 2 : भारतीय साहित्य और भारतबोध (12 घंटे)

- वैदिक वांग्मय, पुराण एवं उपनिषद्, संगम साहित्य, बौद्ध एवं जैन साहित्य – संक्षिप्त परिचय
- भारतीय भक्ति काव्य – सामान्य परिचय
- भारतीय पुनर्जागरण / नवजागरण एवं भारतीय साहित्य
- राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन एवं भारतीय साहित्य

इकाई – 3 : हिंदी साहित्य और भारतबोध – 1 (पाठ आधारित) (9 घंटे)

- राम-भरत संवाद – अयोध्या कांड (रामचरितमानस)
- भारतीय सामाजिक संरचना से संबंधित कविता – सखी वह मुझसे कहकर जाते (यशोधरा)
- भारतीय संस्कृति से संबंधित कविता – कालीदास सच सच बतलाना, बादल को घिरते देखा है (नागार्जुन)
- भारतीय जीवन-दृष्टि / दर्शन से संबंधित कविता – लहर (कविता), अरुण यह मधुमय देश हमारा (चंद्रगुप्त), तुमुल कोलाहल कलह में, मैं हृदय की बात रे मन (कामायनी)

इकाई – 4 : हिंदी साहित्य और भारत-बोध – 2 (पाठ आधारित) (12 घंटे)

- हिंदी नवजागरण : भारत जननी (नाटक) – भारतेंदु हरिश्चंद्र
- राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन : यह मेरी मातृभूमि है (कहानी) – प्रेमचंद
- आधुनिक भारत का निर्माण : परती परिकथा (प्रारंभिक 50 पृष्ठ) – फणीश्वरनाथ रेणु
- वि-उपनिवेशिकरण की प्रक्रिया : तुलसी के हिय हेरि (निबंध) – विष्णुकांत शास्त्री

सहायक ग्रंथ:

1. दिनकर, रामधारी सिंह; संस्कृति के चार अध्याय, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
2. वर्मा, महादेवी; भारतीय संस्कृति के स्वर, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
3. अग्रवाल, वासुदेवशरण; भारत की मौलिक एकता, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली।
4. अग्रवाल, वासुदेवशरण; राष्ट्र, धर्म और संस्कृति, हनुमानप्रसाद शुक्ल (संपादक), प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. उपाध्याय, भगवतशरण; भारत की संस्कृति की कहानी, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
6. द्विवेदी, आचार्य हजारी प्रसाद; मध्यकालीन धर्म साधना, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
7. धर्मपाल; भारतीय चित्त मानस एवं काल, पुनरुत्थान ट्रस्ट, अहमदाबाद, गुजरात।
8. वर्मा, निर्मल; भारत और यूरोप: प्रतिश्रुति के क्षेत्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
9. टंडन, डॉ. हरिहरनाथ; वार्ता साहित्य, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश।
10. शर्मा, डॉ. मालती; वैदिक संहिताओं मे नारी, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
11. दीपक, जे. साई; इंडिया अर्थात भारत : उपनिवेशिकता, सभ्यता, संविधान, ब्लूमसबरी इंडिया।
12. निगम, आदित्य; आसमां और भी हैं: वैचारिक स्वराज के तक़ाज़े, सेतु प्रकाशन, नयी दिल्ली।
13. कुमार, चंदन; संत-भक्त परंपरा का भारतबोध, विश्वभारती पत्रिका, जुलाई-सितंबर 2024 अंक, पृष्ठ 9-17
14. थरूर, शशि; अंधकार काल, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
15. शुक्ल, रजनीश कुमार; भारतबोध : सनातन और सामयिक, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली।
16. Coomaraswamy, Ananda K; Introduction to Indian Art, Munshiram Manohar Lal Publishers.
17. Elliot & Dowson, Sir H M & Prof. John; The History of India, As Told by its Own Historian, Sushil Gupta (India) Ltd, Calcutta.

1.

कबीरदास

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSE
कबीरदास

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE कबीरदास	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- भक्ति आंदोलन में कबीरदास के महत्व को रेखांकित करना।
- कबीरदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।
- कबीरदास के रचनात्मक योगदान को रेखांकित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी भक्ति आंदोलन में कबीरदास के महत्व को समझ सकेंगे।
- कबीरदास के बहुआयामी व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित हो सकेंगे।
- कबीरदास के रचनात्मक योगदान को जान सकेंगे।

इकाई – 1 : कबीर का जीवन वृत्त एवं रचनाएं (9 घंटे)

- कबीर का जीवन परिचय
- भक्ति आंदोलन और कबीर
- कबीर की रचनाएं (साखी, सबद, रमैनी)
- कबीर की भाषा

इकाई – 2 : कबीर का समय (12 घंटे)

- सामाजिक परिस्थितियां
- राजनीतिक परिस्थितियां
- धार्मिक परिस्थितियां
- सांस्कृतिक परिस्थितियां

इकाई – 3 : कबीर का व्यक्तित्व (12 घंटे)

- कबीर का समाज सुधार
- कबीर का चिंतन (दर्शन एवं धर्म)
- कबीर की भक्ति
- कबीर की लोकप्रियता एवं कबीर पंथ

इकाई – 4 : पाठ आधारित व्याख्या (साखी एवं पदावली से चुने हुए अंश) (12 घंटे)

- नैनां अंतरि आव तूं ..... हम जाणौं अरु दुख ॥ (निहकर्मी पतिव्रता कौ अंग, दोहा संख्या 2 से 6)
- लोग बिचारा नींदई ..... मुकति न कबहूँ न होइ ॥ (निंद्या कौ अंग, दोहा संख्या 1 से 5)
- करम कोटि कौ ग्रेह रच्यौ रे, ... उदित भया तम षीनां ॥ (पद संख्या 5 से 16)
- गुण मैं निर्गुण निर्गुण मैं गुण है, ... जानि ढारें पासा ॥ (पद संख्या 180 एवं 235)

(कबीर ग्रंथावली, डॉ. श्यामसुंदर दास (संपादक), इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयागराज)

सहायक ग्रंथ :

1. कबीर साखी : कबीर पारख संस्थान, प्रीतम नगर, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।
2. बीजक : लक्ष्मी प्रकाशन, बल्लीमरान, दिल्ली।
3. दास, डॉ. श्यामसुंदर; कबीर ग्रंथावली, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. अग्रवाल, पुरुषोत्तम; कबीर (साखी और सबद), नेशनल बुक ट्रस्ट, नयी दिल्ली।
5. द्विवेदी, डॉ. हजारी प्रसाद; कबीर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. नीलोत्पल (संपादक); कबीर दोहावली, प्रभात पेपर बैक्स, नयी दिल्ली।
7. द्विवेदी, केदारनाथ; कबीर और कबीर पंथ, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
8. चतुर्वेदी, परशुराम; उत्तरी भारत की संत परंपरा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
9. बड़थ्वाल, पीतांबर दत्त; कबीर काव्य की निर्गुण धारा, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली।
10. तिवारी, रामचंद्र; कबीर मीमांसा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।

2.

तुलसीदास

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSE
तुलसीदास

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE तुलसीदास	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- तुलसीदास के साहित्यिक योगदान से परिचय करवाना।
- भक्ति आंदोलन के संदर्भ में तुलसीदास का आलोचनात्मक अध्ययन।
- तुलसी-साहित्य (बालकांड, सुंदरकांड एवं विनय पत्रिका) का अध्ययन-विश्लेषण।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी तुलसीदास के जीवन के विविध पहलुओं से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी भक्ति आंदोलन के संदर्भ में तुलसीदास के साहित्य को जान पाएंगे।
- विद्यार्थी बालकांड, सुंदरकांड एवं विनय पत्रिका के महत्व को समझने में समर्थ होंगे।

इकाई – 1 : तुलसीदास : युग एवं साहित्य **(12 घंटे)**

- तुलसीदास का साहित्यिक योगदान
- भक्ति आंदोलन का स्वरूप और तुलसीदास
- रामभक्ति शाखा की विशेषताएं
- रामकाव्य परंपरा में तुलसीदास
- भारतीय सौंदर्य-बोध और तुलसीदास

इकाई – 2 : श्री रामचरितमानस (गीत प्रेस, गोरखपुर द्वारा प्रकाशित) **(12 घंटे)**

- बालकांड : दोहा 201 से 205 तक (चौपाई सहित)
- सुंदरकांड : दोहा 3 से 10 तक (चौपाई सहित)

इकाई – 3 : विनयपत्रिका (गीता प्रेस, गोरखपुर द्वारा प्रकाशित) **(9 घंटे)**

- पद संख्या – 100 से 110 तक

इकाई – 4 : तुलसी-साहित्य की प्रवृत्तियां **(12 घंटे)**

- तुलसीदास की भक्ति-भावना
- तुलसीदास की समन्वय-चेतना
- तुलसीदास की सामाजिक-चेतना
- 'रामचरित मानस' में राम-सुग्रीव मैत्री-प्रसंग
- तुलसीदास का भाषा-शिल्प

सहायक ग्रंथ :

1. त्रिपाठी, विश्वनाथ; लोकवादी तुलसीदास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; गोस्वामी तुलसीदास, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली।
3. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; त्रिवेणी, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली।
4. गुप्त, माताप्रसाद; तुलसीदास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
5. सिंह, उदयभानु; तुलसी (संपादित), राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
6. सिंह, उदयभानु; तुलसी काव्य मीमांसा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. तिवारी, रामचंद्र; मध्ययुगीन काव्य-साधना, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
8. सिंह, गोपेश्वर; भक्ति आंदोलन के सामाजिक आधार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. राय, प्रो. अनिल; भक्ति संवेदना और मानव-मूल्य, नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली।
10. शर्मा, रामविलास; भारतीय सौंदर्य-बोध और तुलसीदास, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली।
11. हाड़ा, माधव; तुलसीदास (संपादित), राजपाल एंड संस प्रकाशन, दिल्ली।

3.

भारतेंदु हरिश्चंद

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSE
भारतेंदु हरिश्चंद्र

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE भारतेंदु हरिश्चंद्र	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- आधुनिक हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि को समझाना।
- हिंदी सहित्य में भारतेंदु के योगदान को रेखांकित करना।
- नवजागरण तथा आधुनिक भावबोध की अवधारणा से परिचित करवाना।
- प्रथम स्वाधीनता संग्राम के बाद की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक परिदृश्य से अवगत करवाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- नवजागरण एवं आधुनिक भावबोध की संकल्पना से परिचित हो सकेंगे।
- भारतेंदु की रचनाओं एवं रचना-दृष्टि से परिचित होंगे।
- भारतेंदुयुगीन परिस्थितियों एवं साहित्यिक प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।
- भारतेंदु की रचनाओं में व्याप्त राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक बोध से परिचित हो सकेंगे।

इकाई – 1 : आधुनिक हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि और भारतेंदु युग **(12 घंटे)**

- भारतेंदु हरिश्चंद्र का रचना संसार : सामान्य परिचय
- भारतेंदुयुगीन परिस्थितियां
- भारतेंदुयुगीन साहित्यिक प्रवृत्तियां
- भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण

इकाई – 2 : भारतेंदु हरिश्चंद्र : काव्य पक्ष एवं पत्रकारिता **(9 घंटे)**

- गंगा वर्णन
- दशरथ विलाप
- मातृभाषा प्रेम से संबंधित दोहे – निज भाषा उन्नति, भ्रातगन आय
- मुकरियां – धन लेकर कहु, नहीं सखि चुंगी, सुंदर बानी, नहीं विद्यासागर

- संपादक के रूप में भारतेंदु हरिश्चंद्र – बालाबोधिनी, हरीश्चंद्र मैग्जीन

इकाई – 3 : भारतेंदु हरिश्चंद्र : नाट्यपक्ष **(12 घंटे)**

- अंधेर नगरी
- सत्य हरिश्चंद्र

इकाई – 4 : निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं **(12 घंटे)**

- भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है? (निबंध)
- दिल्ली दरबार दर्पण (निबंध)
- नाटक (निबंध)
- सरयूपार की यात्रा (यात्रा-संस्मरण)
- स्वर्ग में विचार सभा का अधिवेशन (हास्य व्यंग्य)

सहायक ग्रंथ :

1. शर्मा, रामविलास; भारतेंदु युग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. ब्रजरत्नदास; भारतेंदु हरिश्चंद्र, हिंदुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।
3. शंभुनाथ; हिंदी नवजागरण (भारतेंदु और उनके बाद), वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. तनेजा, सत्येंद्र; नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. अमरनाथ, डॉ.; हिंदी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. श्रीवास्तव, परमानंद (संपादक); अंधेर नगरी – भारतेंदु हरिश्चंद्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. ब्रजरत्नदास (संकलनकर्ता), भारतेंदु ग्रंथावली, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
8. शर्मा, रामविलास; भारतीय नवजागरण और यूरोप, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

4.

जयशंकर प्रसाद

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B. A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSE
जयशंकर प्रसाद

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE जयशंकर प्रसाद	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- छायावाद के संदर्भ में जयशंकर प्रसाद की भूमिका और महत्व से परिचित करवाना।
- जयशंकर प्रसाद के कवि, नाटककार, निबंधकार एवं कथाकार रूप को समझाना।
- जयशंकर प्रसाद के साहित्य के आधार पर हिंदी साहित्य की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना को समझाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में जयशंकर प्रसाद के साहित्यिक व्यक्तित्व की गहरी समझ विकसित होगी।
- छायावाद और भारतीय राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन के अंतर्संबंधों से परिचित हो सकेंगे।
- जयशंकर प्रसाद के साहित्य के आधार पर यथार्थवादी-आदर्शवादी विचारधारा से परिचित हो सकेंगे।

इकाई – 1 : जयशंकर प्रसाद का जीवनवृत्त **(9 घंटे)**

- जीवन परिचय
- छायावाद और जयशंकर प्रसाद
- जयशंकर प्रसाद की राष्ट्रीय-सांस्कृतिक चेतना

इकाई – 2 : काव्य **(12 घंटे)**

- जयशंकर प्रसाद की काव्य-यात्रा : सामान्य परिचय
- अरी वरुणा की शांत कछार
- पेशोला की प्रतिध्वनि
- मुझको न मिला रे कभी प्यार
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड 1, रत्नशंकर प्रसाद (संपादक), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

इकाई – 3 : नाटक **(12 घंटे)**

- जयशंकर प्रसाद की नाट्य-यात्रा : सामान्य परिचय
- स्कंदगुप्त
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड 2 – रत्नशंकर प्रसाद (संपादक), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

इकाई – 4 : निबंध एवं अन्य विधाएं **(12 घंटे)**

- काव्य और कला (निबंध)
- रंगमंच (निबंध)
- मधुआ (कहानी)
  (प्रसाद ग्रंथावली, खंड 4 – रत्नशंकर प्रसाद (संपादक), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

सहायक ग्रंथ :

1. सिंह, नामवर; छायावाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. प्रेमशंकर; प्रसाद का काव्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. वाजपेयी, नंददुलारे; जयशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
4. गौतम, रमेश; नाटककार प्रसाद : तब और अब, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली।
5. श्रोत्रिय, प्रभाकर; जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
6. चातक, गोविंद; प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना, साहित्य भारती प्रकाशन, दिल्ली।
7. शाही, विनोद; जयशंकर प्रसाद : एक पुनर्मूल्यांकन, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा।
8. उपध्याय, करुणाशंकर; जयशंकर प्रसाद : महानता के आयाम, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
9. प्रभाकर, विष्णु / शाह, रमेशचंद (संपादक); प्रसाद रचना संचयन, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली।

5.

महादेवी वर्मा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020
B.A. (Hons.) Hindi
Semester VII – DSE
महादेवी वर्मा

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE महादेवी वर्मा	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- छायावाद के अंतर्गत महादेवी वर्मा के योगदान से परिचय करवाना।
- महादेवी वर्मा का साहित्यिक-सांस्कृतिक अवदान रेखांकित करना।
- महादेवी वर्मा की रचनात्मक गतिविधियों की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी छायावाद के अंतर्गत महादेवी वर्मा के रचनात्मक योगदान से परिचित होंगे।
- महादेवी वर्मा के साहित्यिक-सांस्कृतिक अवदान की समझ विकसित होगी।
- महादेवी वर्मा के रचनात्मक कार्यों से परिचित हो सकेंगे।

इकाई – 1 : छायावाद और महादेवी वर्मा : सामान्य परिचय **(12 घंटे)**

- छायावाद : अर्थ, वैशिष्ट्य, स्वच्छंदतावाद और छायावाद
- छायावाद और महादेवी वर्मा
- स्वाधीनता आंदोलन में महादेवी वर्मा का योगदान
- संपादक के रूप में महादेवी वर्मा

इकाई – 2 : महादेवी वर्मा : काव्य पक्ष **(9 घंटे)**

- काव्य यात्रा
- वेदना तत्त्व, रहस्य भावना, सौंदर्य चेतना
- काव्य संवेदना
- काव्य शिल्प : भाषा, बिंब, प्रतीक, गीत

इकाई – 3 : महादेवी वर्मा : गद्य पक्ष **(12 घंटे)**

- स्त्री समस्या और आलोचना कर्म
- रेखाचित्रों का वैशिष्ट्य : कथ्य एवं शिल्प
- संस्मरण लेखन : विषयवस्तु एवं अभिव्यक्ति
- गद्य का वैशिष्ट्य

इकाई – 4 : महादेवी वर्मा : पाठ आधारित अध्ययन **(12 घंटे)**

- कविता : मैं नीर भरी दुःख की बदली, कौन तुम मेरे हृदय में, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल
- आलोचना : आधुनिक नारी
- संस्मरणात्मक रेखाचित्र : सुभद्रा कुमारी चौहान
- परख : मेरा परिवार (पुस्तक)

सहायक ग्रंथ :

1. पांडेय, गंगा प्रसाद; महीयसी महादेवी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
2. गुप्त, सुरेश चंद्र; महादेवी की काव्य साधना, रीगल बुक डिपो, नयी दिल्ली।
3. गुप्त, डॉ. गणपतिचंद्र, महादेवी : नया मूल्यांकन, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
4. मदान, इंद्रनाथ (संपादक); महादेवी चिंतन और कला, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. श्रीवास्तव, परमानंद (संपादक); महादेवी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
6. गुप्त, जगदीश; महादेवी, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली।
7. सिंह, विजय बहादुर; महादेवी की कविता का नेपथ्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. गुप्त, रामचंद्र; महादेवी : साहित्य, कला, जीवन दर्शन, सरस्वती पुस्तक सदन, आगरा, उत्तर प्रदेश।
9. गौतम, लक्ष्मण दत्त; महादेवी वर्मा कवि और गद्यकार, कोणार्क प्रकाशन, दिल्ली।
10. पांडेय, रामजी (संपादक); महादेवी और उनका काव्य, सरस्वती बुक डिपो।
11. सिंह, दूधनाथ; महादेवी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

6.

सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन ‘अज्ञेय’

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020
B.A. (Hons.) Hindi
Semester VIII – DSE
सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन ‘अज्ञेय’

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन ‘अज्ञेय’	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- हिंदी साहित्य के अंतर्गत प्रयोगवाद से परिचित होना।
- अज्ञेय के रचना कर्म को समझना।
- साहित्यकार के रूप में अज्ञेय के योगदान से परिचित होना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी हिंदी साहित्य के इतिहास के अंतर्गत प्रयोगवादी साहित्यिक आंदोलन से परिचित होंगे।
- अज्ञेय के रचना-कर्म का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।
- रचनात्मक लेखन हेतु अभिप्रेरित होंगे।

इकाई – 1 : अज्ञेय का साहित्यिक योगदान **(12 घंटे)**

- प्रयोगवाद और अज्ञेय
- प्रयोगवाद की प्रमुख विशेषताएं
- अज्ञेय का काव्य : सामान्य परिचय
- अज्ञेय का गद्य-साहित्य : सामान्य परिचय

इकाई – 2 : अज्ञेय का कवि-कर्म **(12 घंटे)**

- कलगी बाजरे की
- यह दीप अकेला
- जितना तुम्हारा सच है
- आज थका हिय हारिल मेरा
- शब्द और सत्य

इकाई – 3 : अज्ञेय का कथा-साहित्य **(12 घंटे)**

- शरणदाता (कहानी)
- खितीन बाबू (कहानी)
- अपने-अपने अजनबी (उपन्यास)

इकाई – 4 : अन्य गद्य विधाएं **(9 घंटे)**

- अज्ञेय : अपनी निगाह में (निबंध)
- बहता पानी निर्मला (यात्रा-संस्मरण)
- रूढ़ि और मौलिकता (आलोचना) (संवत्सर निबंध संग्रह में)

सहायक ग्रंथ :

1. पालीवाल, कृष्णदत्त; अज्ञेय के सामाजिक-सांस्कृतिक सरोकार, सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली।
2. पालीवाल, कृष्णदत्त (संपादक); अज्ञेय के साक्षात्कार, सस्ता साहित्य मंडल, दिल्ली।
3. आचार्य, नंदकिशोर; अज्ञेय की काव्य-तितीर्षा, वाग्देवी प्रकाशन, नोएडा, उत्तर प्रदेश।
4. सिंह, प्रेम; अज्ञेय : चिंतन और साहित्य, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
5. अज्ञेय; संवत्सर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. कुमार, संजीव; जैनेंद्र और अज्ञेय : सृजन का सैद्धांतिक नेपथ्य, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
7. शाह, रमेशचंद्र; बागर्थ का वैभव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. राय, रामकमल; शिखर से सागर तक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

1. भारत भारती

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSE
भारत भारती

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE भारत भारती	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- महान कवि एवं समाज सुधारक मैथिलीशरण गुप्त से अवगत कराना।
- मैथिलीशरण गुप्त की राष्ट्र प्रेम की भावना को समझाना।
- भारत भारती के उद्देश्य एवं प्रासंगिकता से परिचित कराते हुए भारत की महान संस्कृति से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम अधिगम प्रतिफल (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी मैथिलीशरण गुप्त के साहित्यिक योगदान को जान पाएंगे।
- भारत भारती रचना का महत्व और उद्देश्य समझ पाएंगे।
- भारत भारती के माध्यम से भारत की महान संस्कृति को समझ पाएंगे।

इकाई – 1 : रचना और रचनाकार का परिचय (9 घंटे)

- मैथिलीशरण गुप्त का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- भारत भारती की मूल संवेदना
- भारत भारती रचना में स्वदेश प्रेम, पौराणिक और सांस्कृतिक संदर्भ
- भारत भारती, भाषा और शिल्प

इकाई – 2 : भारत भारती (अतीत खंड) (12 घंटे)

- मैथिलीशरण गुप्त की ऐतिहासिक-सामाजिक दृष्टि
- मैथिलीशरण गुप्त का भारत दर्शन एवं सांस्कृतिक चेतना
- अतीत खंड का महत्व, उद्देश्य और प्रासंगिकता
- भारत भारती की राष्ट्रीय जागरण और स्वाधीनता आंदोलन में भूमिका

इकाई – 3 : भारत भारती (वर्तमान खंड) (12 घंटे)

- भारत भारती में भारत की वर्तमान स्थिति का चित्रण
- वर्तमान खंड में साहित्य, संगीत, धर्म और स्त्री की दशा एवं दिशा का चित्रण
- वर्तमान खंड का महत्व, उद्देश्य और प्रासंगिकता
- भारत भारती और भारतीयता

इकाई – 4 : भारत भारती (भविष्यत् खंड) (12 घंटे)

- भारत के भविष्य, शिक्षा, गुरु-शिष्य संबंध, नेता, राष्ट्र भाषा और नवयुवकों के उज्ज्वल भविष्य संबंधी चिंतन
- समन्वय भावना
- भविष्य खंड का उद्देश्य, महत्व और प्रासंगिकता
- भारत भारती में आधुनिकता बोध

सहायक ग्रंथ :

1. गुप्त, मैथिलीशरण; भारत भारती, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. गुप्त, मैथिलीशरण; नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. रमण, रेवती; भारतीय साहित्य के निर्माता : मैथिलीशरण गुप्त, साहित्य अकादमी, नयी दिल्ली।
4. टंडन, पूरनचंद (संपादक); भारत, भारतीयता और भारत, नव उन्नयन साहित्यिक सोसायटी, नयी दिल्ली।
5. नगेंद्र, डॉ.; मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
6. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. पाठक, डॉ. कमलाकांत; मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य, रंजीत प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, दिल्ली।
8. पालीवाल, कृष्णदत्त; मैथिलीशरण गुप्त : प्रासंगिकता के अंत:सूत्र, सचिन प्रकाशन, दिल्ली।
9. वर पाठक, दानबहादुर; मैथिलीशरण गुप्त और उनका साहित्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, उत्तर प्रदेश।
10. गोयल, डॉ. उमाकांत; मैथिलीशरण गुप्त : कवि और भारतीय संस्कृति के आख्याता, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
11. खोसला, डॉ. माधुरी; मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में पात्रों की परिकल्पना, पराग प्रकाशन, दिल्ली।
12. तिवारी, डॉ. मंजुला; मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में नारी, सुलभ प्रकाशन, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।
13. व्होरा, आशा रानी; भारतीय नारी : अस्मिता और अधिकार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।

2. रश्मिरथी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSE
रश्मिरथी

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE रश्मिरथी	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- रश्मिरथी खंड काव्य के माध्यम से रामधारी सिंह 'दिनकर' की कविता से परिचय कराना।
- रश्मिरथी में अभिव्यक्त भारतीय आख्यान परंपरा की जानकारी प्रदान करना।
- रश्मिरथी खंड काव्य की रचनात्मक विशिष्टता से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी रामधारी सिंह 'दिनकर' की कविता से परिचित हो सकेंगे।
- भारतीय आख्यान परंपरा को समझ सकेंगे।
- रश्मिरथी की रचनात्मक विशिष्टता से अवगत हो सकेंगे।

इकाई – 1 : रामधारी सिंह दिनकर का जीवनवृत्त (12 घंटे)

- रामधारी सिंह दिनकर का जीवन परिचय और कृतित्व
- रश्मिरथी खंड काव्य की कथावस्तु
- रश्मिरथी की सांस्कृतिक चेतना और स्मृति
- रश्मिरथी में आधुनिकता के संदर्भ

इकाई – 2 : रश्मिरथी का शिल्प विधान (12 घंटे)

- रश्मिरथी की भाषा
- रश्मिरथी की प्रतीक योजना
- रश्मिरथी में बिंब विधान
- रश्मिरथी का काव्य रूप

इकाई – 3 : रश्मिरथी की पाठ आधारित व्याख्या – 1 (12 घंटे)

- प्रथम सर्ग – कर्ण का शौर्य प्रदर्शन
- द्वितीय सर्ग – कर्ण का आश्रमवास
- तृतीय सर्ग – कृष्ण का संदेश
- चतुर्थ सर्ग – कर्ण की दानवीरता और त्याग

इकाई – 4 : रश्मिरथी की पाठ आधारित व्याख्या – 2 (9 घंटे)

- पंचम सर्ग – कुंती की चिंता
- षष्ठम सर्ग – कर्ण की शक्ति परीक्षा
- सप्तम सर्ग – कर्ण का बलिदान

सहायक ग्रंथ :

1. दिनकर, रामधारी सिंह; रश्मिरथी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
2. दिनकर, रामधारी सिंह; संस्कृति के चार अध्याय, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
3. दिनकर, रामधारी सिंह; कविता की पुकार, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
4. दिनकर, रामधारी सिंह; रचनावली, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
5. मेघ, रमेश कुंतल; मिथक से आधुनिकता तक, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; काव्यभाषा पर तीन निबंध, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।
7. सिंह, केदारनाथ; आधुनिक हिंदी कविता में बिंब विधान, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
8. दिनकर, रामधारी सिंह; भारत की सांस्कृतिक कहानी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
9. कुमार, दिनेश (संपादक); रश्मिरथी : एक पुनः पाठ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

3. गोदान

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSE
गोदान

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE गोदान	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी उपन्यास लेखन की परंपरा के संदर्भ में गोदान के साहित्यिक योगदान से परिचय करवाना।
- पूर्व आधुनिकता, आधुनिकता एवं उपनिवेशवाद के संदर्भ में गोदान का अध्ययन-विश्लेषण।
- गोदान की भाषा एवं शैली-शिल्प की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी हिंदी उपन्यास लेखन की परंपरा के विविध पहलुओं से परिचित हो सकेंगे।
- आर्थिक-सामाजिक शोषण एवं औपनिवेशिक कृषि तंत्र के संदर्भ में गोदान के महत्व को जान पाएंगे।
- गोदान की भाषा एवं शैली-शिल्प को समझने में समर्थ होंगे।

इकाई – 1 : रचनाकार एवं युग परिचय **(9 घंटे)**

- हिंदी उपन्यास लेखन की परंपरा
- हिंदी उपन्यास एवं प्रेमचंद
- कृषक जीवन के अन्य उपन्यास एवं गोदान

इकाई – 2 : गोदान का परिचय **(12 घंटे)**

- गोदान का परिचय
- गोदान की कथा-योजना
- गोदान की पात्र-योजना
- गोदान में चित्रित समस्याएं

इकाई – 3 : गोदान का विश्लेषण **(12 घंटे)**

- आदर्श एवं यथार्थ का चित्रण
- कृषक जीवन का महाकाव्य / औपनिवेशिक कृषि तंत्र
- ग्रामीण एवं नगरीय कथाओं का विवेचन
- नारी मुक्ति की दृष्टि से
- पूर्व आधुनिकता, आधुनिकता एवं उपनिवेशवाद
- स्वतंत्र भारत की परिकल्पना एवं राष्ट्रीय आंदोलन
- सामाजिक कुरीतियां

इकाई – 4 : गोदान का शिल्प **(12 घंटे)**

- गोदान का रचना-शिल्प
- गोदान की भाषा-शैली
- गोदान की संवाद-योजना
- गोदान का उद्देश्य

सहायक ग्रंथ:

1. मदान, इंद्रनाथ; प्रेमचंद : एक विवेचन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. वाजपेयी, नंद दुलारे; प्रेमचंद एक साहित्यिक विवेचन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. शर्मा, रामविलास; प्रेमचंद और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. गोयनका, कमल किशोर; प्रेमचंद नयी दृष्टि : नये निष्कर्ष, नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली।
5. मिश्र, शिवकुमार; प्रेमचंद की विरासत और गोदान, लोकभारती प्रकाशन।
6. नवल; नंद किशोर, प्रेमचंद का सौंदर्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
7. राय, गोपाल; गोदान नया परिप्रेक्ष्य, नयी किताब, दिल्ली।
8. अपूर्वानंद; यह प्रेमचंद हैं, सेतु प्रकाशन, नोएडा, उत्तर प्रदेश।
9. सिंह, बच्चन; उपन्यास का काव्यशास्त्र, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली।
10. साही, विजयदेव नारायण; बर्धमान और पतनशील (गोदान वाला लेख), वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
11. अरविंदाक्षन, ए; प्रेमचंद के आयाम, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
12. श्रीवास्तव, परमानंद (संपादक); गोदान एक पुनर्विचार, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद।
13. कुमार, जैनेंद्र; एक कृती व्यक्तित्व, पूर्वोदय प्रकाशन, दिल्ली।
14. रामबक्ष; प्रेमचंद और भारतीय किसान; वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
15. राय, गोपाल; गोदान: नया परिप्रेक्ष्य, अनुपम प्रकाशन, पटना।
16. Mukherjee, Meenakshi; Realism and Reality: Chapter on Godan (हिंदी अनुवाद, गोदान को फिर से पढ़ते हुए, विनोद तिवारी, सदानंद साही (संपादक), ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली।

4. राग दरबारी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSE
राग दरबारी

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE राग दरबारी	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- व्यंग्य विधा की जानकारी प्रदान करना।
- राग दरबारी का महत्व रेखांकित करना।
- पाठ आधारित अध्ययन करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी व्यंग्य विधा की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थी राग दरबारी कृति के महत्व से परिचित होंगे।
- पाठ आधारित अध्ययन की समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 : स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास एवं राग दरबारी (12 घंटे)

- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास का विकास
- उपन्यास : यथार्थ की अनुभूति एवं अभिव्यक्ति
- स्वातंत्र्योत्तर भारत : संस्थाएं और सत्ता , परिवार, समाज, गांव, क़स्बा और शहर का बदलता स्वरूप
- लोकतंत्र और राग दरबारी

इकाई – 2 : राग दरबारी : कथ्य विश्लेषण (9 घंटे)

- राग दरबारी का कथा वितान
- पात्र और चरित्र विकास
- विसंगति, विडंबना और व्यंग्य
- दृश्य और दृष्टि

इकाई – 3 : राग दरबारी : विषयवस्तु और सामयिक यथार्थ (12 घंटे)

- राग दरबारी : सामयिक यथार्थ विश्लेषण, प्रासंगिकता
- कथ्य – सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक
- स्वातंत्र्योत्तर भारत की राजनीति

इकाई – 4 : राग दरबारी : शिल्पगत अध्ययन (12 घंटे)

- किस्सागोई और राग दरबारी
- राग दरबारी की भाषा, सूत्र भाषा, बिंब, प्रतीक, मुहावरे, चित्रात्मकता
- पात्रों की भाषा का विश्लेषण, नाटकीयता और संवाद
- बहुआयामी विडंबनाओं की प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति, शीर्षक की सार्थकता

सहायक ग्रंथ :

1. तिवारी, नित्यानंद; सृजनशीलता का संकट, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. फॉक्स, रैल्फ; उपन्यास और लोकजीवन, पीपुल्स पब्लिकेशन हाउस, नयी दिल्ली।
3. यादव, वीरेंद्र; उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. तिवारी, विनोद (संपादक); राग दरबारी (कृति मूल्यांकन : उपन्यास), सेतु प्रकाशन, दिल्ली।
5. मिश्र, रामदरश; हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. मधुरेश, हिंदी उपन्यास का विकास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
7. राय, गोपाल; हिंदी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. सिंह, नामवर (संपादक); श्रीलाल शुक्ल: जीवन ही जीवन, श्रीलाल शुक्ल अमृत महोत्सव समिति, नयी दिल्ली।
9. अवस्थी, रेखा (संपादक); राग दरबारी : आलोचना की फांस, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

5. आषाढ़ का एक दिन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B. A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSE
आषाढ़ का एक दिन

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE आषाढ़ का एक दिन	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- हिंदी नाटक की विकास-यात्रा में मोहन राकेश के अवदान से परिचय करवाना।
- मोहन राकेश के नाट्य-चिंतन को समझाना।
- आषाढ़ का एक दिन के कथ्य, नाट्य-शिल्प और रंगमंचीयता को समझाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों को मोहन राकेश के नाटककार व्यक्तित्व की गहरी समझ विकसित होगी।
- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाट्य-परंपरा में आषाढ़ का एक दिन के महत्व और प्रासंगिकता का विश्लेषण कर सकेंगे।
- समकालीन हिंदी रंगमंच की यथार्थवादी शैली से परिचित हो सकेंगे।

इकाई – 1 : हिंदी नाट्य परंपरा और आषाढ़ का एक दिन (12 घंटे)

- हिंदी नाटक का विकास : सामान्य परिचय
- मोहन राकेश का नाट्य-साहित्य : सामान्य परिचय
- मोहन राकेश का नाट्य-चिंतन
- ऐतिहासिक नाट्य-परंपरा और आषाढ़ का एक दिन

इकाई – 2 : कथ्य-विश्लेषण (9 घंटे)

- नाटकीय द्वंद्व (यथार्थ और कल्पना, राजसत्ता और कलाकार, ग्राम और नगर)
- आषाढ़ का एक दिन का उद्देश्य
- आषाढ़ का एक दिन में नायकत्व एवं चरित्र-योजना

इकाई – 3 : नाट्य-संरचना (12 घंटे)

- कथावस्तु (विशेषताएं, इतिहास और कल्पना)
- अंक योजना
- संवाद योजना
- रंगभाषा (मौन, प्रतीकात्मकता, नाट्य-बिंब)
- देशकाल वातावरण

इकाई – 4 : रंगमंचीय अध्ययन (12 घंटे)

- हिंदी रंगमंच की यथार्थवादी शैली और आषाढ़ का एक दिन
- अभिनेयता के तत्व
- मंच-प्रस्तुति के घटक : दृश्य-सज्जा, रंग-संकेत, ध्वनि-प्रभाव, प्रकाश-योजना, आदि
- हिंदी रंगमंच में आषाढ़ का एक दिन की विभिन्न प्रस्तुतियां (विशेषतः इब्राहिम अलकाजी और श्यामानंद जालान निर्देशित)

सहायक ग्रंथ :

1. जैन, नेमिचंद (संपादक); मोहन राकेश के संपूर्ण नाटक, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
2. तनेजा, जयदेव (संपादक); नाट्य विमर्श : मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
3. रस्तोगी, गिरीश; मोहन राकेश और उनके नाटक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।
4. चातक, गोविंद; आधुनिक हिंदी नाटक के अग्रदूत, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. तनेजा, जयदेव; मोहन राकेश : रंग-शिल्प और प्रदर्शन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
6. गौतम, रमेश (संपादक); हिंदी रंगभाषा, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
7. नटरंग (पत्रिका), मोहन राकेश विशेषांक, अंक – 21.
8. अभिनव इमरोज (पत्रिका), मोहन राकेश विशेषांक, जनवरी 2025.

6. रात का रिपोर्टर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSE
रात का रिपोर्टर

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE रात का रिपोर्टर	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- उपन्यास विधा की जानकारी प्रदान करना।
- कथाकार निर्मल वर्मा की रचनात्मकता से अवगत कराना।
- पाठ आधारित अध्ययन करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी उपन्यास विधा की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थी कथाकार निर्मल वर्मा के महत्व से परिचित होंगे।
- रात का रिपोर्टर कृति के महत्व से परिचित होंगे।

इकाई – 1 : निर्मल वर्मा का साहित्यिक परिचय **(12 घंटे)**

- कथा साहित्य
- कथेतर साहित्य
- पत्रकारिता
- निबंध

इकाई – 2 : रात का रिपोर्टर : अंतर्वस्तु का अवलोकन **(9 घंटे)**

- कथावस्तु
- कथ्य : आपातकाल
- पत्रकारिता

इकाई – 3 : रात का रिपोर्टर : राज और समाज **(12 घंटे)**

- सर्वसत्तावाद और लोकतंत्र
- मानवीय गरिमा और नागरिक अधिकार
- रिश्तों का अंतर्द्वंद
- भय और अवसाद

इकाई – 4 : रात का रिपोर्टर : कथा कौशल **(12 घंटे)**

- चरित्र और कथोपकथन
- भाषा, बिंब, प्रतीक और दृश्यात्मकता
- शिल्प-संरचना
- कहन और किस्सागोई

सहायक ग्रंथ :

1. वर्मा, निर्मल; रात का रिपोर्टर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. वाजपेयी, अशोक (संपादक); निर्मल वर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. गिल, गगन (संपादक); संसार में निर्मल वर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. मेहेर, छबिल कुमार (संपादक); निर्मल वर्मा : एक मूल्यांकन (कथा साहित्य), सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।
5. गिल, विनीत; निर्मल वर्मा और उनका साहित्यिक संसार, (अनुवाद: भुवेंद्र त्यागी), पेंगुइन इंडिया, दिल्ली।
6. पचौरी, सुधीश; निर्मल वर्मा और उत्तर उपनिवेशवाद, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. सिंह, प्रेम (संपा.); निर्मल वर्मा : चिंतन और सृजन, फिफ्थ डायमेंशन प्रकाशन, दिल्ली।

1. आख्यानपरक हिंदी साहित्य

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
Semester VII – GE
आख्यानपरक हिंदी साहित्य

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE आख्यानपरक हिंदी साहित्य	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- आख्यान की परंपरा एवं स्वरूप की समझ विकसित करना।
- आख्यान की भारतीय परंपराओं की विशेषताओं का ज्ञान प्रदान करना।
- आधुनिक साहित्य के उत्स आख्यानकों से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- पौराणिक एवं ऐतिहासिक आख्यान संबंधी आधारभूत समझ विकसित होगी।
- रामायण तथा महाभारत संबंधी आख्यान का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
- बौद्ध कालीन साहित्य संबंधी आख्यान की मान्यताओं का बोध विकसित हो सकेगा।

इकाई – 1 : आख्यानमूलक साहित्य का परिचय (12 घंटे)

- आख्यान की भारतीय परंपरा
- आख्यान : स्वरूप, संरचना और प्रकार
- पौराणिक तथा ऐतिहासिक आख्यानकों की सुदीर्घ परंपरा
- आख्यान का साहित्य निर्माण में आधारभूत योगदान

इकाई – 2 : आख्यानमूलक साहित्य का विधागत वैशिष्ट्य (9 घंटे)

- कथा साहित्य की आख्यानमूलक परंपरा
- काव्य की आख्यानमूलक परंपरा
- निबंध आदि अन्य गद्य विधाओं की आख्यानमूलक परंपरा

इकाई – 3 : काव्य की रामायण आधारित आख्यान परंपरा (12 घंटे)

- राम विनय – बाल मुकुंद गुप्त
- जो पुल बनाएंगे – अज्ञेय
- राम की जल समाधि – भारत भूषण
- संशय की एक रात (चतुर्थ सर्ग, संदिग्ध मन का संकल्प और सवेरा) – नरेश मेहता

इकाई – 4 : गद्य साहित्य की महाभारत तथा बौद्धकालीन आख्यान परंपरा (12 घंटे)

- एक और द्रोणाचार्य – शंकर शेष (नाटक)
- कृष्ण का दूत कर्म (महासमर 7, प्रत्यक्ष) – नरेंद्र कोहली (उपन्यास)
- भाव पुरुष श्रीकृष्ण – विद्यानिवास मिश्र (निबंध)
- थेरीगाथा (तेरहवां वर्ग) – डॉ. भरत सिंह उपाध्याय (लघुकथा)

सहायक ग्रंथ :

1. चंदेल, उमापति राय; पौराणिक आख्यानों का विकासात्मक अध्ययन, कोणार्क प्रकाशन, दिल्ली।
2. मेहता, नरेश; काव्य का वैष्णव व्यक्तित्व, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
3. गुप्त, गणपतिचंद्र; हिंदी भाषा एवं साहित्य कोश, सस्ता साहित्य मंडल, नयी दिल्ली।
4. अग्रवाल, वासुदेव शरण; भारत सावित्री, सस्ता साहित्य मंडल, नयी दिल्ली।
5. मिश्र, विद्यानिवास; महाभारत का काव्यार्थ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6. गौड़, रामशरण; पौराणिक आख्यान कोश : कृष्ण काव्य के संदर्भ में।
7. गंगाधरन, वी.; द्विवेदी युगीन आख्यान काव्य, लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली।
8. हीरा, राजवंश सहाय; भारतीय साहित्य शास्त्र कोश, बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी, पटना, बिहार।
9. त्रिपाठी, राधावल्लभ; श्रेष्ठ पौराणिक कहानियां।
10. एनसाइक्लोपीडिया ऑफ इंडियन लिटरेचर, साहित्य अकादमी में आख्यान प्रविष्टि।

2. हिंदी साहित्य का सिनेमा में रूपांतरण

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VII – GE
हिंदी साहित्य का सिनेमा में रुपांतरण

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी साहित्य का सिनेमा में रुपांतरण	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- साहित्य एवं सिनेमा के रूपांतरण की आधारभूत समझ विकसित करना।
- साहित्य एवं सिनेमा के रूपांतरण के मूल सिद्धांतों से परिचय कराना।
- सिनेमा में रूपांतरण के कला एवं तकनीकी पक्ष की मूल मान्यताओं से परिचय करवाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- साहित्य एवं सिनेमा में रूपांतरण की आधारभूत समझ विकसित होगी।
- साहित्य एवं सिनेमा रूपांतरण के मूल सिद्धांतों से परिचय प्राप्त हो सकेगा।
- सिनेमा में रूपांतरण के कला एवं तकनीकी पक्ष की मूल मान्यताओं का बोध विकसित होगा।

इकाई – 1 : साहित्य एवं सिनेमा : अर्थ, स्वरूप एवं महत्व (12 घंटे)

- साहित्य एवं सिनेमा : परिभाषा, अर्थ एवं स्वरूप
- साहित्य एवं सिनेमा के भेद, तत्व एवं प्रकार
- साहित्य सिनेमा का अंत:संबंध
- साहित्य सिनेमा की विकास यात्रा

इकाई – 2 : हिंदी साहित्य का सिनेमा में रूपांतरण (9 घंटे)

- हिंदी साहित्य का सिनेमा में रूपांतरण : स्वरूप एवं महत्व
- हिंदी एवं हिंदीतर साहित्य पर आधारित फिल्मों का संक्षिप्त परिचय
- विभिन्न साहित्यिक विधाओं का सिनेमा में रूपांतरण
- हिंदी साहित्य एवं सिनेमा : रूपांतरण की समस्याएं

इकाई – 3 : साहित्य एवं सिनेमा के रूपांतरण की रचना प्रक्रिया (12 घंटे)

- शब्द, वाक्य, कथोपकथन बनाम शॉट, सीन, संवाद
- काव्य, पाठक, लेखक बनाम सिनेमा में गीत, दर्शक, निर्देशक
- दृश्य रूपांतरण का तकनीकी पक्ष : दृश्य निर्माण, सिनेमैटोग्राफी
- सिनेमा में रूपांतरण का कला पक्ष : अभिनय, भाषा एवं संवाद

इकाई – 4 : हिंदी साहित्यिक कृतियों पर आधारित फिल्मों का अध्ययन (12 घंटे)

- काली आंधी (कमलेश्वर) – आंधी (गुलजार, 1975)
- शतरंज के खिलाड़ी (प्रेमचंद) – शतरंज के खिलाड़ी (सत्यजीत रे, 1977)
- कोहबर की शर्त (केशव प्रसाद मिश्र) – नदिया के पार (गोविंद मुनीश, 1982)
- दुविधा (विजयदान देथा) – पहेली (अमोल पालेकर, 2005)

सहायक ग्रंथ :

1. ब्रह्मात्मज, अजय; सिनेमा की सोच, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. ओझा, अनुपम; भारतीय सिने सिद्धांत, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
3. अख्तर, ज़ावेद; सिनेमा के बारे में, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. अग्रवाल, प्रहलाद; हिंदी सिनेमा आदि से अनंत (चार खंड), साहित्य भंडार, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।
5. चड्ढा, मनमोहन; हिंदी सिनेमा का इतिहास, सचिन प्रकाशन, दिल्ली।
6. भारद्वाज, विनोद; सिनेमा कल आज कल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. पांडेय, आलोक रंजन (संपादक); हिंदी सिनेमा और समाज : युग संदर्भ, नटराज प्रकाशन, दिल्ली।
8. कुमार, विपुल; साहित्य और सिनेमा : अंत:संबंध और रूपांतरण, मनीष प्रकाशन, दिल्ली।
9. प्रसाद, कमला (संपादक); फ़िल्म का सौंदर्यशास्त्र और भारतीय सिनेमा, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
10. कुमार, हरीश; सिनेमा और साहित्य, संजय प्रकाशन, दिल्ली।

3. हिंदी साहित्य और सोशल मीडिया

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VII – GE
हिंदी साहित्य और सोशल मीडिया

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी साहित्य और सोशल मीडिया	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों को हिंदी और सोशल मीडिया के आपसी संबंधों की समझ प्रदान करना।
- डिजिटल युग में हिंदी साहित्य के विकास, सोशल मीडिया के प्रभाव, भाषा के बदलाव, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, और साहित्य के भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान केंद्रित कराना।
- सोशल मीडिया के नए माध्यमों से परिचित कराना और डिजिटल लेखन में उनकी सृजनात्मकता को विकसित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी साहित्य के डिजिटल स्वरूप को समझ सकेंगे।
- सोशल मीडिया पर हिंदी भाषा के प्रयोग और उसके प्रभाव का विश्लेषण कर सकेंगे।
- डिजिटल लेखन और सोशल मीडिया पर साहित्यिक अभिव्यक्ति के नए रूपों की पहचान कर सकेंगे।

इकाई – 1 : सोशल मीडिया : अर्थ एवं अवधारणा (9 घंटे)

- सोशल मीडिया के विविध रूप
- सोशल मीडिया : भाषा, समाज और संस्कृति
- मुख्यधारा और सोशल मीडिया

इकाई – 2 : जन जागरूकता एवं जन जागरण (12 घंटे)

- जनभागीदारी, जन जागरूकता एवं सोशल मीडिया
- जन आंदोलन एवं सोशल मीडिया
- जन संपर्क एवं जनमत निर्माण
- नियमन का प्रश्न और सोशल मीडिया

इकाई – 3 : सोशल मीडिया का व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य (12 घंटे)

- मार्केटिंग और सोशल मीडिया
- रोजगार और सोशल मीडिया : ब्लॉग लेखन, पॉडकास्ट, शॉर्ट्स एवं रील
- सोशल मीडिया एवं साहित्य : व्यावसायिक परिप्रेक्ष्य
- व्यवसायिक प्रतिस्पर्धा एवं सोशल मीडिया

इकाई – 4 : हिंदी साहित्य और सोशल मीडिया (12 घंटे)

- साहित्य और सोशल मीडिया का अंतर्संबंध
- सोशल मीडिया : स्थिति और संभावनाएं
- सोशल मीडिया पर हिंदी लेखन (फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप)
- साहित्यकारों की डिजिटल उपस्थिति : हिंदी समय, प्रसार भारती आदि

सहायक ग्रंथ :

1. प्रकाश, अरुण; डिजिटल युग में हिंदी साहित्य।
2. सिंह, डॉ. राजेंद्र प्रसाद; हिंदी साहित्य और समकालीन परिदृश्य।
3. कुमार, विनय; सोशल मीडिया का भाषाई प्रभाव।
4. शर्मा, संजय; ब्लॉगिंग और डिजिटल लेखन।
5. कुमार, नवीन; डिजिटल साहित्य की अवधारणा।
6. द्विवेदी, संजय (संपादक); सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद, यश पब्लिकेशंस, दिल्ली।
7. द्विवेदी, संजय (संपादक); मीडिया भूमंडलीकरण और समाज।
8. रमा; सोशल मीडिया और स्त्री, नॉर्दन बुक सेंटर, नयी दिल्ली।

4. हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग-1)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
Semester VII – GE
हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग 1)

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग 1)	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- हिंदी साहित्य के इतिहास की जानकारी प्रदान करना।
- नामकरण एवं काल विभाजन का बोध कराना।
- साहित्य इतिहास के ग्रंथों से परिचय कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी साहित्य के इतिहास का ज्ञान हो सकेगा।
- इतिहास निर्माण की पद्धति से परिचित हो सकेंगे।
- साहित्य इतिहास के ग्रंथों से अवगत हो सकेंगे।

इकाई – 1 : हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन (12 घंटे)

- इतिहास की परिभाषा एवं स्वरूप
- हिंदी साहित्य के इतिहास का उद्भव एवं विकास
- हिंदी साहित्य – नामकरण एवं काल विभाजन

इकाई – 2 : आदिकाल (9 घंटे)

- आदिकाल की पृष्ठभूमि
- सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य
- रासो एवं लौकिक काव्य

इकाई – 3 : भक्तिकाल (12 घंटे)

- भक्ति आंदोलन : उद्भव एवं विकास
- निर्गुण भक्ति काव्यधारा
- सगुण भक्ति काव्यधारा

इकाई – 4 : रीतिकाल (12 घंटे)

- रीतिकाल : युगीन परिस्थितियां
- रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध काव्य
- रीतिमुक्त एवं अन्य काव्य धाराएं

सहायक ग्रंथ :

1. शुक्ल, रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
2. द्विवेदी, हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. द्विवेदी, हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. त्रिपाठी, विश्वनाथ; हिंदी साहित्य का सरल इतिहास, ओरिएंट ब्लैकस्वान, नोएडा, उत्तर प्रदेश।
5. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; हिंदी साहित्य एवं संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
6. डॉ. नगेंद्र / डॉ. हरदयाल (संपादक); हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर बुक्स, दिल्ली।
7. सिंह, बच्चन; हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
8. गुप्त, गणपति चंद्र; हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
9. पांडेय, मैनेजर; साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. शर्मा, नलिन विलोचन; साहित्य का इतिहास दर्शन, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली।

1. हिंदी साहित्य और सांस्कृतिक चिंतन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VIII – GE
हिंदी साहित्य और सांस्कृतिक चिंतन

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी साहित्य और सांस्कृतिक चिंतन	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- हिंदी साहित्य की आधारभूत समझ विकसित करना।
- सांस्कृतिक चिंतन के मूल सिद्धांतों से परिचय कराना।
- साहित्य और संस्कृति के अंतर्संबंधों से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में हिंदी साहित्य संबंधी आधारभूत समझ विकसित होगी।
- सांस्कृतिक चिंतन के मूल सिद्धांतों से परिचय प्राप्त हो सकेगा।
- साहित्य और संस्कृति के अंतर्संबंधों के साथ मूल मान्यताओं का बोध विकसित होगा।

इकाई – 1 : संस्कृति : परिचय एवं स्वरूप **(12 घंटे)**

- संस्कृति की अवधारणा
- सभ्यता और संस्कृति का अंत:संबंध
- भारतीय समाज और संस्कृति

इकाई – 2 : भारतीय सांस्कृतिक चिंतन परंपरा **(9 घंटे)**

- वैदिक चिंतन
- जैन चिंतन
- बौद्ध चिंतन

इकाई – 3 : हिंदी साहित्य में सांस्कृतिक चिंतन एवं दृष्टि (पद्य) **(12 घंटे)**

- तुलसीदास – रामलला नहछू (पद संख्या – 2, 3, 5, 9 एवं 19)
- गुरुनानक – नानक बाणी, जयराम मिश्र, मित्र प्रकाशन पप्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद (पद संख्या – 9, 12, 22, 38 एवं 16{1})
- मलिक मुहम्मद जायसी – पदमावत, रामचंद्र शुक्ल (संपादक), लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली (पद – षट् ऋतु वर्णन खंड : 2, 5, 6, 9 एवं 10)
- जयशंकर प्रसाद – कामायनी, विश्वंभर मानव, लोकभारती प्रकाशन, नयी दिल्ली (पद – आनंद सर्ग : 47, 52, 57, 77 एवं 78)

इकाई – 4 : हिंदी साहित्य में सांस्कृतिक चिंतन एवं दृष्टि (गद्य) **(12 घंटे)**

- हजारी प्रसाद द्विवेदी – भारतीय संस्कृति की देन (निबंध)
- विद्यानिवास मिश्र – हल्दी – दूब और दधि – अच्छत (निबंध)
- फणीश्वरनाथ रेणु – सिरपंचमी का सगुन (कहानी)
- कुबेर नाथ राय – रस आखेटक (निबंध)

सहायक ग्रंथ :

1. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. दिनकर, रामधारी सिंह; संस्कृति के चार अध्याय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. गुलाबराय, बाबू; भारतीय संस्कृति की रूपरेखा, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
4. बदरीनारायण; लोक संस्कृति में इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
5. अग्रवाल, वासुदेवशरण; कला और संस्कृति, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, बिहार।
6. उपाध्याय, कृष्णदेव; लोक संस्कृति, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
7. पांडेय; गोविंद चंद्र, वैदिक संस्कृति, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
8. धर्मपाल; भारतीय चित्त, मानस और काल, पुस्तकायन ट्रस्ट, अहमदाबाद, गुजरात।

2. नाट्य रूपांतरण

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VIII – GE
नाट्य रूपांतरण

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE नाट्य रूपांतरण	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- हिंदी नाट्य साहित्य के अंतर्गत नाट्य रूपांतरण के इतिहास से परिचित कराना।
- नाट्य रूपांतरण की प्रक्रिया और तकनीक की जानकारी प्रदान करना।
- रूपांतरण हेतु संपादन कला की समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी हिंदी नाट्य साहित्य के अंतर्गत नाट्य रूपांतरण के इतिहास से परिचित होंगे।
- नाट्य रूपांतरण की प्रक्रिया और तकनीक की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- रूपांतरण हेतु संपादन कला की समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 : नाट्य रूपांतरण की अवधारणा (9 घंटे)

- नाट्य रूपांतरण : अर्थ एवं स्वरूप
- नाट्य रूपांतरण : प्रक्रिया
- नाट्य रूपांतरण : रंग तकनीक
- नाट्य रूपांतरण हेतु संपादन

इकाई – 2 : हिंदी कहानी का रंगमंच (12 घंटे)

- हिंदी कहानी का रंगमंच : इतिहास
- संपादन की प्रक्रिया और नाट्य रूपांतरण
- कहानी : मूल पाठ का संरक्षण और रंग-आलेख
- तीन एकांत : देवेंद्रराज अंकुर द्वारा किया गया नाट्य रूपांतरण

इकाई – 3 : हिंदी उपन्यास का रंगमंच (12 घंटे)

- हिंदी उपन्यास के रंगमंच की विकास यात्रा
- उपन्यास के संपादन एवं रूपांतरण की रंग तकनीक
- उपन्यास के मूल पाठ का संरक्षण और रंग-आलेख
- कुरु कुरु स्वाहा : रंजीत कपूर द्वारा किया गया नाट्य रूपांतरण

इकाई – 4 : हिंदी कविता का रंगमंच (12 घंटे)

- हिंदी कविता के रंगमंच की विकास-यात्रा
- कविता का संपादन एवं रंग-तकनीक
- काव्य नाट्य रूपांतरण : मूल पाठ का संरक्षण
- राम की शक्ति पूजा : व्योमेश शुक्ल द्वारा किया गया नाट्य रूपांतरण

सहायक ग्रंथ :

1. वर्मा, निर्मल; तीन एकांत (धूप का एक टुकड़ा, डेढ़ इंच ऊपर, वीक एंड), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. आनंद, महेश; कहानी का रंगमंच, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नयी दिल्ली।
3. अंकुर, देवेंद्रराज; रंग कोलाज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. आनंद, महेश; रंग दस्तावेज़, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नयी दिल्ली।
5. शुक्ल, व्योमेश; झांकी (नाट्यालेख), राम की शक्ति पूजा।
6. आनंद, महेश / अंकुर, देवेंद्रराज; रंगमंच के सिद्धांत, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. अंकुर, देवेंद्रराज; रंगमंच का सौंदर्यशास्त्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. https://www.youtube.com/watch?v=WnoNKhwPAts : देवेंद्रराज अंकुर से अमिताभ श्रीवास्तव की बातचीत।
9. Adaptation in contemporary Theatre: Performing Literature, Frances, Bloomsbury Collections, New York, USA.

3. हिंदी शिक्षण

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VIII – GE
हिंदी शिक्षण

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी शिक्षण	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- भाषा शिक्षण की अवधारणा, महत्व, राष्ट्रीय, सामाजिक और शैक्षिक संदर्भ से परिचित कराना।
- भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाओं का ज्ञान देना।
- हिंदी शिक्षण के अंतर्गत भाषाई कौशलों एवं भाषा परीक्षण की विभिन्न पद्धतियों की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी भाषा शिक्षण की अवधारणा और महत्व से परिचित हो सकेंगे।
- भाषा शिक्षण की संकल्पनाओं और राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक एवं भाषिक संदर्भों को जान सकेंगे।
- विभिन्न भाषाई कौशलों के साथ शिक्षण, मीडिया, अभिनय आदि क्षेत्र में प्रतिभा का विकास कर सकेंगे।

इकाई – 1 : भाषा शिक्षण की अवधारणा **(9 घंटे)**

- भाषा शिक्षण का अभिप्राय एवं उद्देश्य
- भाषा शिक्षण का राष्ट्रीय, सामाजिक, शैक्षिक और भाषिक संदर्भ
- शिक्षण और प्रशिक्षण
- अर्जन और अधिगम

इकाई – 2 : भाषा शिक्षण की आधारभूत संकल्पनाएं एवं शिक्षण विधियां **(12 घंटे)**

- प्रथम भाषा, मातृ भाषा तथा अन्य भाषा (द्वितीय एवं विदेशी) की संकल्पना
- मातृ भाषा तथा अन्य भाषा शिक्षण के उद्देश्य
- मातृ भाषा, द्वितीय भाषा और विदेशी भाषा का शिक्षण
- सामान्य और विशिष्ट प्रयोजन के लिए भाषा शिक्षण
- भाषा शिक्षण की विभिन्न विधियां (प्रत्यक्ष, व्याकरण अनुवाद, श्रव्य भाषा एवं अन्य विधियां)

इकाई – 3 : हिंदी शिक्षण **(12 घंटे)**

- भाषा कौशल – सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना
- हिंदी का मातृभाषा के रूप में शिक्षण
- द्वितीय भाषा के रूप में शिक्षण
- विदेशों में हिंदी भाषा शिक्षण

इकाई – 4 : भाषा परीक्षण और मूल्यांकन **(12 घंटे)**

- भाषा परीक्षण की संकल्पना
- भाषा मूल्यांकन की संकल्पना
- भाषा परीक्षण के विविध प्रकार
- मूल्यांकन के प्रकार

सहायक ग्रंथ :

1. श्रीवास्तव, डॉ. रवींद्रनाथ; भाषा शिक्षण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. श्रीवास्तव, डॉ. रवींद्रनाथ; अनुपयुक्त भाषा विज्ञान : सिद्धांत एवं प्रयोग, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
3. सिंह, अमर बहादुर; अन्य भाषा शिक्षण के कुछ पक्ष (संपादित), केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।
4. वर्मा, ब्रजेश्वर; भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान (संपादित), केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा।
5. तिवारी, भोलानाथ; हिंदी भाषा शिक्षण, लिपि प्रकाशन, दिल्ली।
6. शर्मा,बीना; हिंदी शिक्षण का अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य, नयी किताब, दिल्ली।
7. भोसले, सदानंद; हिंदी भाषा शिक्षण (संपादित), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. सिंह, पांडेय, गुप्ता, डॉ. सावित्री, डॉ. शिवपूजन, डॉ. महिमा; हिंदी शिक्षण, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ।
9. सिंह, प्रो. दिलीप; भाषा, साहित्य और संस्कृति शिक्षण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. भाटिया, डॉ. कैलाशचंद; आधुनिक भाषा शिक्षण, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली।
11. बालकुमार, एम. (संपादक); सूचना युग में हिंदी शिक्षण एवं परीक्षण : समस्याएं एवं परिप्रेक्ष्य, भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर, कर्नाटक।

4. हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग -2)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Hons.) Hindi
सेमेस्टर VIII – GE
हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग 2)

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
GE हिंदी साहित्य का इतिहास (भाग 2)	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objectives):

- आधुनिक हिंदी साहित्य के इतिहास की जानकारी प्रदान करना।
- आधुनिकता की अवधारणा विकसित करना।
- हिंदी गद्य की विकास यात्रा से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- आधुनिक हिंदी साहित्य के इतिहास का ज्ञान हो सकेगा।
- आधुनिकता के स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
- हिंदी गद्य की विकास यात्रा से परिचित हो सकेंगे।

इकाई – 1 : भारतेंदु एवं द्विवेदी काल (12 घंटे)

- आधुनिकता एवं नवजागरण की अवधारणा
- भारतेंदु युग और स्वाधीनता आंदोलन
- द्विवेदी भारतेंदु युग : खड़ी बोली आंदोलन

इकाई – 2 : छायावाद, प्रगतिवाद और प्रयोगवाद (12 घंटे)

- छायावाद: अर्थ, स्वरूप एवं प्रवृत्तियां
- प्रगतिवाद: अर्थ, स्वरूप एवं प्रवृत्तियां
- प्रयोगवाद: अर्थ, स्वरूप एवं प्रवृत्तियां

इकाई – 3 : नयी कविता एवं अन्य काव्य धाराएं (9 घंटे)

- नयी कविता
- साठोत्तरी कविता
- समकालीन कविता

इकाई – 4 : हिंदी गद्य साहित्य : उद्भव एवं विकास (12 घंटे)

- कथा साहित्य : कहानी एवं उपन्यास
- नाटक, निबंध और अन्य गद्य विधाएं
- आलोचना

सहायक ग्रंथ :

1. शुक्ल, रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
2. त्रिपाठी, विश्वनाथ; हिंदी साहित्य का सरल इतिहास, ओरिएंट ब्लैकस्वान, नोएडा, उत्तर प्रदेश।
3. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; हिंदी साहित्य एवं संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
4. डॉ. नगेंद्र, डॉ. हरदयाल (संपादक); हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर बुक्स, दिल्ली।
5. सिंह, बच्चन; हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
6. वाजपेयी, नंददुलारे; आधुनिक साहित्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. गुप्त, गणपति चंद्र; हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
8. सिंह, नामवर; छायावाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. सिंह, नामवर; आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
10. तिवारी, रामचंद्र; हिंदी का गद्य साहित्य, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
11. सिंह, बच्चन; आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
12. शाह, रमेशचंद्र; छायावाद की प्रांसगिकता, वाग्देवी पॉकेट बुक्स, नोएडा, उत्तर प्रदेश।
13. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; नयी कविता एक साक्ष्य, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
14. मुक्तिबोध, गजानन माधव; नयी कविता का आत्मसंघर्ष, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
15. शर्मा, रामविलास; नयी कविता और आस्तित्ववाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
16. त्रिपाठी, विश्वनाथ; हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
17. ओझा, डॉ. दशरथ; हिंदी नाटक उद्भव और विकास, राजपाल एंड संस, दिल्ली।

DSC

SEMESTER - VII

(DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

राम काव्य परंपरा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
BA (Prog) With Hindi
Sem VII – DSC14
राम काव्य परंपरा

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC14 राम काव्य परंपरा	4	3	1	—	VI सेमेस्टर उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हिंदी में राम काव्य की परंपरा का समुचित ज्ञान कराना।
- वर्तमान समय में राम कथा की राष्ट्रीय एकता में भूमिका से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी की राम काव्य परंपरा के विषय में ज्ञान अर्जित कर सकेंगे।
- राम कथा के माध्यम से राष्ट्रीय एकता की भावना और मानव मूल्य का परिचय प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई 1 : रामकाव्य : परंपरा और विकास **(9 घंटे)**

- हिंदी में राम काव्य परंपरा का विकास
- रामकथा और राष्ट्रीय भावात्मक एकता

इकाई 2 : भक्तिकालीन रामकाव्य **(12 घंटे)**

- तुलसीदास : विनय पत्रिका (पद संख्या : 45, 156, 168) विनय पत्रिका, सं. [redacted]
- केशवदास : रामचंद्रिका (छब्बीसवाँ प्रकाश) सम नाम महिमा - पद 135-142)

इकाई 3 : रीतिकालीन रामकाव्य **(12 घंटे)**

- गुरु गोविंद सिंह : रामावतार (पद 616-622) दशम ग्रंथ-पहली सैंची, अनुवाद : डॉ. जोधसिंह, भुवन वाणी ट्रस्ट, लखनऊ-द्वितीय संस्करण-1990
- पद्माकर : राम के प्रति (पृष्ठ 211-213) {पद्माकर की काव्य साधना, अखोरी गंगाप्रसाद सिंह, साहित्य सेवा सदन, काशी, 1991 वि.}

इकाई 4 : आधुनिककालीन रामकाव्य **(12 घंटे)**

- मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (चतुर्थ सर्ग - 'यदि न आज वन जाऊँ मैं' से लेकर 'बना रहे वह, यह वर दो!' तक) - साकेत, मैथिलीशरण गुप्त, साहित्य सदन, झांसी, वि. 2021
- अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध : वैदेही वनवास (पद संख्या 46-53, तृतीय सर्ग), हिंदी साहित्य कुटीर, बनारस, 1996 वि.

सहायक ग्रंथ :

1. मिश्र, डॉ. भगीरथ सं. (1987), रामकथा : विविध आयाम, डॉ. रामनाथ त्रिपाठी अभिनंदन समिति और राम-शोध-संस्थान, दिल्ली।
2. बुलके, फादर कामिल (2019), रामकथा : उत्पत्ति और विकास, , लोकभारती प्रकाश, इलाहाबाद।
3. शम्भूनाथ (1974), रामकथा और नए प्रतिमान, विश्वभारती अनुसंधान परिषद, वाराणसी।
4. महाराज, रामकुमार दास जी (1957), वेदों में रामकथा, सेठ श्री ब्रजमोहन दास जी विजय, शुजालपुर।

DSC

SEMESTER - VIII

(DISCIPLINE SPECIFIC COURSE)

हिंदी निबंध

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
BA (Prog) With Hindi
Sem VIII – DSC15
हिंदी निबंध

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC15 हिंदी निबंध	4	3	1	—	VII सेमेस्टर उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- निबंध के उद्भव और विकास से परिचित कराना।
- निबंध की सर्वांगीण समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी निबंध के उद्भव और विकास से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी निबंध की शैलियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई 1 : हिंदी निबंध : स्वरूप और विकास **(9 घंटे)**

- निबंध की परिभाषा और स्वरूप
- हिंदी निबंध का संक्षिप्त इतिहास

इकाई 2 : हिंदी निबंध पाठ 1 **(12 घंटे)**

- प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य
- अध्यापक पूर्ण सिंह : आचरण की सभ्यता

इकाई 3 : हिंदी निबंध पाठ 2 **(12 घंटे)**

- हजारी प्रसाद द्विवेदी : देवदारु
- विद्यानिवास मिश्र : मेरे राम का मुकुट भीग रहा है

इकाई 4 : हिंदी निबंध पाठ 3 **(12 घंटे)**

- वासुदेव शरण अग्रवाल – संस्कृति का स्वरूप
- नर्मदा प्रसाद उपाध्याय – कुंभ : मनुष्यता की अमर यात्रा का संकल्प पर्व

सहायक ग्रंथ :

1. माचवे, प्रभाकर; हिंदी निबंध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. जिज्ञासु, मोहनलल; हिंदी गद्य का विकास, मेहरचंद लक्ष्मणदास, दिल्ली।
3. भारद्वाज, विदुषी; हिंदी का ललित निबंध साहित्य और आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राधा पब्लिकेशन।
4. मिश्र, विभुराम; ज्योतिश्वर मिश्र, प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।

1. मीरा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Prog.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSE
मीरा

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE मीरा	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को मीरा के जीवन एवं व्यक्तित्व से परिचित कराना।
- भक्ति आंदोलन के संदर्भ में मीरा के साहित्यिक योगदान से अवगत कराना।
- मीरा के काव्य के विविध पहलुओं की विशिष्ट जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी मीरा के जीवन एवं व्यक्तित्व से परिचित हो सकेंगे।
- भक्ति आंदोलन के संदर्भ में मीरा के साहित्यिक योगदान को जान पाएंगे।
- मीरा के काव्य के विविध पहलुओं की विशिष्ट समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 : मीरा का जीवनवृत्त एवं समय (12 घंटे)

- मीरा का जीवन (जन्म, विवाह, परिवार, शिक्षा-दीक्षा, मृत्यु)
- मीरा का समय (सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियां)
- भक्ति आंदोलन एवं मीरा
- भारतीय भक्त कवियों में मीरा का स्थान

इकाई – 2 : मीरा का साहित्यिक व्यक्तित्व (12 घंटे)

- मीरा की रचनाएं
- प्रेम-भावना
- भक्ति-भावना (सगुण भक्ति, माधुर्य भक्ति, दांपत्य भक्ति, पाद सेवन, भजन-कीर्तन)
- विरह की अनुभूति (पूर्व-राग, मान, प्रवास)
- राजसत्ता का विरोध, स्त्री चेतना, लोक संस्कृति एवं परंपरा का चित्रण

इकाई – 3 : मीरा की काव्यकला / अभिव्यक्ति विधान (9 घंटे)

- भाषा-शैली
- गीतात्मकता / लयात्मकता
- छंद विधान एवं अलंकार विधान

इकाई – 4 : पाठपरक अध्ययन (मीरांबाई की पदावली – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी, संपादक) (12 घंटे)

- पद संख्या – 3, 7, 10, 18, 19, 25, 32, 34, 36, 38, 44, 46, 48, 51, 66, 74 (कुल 16 पद)

सहायक ग्रंथ :

1. चतुर्वेदी, आचार्य परशुराम (संपादक); मीरांबाई की पदावली, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
2. त्रिपाठी, विश्वनाथ; मीरा का काव्य, हिंदुस्तान प्रिंटर्स, दिल्ली।
3. हाड़ा, माधव; पचरंग चोला पहर सखी री (मीरां का जीवन और समाज), वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. पल्लव (संपादक); मीरा : एक पुनर्मूल्यांकन, आधार प्रकाशन, पंचकूला, हरियाणा।
5. चतुर्वेदी, परशुराम; उत्तर भारत की संत परंपरा, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
6. सिन्हा, सावित्री; मध्यकालीन हिंदी कवयित्रियां, आत्माराम एण्ड संस प्रकाशन, दिल्ली।
7. लाल, डॉ. श्रीकृष्ण; मीरांबाई (जीवन, चरित और आलोचना), हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयागराज।
8. तिवारी, डॉ. भगवानदास; मीरां की भक्ति और उनकी काव्य-साधना का अनुशीलन, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद।
9. श्रीवास्तव, प्रो. मुरलीधर; मीरां दर्शन, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद।
10. माधव, डॉ. भुनेश्वरनाथ मिश्र; मीरा की प्रेम-साधना, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

2. घनानंद

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Prog.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSE
घनानंद

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE घनानंद	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को रीतिकालीन काव्य परंपरा की जानकारी देना।
- घनानंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को रेखांकित करना।
- घनानंद के काव्य-वैशिष्ट्य से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी रीतिकालीन काव्य परंपरा की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- घनानंद के काव्य की विशिष्टाओं से परिचित होंगे।
- रीतिमुक्त काव्य परंपरा में घनानंद का महत्व समझ सकेंगे।

इकाई – 1 : रीतिकालीन काव्य और घनानंद (12 घंटे)

- रीतिकालीन काव्य पृष्ठभूमि, परिवेश एवं परिस्थितियां
- रीतिकालीन काव्य की प्रवृत्तियां
- रीतिकालीन काव्यधारा और अन्य कवि
- स्वच्छंदतावादी काव्यधारा और घनानंद

इकाई – 2 : घनानंद : व्यक्ति और रचनाकार (9 घंटे)

- घनानंद का रचनाकार व्यक्तित्व एवं रचनाएं
- घनानंद के काव्य का आधार
- घनानंद का काव्य-वैशिष्ट्य : प्रेम और विरह की अभिव्यक्ति

इकाई – 3 : घनानंद की काव्य-कला (12 घंटे)

- घनानंद की कविता में प्रयुक्त काव्य रूप
- घनानंद की काव्य भाषा और भाषा-संबंधी प्रयोग
- घनानंद के काव्य में उपमा, रूपक, बिंब एवं प्रतीक
- रीतिमुक्त का संदर्भ : भाव एवं शिल्प

इकाई – 4 : पाठपरक अध्ययन (12 घंटे)

- घनानंद कवित्त – पद संख्या : 2, 5, 6, 7, 8, 12, 15, 24, 27, 39, 60, 71, 79, 82, 84, 90 (कुल 16 पद)

सहायक ग्रंथ :

1. मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद; घनानंद कवित्त, वाणी वितान प्रकाशन, वाराणसी।
2. शुक्ल, रामदेव; घनानंद का काव्य, लोक भारती प्रकाशन, दिल्ली।
3. वशिष्ठ, राम; महाकवि घनानंद, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
4. राय, लल्लन; घनानंद, साहित्य अकादमी प्रकाशन, दिल्ली।
5. शुक्ल, रामचंद्र; रस मीमांसा, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
6. गौड़, डॉ. मनोहर लाल; घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
7. लाल, किशोरी; घनानंद सुजान शतक, मधु प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. सिन्हा, डॉ. उषा; घनानंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व, कीकत पब्लिकेशन, दिल्ली।

3. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Prog.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSE
सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों को साहित्यकार के रूप में सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की रचना-दृष्टि से परिचित कराना।
- हिंदू नवोत्थान, स्वराज की भावना और छायावाद के विकास में निराला साहित्य के साहित्यिक-सांस्कृतिक योगदान को रेखांकित करना।
- आधुनिक हिंदी साहित्य में मुक्त छंद, नवीन अलंकार-योजना, अर्थ-गांभीर्य और लालित्य-सृजन के स्वरूप की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के रचनाकर्म से परिचित हो सकेंगे।
- हिंदी नवजागरण, स्वराज की भावना और छायावाद के विकास में निराला के साहित्यिक-सांस्कृतिक अवदान को रेखांकित कर सकेंगे।
- निराला साहित्य के अध्ययन के साथ-साथ तत्कालीन हिंदी गद्य साहित्य के बदलते स्वरूप और भाषा-शिल्प प्रयोगों की समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 : हिंदू नवोत्थान, नवजागारण, छायावादी काव्य और सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (12 घंटे)

- हिंदू नवोत्थान : पृष्ठभूमि, प्रमुख चिंतक, रचनाएं और उनके विचार
- सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के साहित्य निर्माण की पृष्ठभूमि और साहित्य संबंधी दृष्टिकोण
- छायावादी कविता का सौंदर्य-विधान और निराला साहित्य में उसकी अभिव्यक्ति

इकाई – 2 : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की काव्य-दृष्टि (9 घंटे)

- स्वराज की जिजिविषा और निराला का काव्य
- छायावादी कविता का उत्कर्ष काल : निराला का प्रदेय
- स्वाधीनता के पश्चात निराला की साहित्य चेतना, भाषा एवं शिल्प में अभिनव प्रयोग

इकाई – 3 : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला': गद्य-साहित्य (12 घंटे)

- हिंदी की प्रमुख गद्य-विधाएं और निराला का गद्य साहित्य
- पत्रकार 'निराला' : वैचारिक और सांस्कृतिक पक्ष
- कथा साहित्य में लोक जीवन की अभिव्यक्ति, सामाजिक-सांस्कृतिक आयाम
- भाषा और शिल्प-संरचना

इकाई – 4 : सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला': पाठपरक अध्ययन (12 घंटे)

- **कविता :** भारत वंदना, तुलसीदास, वर दे! वीणावादिनी, अभी न होगा मेरा अंत
- **निबंध :** खड़ीबोली के कवि और कविता, साहित्य का आदर्श
- **उपन्यास :** प्रभावती (व्याख्या हेतु, परिच्छेद 1 से 12 तक)
- **कहानी :** देवी, भक्त और भगवान
- **संस्मरण :** महर्षि दयानंद सरस्वती और युगांतर
- **बाल साहित्य :** महाभारत (व्याख्या हेतु प्रारंभ से 98 पृष्ठ तक)

सहायक ग्रंथ :

1. नवल, नंद किशोर (संपादक); निराला रचनावली (भाग 1 से 8), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. सरस्वती, स्वामी दयानंद; सत्यार्थ प्रकाश, आर्य साहित्य प्रचार ट्रस्ट, दिल्ली।
3. वाजपेयी, नंददुलारे; कवि निराला, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
4. शर्मा, रामविलास; निराला की साहित्य साधना (तीन खंड), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. दीक्षित, सूर्यप्रसाद; निराला समग्र, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ।
6. वाजपेयी, नंददुलारे; आधुनिक साहित्य : सृजन और समीक्षा, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
7. सिंह, दूधनाथ; निराला : आत्महंता आस्था, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
8. सिंह, नामवर; छायावाद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

4. रघुवीर सहाय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Prog.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSE
रघुवीर सहाय

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE रघुवीर सहाय	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों को रचनाकार के रूप में रघुवीर सहाय के व्यक्तित्व और कृतित्व से परिचित कराना।
- साठोत्तरी हिंदी रचनाशीलता में रघुवीर सहाय के साहित्यिक-सांस्कृतिक योगदान को रेखांकित करना।
- रघुवीर सहाय की रचनाधर्मिता और प्रयोगों की जानकारी प्रदान करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी रघुवीर सहाय के साहित्यिक योगदान से परिचित हो सकेंगे।
- साठोत्तरी हिंदी रचनाशीलता में रघुवीर सहाय के साहित्यिक-सांस्कृतिक अवदान को समझेंगे।
- रघुवीर सहाय की रचनाधर्मिता और प्रयोगों की समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 : स्वातंत्र्योत्तर रचनाशीलता और रघुवीर सहाय : सामान्य परिचय (12 घंटे)

- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता : परिवेश एवं पृष्ठभूमि
- नयी कविता, साठोत्तरी कविता, अकविता, समकालीन कविता
- रघुवीर सहाय का रचनात्मक योगदान : पत्रकारिता, कहानी, बाल साहित्य, नाटक, समीक्षा और अनुवाद साहित्य
- रघुवीर सहाय की रचनाशीलता : सामाजिक आधार

इकाई – 2 : रघुवीर सहाय : काव्य पक्ष (9 घंटे)

- रघुवीर सहाय की वैचारिक पृष्ठभूमि, काव्य की अंतर्वस्तु और कविता संबंधी विचार
- रघुवीर सहाय की कविता के मुख्य सरोकार : स्त्री, जाति, राजनीति और भाषा
- रघुवीर सहाय की काव्य-भाषा एवं शिल्प

इकाई – 3 : रघुवीर सहाय : पत्रकारिता एवं कहानियां (12 घंटे)

- दिनमान और रघुवीर सहाय : रघुवीर सहाय की पत्रकारिता की प्रमुख विशेषताएं
- हिंदी पत्रकारिता की नयी शब्दावली और भाषा
- नयी कहानी आंदोलन और रघुवीर सहाय, रघुवीर सहाय की कहानियां : प्रयोग और मूल्य
- कहानियों की शिल्प-संरचना

इकाई – 4 : रघुवीर सहाय : पाठपरक अध्ययन (12 घंटे)

- **कविता :** स्वाधीन व्यक्ति, हँसो-हँसो जल्दी हँसो, अधिनायक, हिंदी
- **कहानी :** रास्ता इधर से है, ग्यारहवीं कहानी
- **साहित्यिक लेख :** परंपरा और प्रगति, चुनौती साहित्य देता है
- **पत्रकारिता :** मध्यवर्ग – हिंसा में मनोरंजन का नया विषय

सहायक ग्रंथ :

1. शर्मा, सुरेश (संपादक); रघुवीर सहाय रचनावली (खंड 1 से 6), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. शर्मा, सुरेश; रघुवीर सहाय का कवि-कर्म, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. सिंह, नामवर, कहानी नयी कहानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. जोशी, मनोहर श्याम, रचनाओं के बहाने एक स्मरण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. वाजपेयी, अशोक, कवि कह गया है, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. नागर एवं जैदी, विष्णु एवं असद (संपादक); रघुवीर सहाय, आधार प्रकाशन, दिल्ली।
7. सिंह, नामवर; कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. मिश्र, अच्युतानंद; तीन श्रेष्ठ कवियों का हिंदी पत्रकारिता में अवदान (अज्ञेय, रघुवीर सहाय, धर्मवीर भारती), राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली।
9. नागर, विष्णु; असहमति में उठा एक हाथ (रघुवीर सहाय की जीवनी), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

5. कृष्णा सोबती

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Prog.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSE
कृष्णा सोबती

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE कृष्णा सोबती	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों को हिंदी कहानी लेखन की संक्षिप्त परंपरा और उसमें कृष्णा सोबती के साहित्यिक अवदान से परिचित करना।
- स्त्री संदर्भित सवालों के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करना।
- हिंदी स्त्री-लेखन की समृद्ध परंपरा से परिचित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी स्त्री लेखन के गांभीर्य को समझेंगें।
- स्त्री संदर्भित सवालों के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास होगा।
- हिंदी स्त्री-लेखन की समृद्ध परंपरा से परिचित होंगे।

इकाई – 1 : कृष्णा सोबती का रचनाकर्म और परिवेश (9 घंटे)

- स्वतंत्र्योत्तर हिंदी कहानी की विकास यात्रा
- हिंदी में स्त्री लेखन की परंपरा और कृष्णा सोबती का स्थान
- कृष्णा सोबती का रचनाकार जीवन और परिवेश

इकाई – 2 : कृष्णा सोबती का कथा साहित्य : पाठपरक अध्ययन (12 घंटे)

- मित्रो मरजानी (व्याख्येय अंश, प्रथम 50 पृष्ठ)
- ऐ लड़की (व्याख्येय अंश, प्रथम 50 पृष्ठ)
- सिक्का बदल गया
- दादी-अम्मा

इकाई – 3 : कृष्णा सोबती का कथेतर साहित्य : पाठपरक अध्ययन (12 घंटे)

- **निबंध :** भारतीय संस्कृति और बदलते मूल्य (हम हशमत, भाग 4)
- **यात्रावृत्तांत :** बुद्ध का कमंडल 'लद्दाख' (व्याख्येय अंश, प्रथम 20 पृष्ठ)
- **संस्मरण :** जयदेव (शब्दों के आलोक में)
- **आत्मकथात्मक अंश :** मैं, मेरा समय और मेरा रचना संसार (सोबती : एक सोहबत)

इकाई – 4 : आलोचनात्मक दृष्टि (12 घंटे)

- नई कहानी आंदोलन में कृष्णा सोबती का योगदान
- स्त्री विमर्श और कृष्णा सोबती का कथा-संसार
- कृष्णा सोबती के साहित्य में विभाजन की त्रासदी और मानवीय संबंधों का चित्रण
- कृष्णा सोबती की भाषा-शैली (कहानी, उपन्यास और अन्य गद्य विधाओं के संदर्भ में)

सहायक ग्रंथ :

1. सोबती, कृष्णा; मित्रो मरजानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. सोबती, कृष्णा; बादलों के घेरे, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. सोबती, कृष्णा; बुद्ध का कमंडल 'लद्दाख', राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. सोबती, कृष्णा; ऐ लड़की, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. सोबती, कृष्णा; हम हशमत (भाग 4), राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. सोबती, कृष्णा; शब्दों के आलोक में, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. सोबती, कृष्णा; सोबती : एक सोहबत, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
8. माधव, नीरजा; हिंदी साहित्य का ओझल नारी इतिहास (1857-1947), सामयिक बुक्स, दिल्ली।
9. सिंह, नामवर, कहानी नई कहानी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
10. राठी, गिरधर; दूसरा जीवन : कृष्णा सोबती की जीवनी, सेतु प्रकाशन, दिल्ली।
11. सिंह, सुधा, ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ, ग्रंथ शिल्पी, दिल्ली।
12. Paul & Sethi, Sukrita & Rekha (Editor); Krishna Sobti: A Counter Archive, Routledge India.
13. वर्मा, कंचन; साझी संस्कृति, देश-विभाजन और कृष्णा सोबती का रचना संसार, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली।
14. सिंह, सुधा / चतुर्वेदी, जगदीश्वर (संपादक); हिंदी साहित्येतिहास का वैकल्पिक परिप्रेक्ष्य, स्त्री-अस्मिता और साहित्य, हंस प्रकाशन, दिल्ली।

6. हरिशंकर परसाई

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Prog.) Hindi
सेमेस्टर VII – DSE
हरिशंकर परसाई

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical / Practice		
DSE हरिशंकर परसाई	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हरिशंकर परसाई की व्यंग्य रचनाओं से परिचित कराना।
- विधा के रूप में व्यंग्य के महत्व को समझाना।
- व्यंग्यकार के रूप में हरिशंकर परसाई के योगदान से परिचय कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में व्यंग्यात्मक साहित्य के सामाजिक राजनीतिक अध्ययन की समझ विकसित होगी।
- साहित्य और समाज के पारस्परिक संबंधों की पहचान होगी।
- हरिशंकर परसाई की व्यंग्य रचनाओं का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।

इकाई – 1 : हरिशंकर परसाई और व्यंग्य साहित्य (12 घंटे)

- व्यंग्य का अर्थ एवं परिभाषा
- हास्य और व्यंग्य में अंतर
- हिंदी व्यंग्य की परंपरा और हरिशंकर परसाई का स्थान
- प्रमुख हिंदी व्यंग्यकार : श्रीलाल शुक्ल, शरद जोशी, सूर्यबाला

इकाई – 2 : हरिशंकर परसाई का रचनात्मक वैशिष्ट्य (9 घंटे)

- हरिशंकर परसाई : व्यक्ति और रचना-कर्म
- हरिशंकर परसाई के व्यंग्य लेखन की विशेषताएं : कथ्य और शिल्प
- हरिशंकर परसाई का कॉलम लेखन : 'कल्पना' से 'देशबंधु' तक

इकाई – 3 : व्यंग्य निबंधकार के रूप में हरिशंकर परसाई : पाठपरक अध्ययन – 1 (12 घंटे)

- **निबंध :** कर कमल हो गए, ठिठुरता हुआ गणतंत्र, अकाल-उत्सव, विकलांग श्रद्धा का दौर, बेईमानी की परत (प्रतिनिधि व्यंग्य : हरिशंकर परसाई)

इकाई – 4 : कथाकार के रूप में हरिशंकर परसाई : पाठपरक अध्ययन – 2 (12 घंटे)

- **कहानी :** सुदामा के चावल
- **उपन्यास :** रानी नागफनी की कहानी (व्याख्या हेतु प्रथम 50 पृष्ठ)

सहायक ग्रंथ :

1. त्रिपाठी, विश्वनाथ; हरिशंकर परसाई देश के इस दौर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. गुप्त, विजय (संपादक); कथा शिखर हरिशंकर परसाई, कौटिल्य बुक्स, दिल्ली।
3. प्रसाद, कमला (संपादक); आँखन देखी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. त्रिपाठी, सेवाराम; हरिशंकर परसाई : पुनर्पाठ और पुनर्विचार, न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, दिल्ली।
5. प्रकाश, स्वयं; हमसफ़रनामा, अंतिका प्रकाशन, गाजियाबाद।
6. परसाई, हरिशंकर; पूछो परसाई से, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. पल्लव (संपादक); शताब्दी स्मरण : हरिशंकर परसाई विशेषांक, बनास जन, अंक 62, 2023, दिल्ली।
8. परसाई, हरिशंकर; प्रतिनिधि व्यंग्य, राजकमल पेपरबैक्स, दिल्ली।

1. रंगभूमि

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Prog.) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSE
रंगभूमि

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE रंगभूमि	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हिंदी उपन्यास की परंपरा से परिचय करवाना।
- प्रेमचंद के व्यक्तित्व, विचार एवं रचना-संसार से परिचय करवाना।
- उपन्यास के तत्वों का ज्ञान और उनके आधार पर विशिष्ट कृति का अध्ययन करवाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी हिंदी साहित्य में प्रेमचंद के शब्द और कर्म से परिचित हो सकेंगे।
- यथार्थवाद, आदर्शवाद, गांधीवाद, सत्याग्रह जैसे पदों से परिचित हो सकेंगे।
- रंगभूमि के संदर्भ में उपन्यास के विभिन्न तत्वों की समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 : रचनाकार एवं युग परिचय (9 घंटे)

- प्रेमचंद : शब्द और कर्म (कथाकार, संपादक, विचारक)
- युगीन परिस्थितियां
- हिंदी उपन्यास की परंपरा और प्रेमचंद के उपन्यासों के विषय : एक परिचय

इकाई – 2 : अंतर्वस्तु का विन्यास (12 घंटे)

- कथानक
- केंद्रीय समस्या
- पात्र-योजना
- दृष्टिबाधित समाज : सामाजिक समायोजन की समस्याएं

इकाई – 3 : कृति का पाठ (12 घंटे)

- युगीन संदर्भ (स्वाधीनता आंदोलन, गांधीवाद, सत्याग्रह, अहिंसा)
- सूरदास पर गांधी की छाया
- औपनिवेशिक सत्ता संरचना, भूमि अधिग्रहण, विकास का मॉडल
- आदर्शोन्मुख यथार्थवाद

इकाई – 4 : रंगभूमि : कथा-कौशल (12 घंटे)

- औपन्यासिक शिल्प
- भाषा, बिंब, प्रतीक, दृश्यात्मकता
- संवाद-योजना
- रंगभूमि की महाकाव्यात्मकता

सहायक ग्रंथ :

1. देवी, शिवरानी; प्रेमचंद घर में, रोशनाई प्रकाशन, कोलकाता।
2. राय, अमृत; प्रेमचंद : कलम का सिपाही, हंस प्रकाशन, दिल्ली।
3. गोपाल, मदन; कलम का मजदूर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. शर्मा, रामविलास; प्रेमचंद और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. मिश्र, रामदरस; हिंदी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. तलवार, वीर भारत; किसान, राष्ट्रीय आंदोलन और प्रेमचंद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. आचार्य, नंदकिशोर (संपादक); प्रेमचंद का चिंतन, वाग्देवी प्रकाशन, बीकानेर।
8. गिरि, राजीव रंजन; अथ : साहित्य पाठ और प्रसंग, अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली।

2. शृंखला की कड़ियाँ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Prog.) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSE
शृंखला की कड़ियां

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE शृंखला की कड़ियां	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों को महादेवी वर्मा के निबंध साहित्य में स्त्री-संबंधी विचारों से अवगत कराना।
- स्त्री-विमर्श के क्षेत्र में 'शृंखला की कड़ियां' के वैचारिक अवदान से परिचित कराना।
- महादेवी वर्मा की दृष्टि से स्त्री की समाज में स्थिति और विविध समस्याओं से परिचित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी महादेवी वर्मा की दृष्टि से स्त्री की समाज में दशा और दिशा से परिचित होंगे।
- विचारात्मक निबंध विधा की विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे।
- स्त्री-प्रश्न पर सामूहिक विमर्श की पूर्व-पीठिका के रूप में 'शृंखला की कड़ियां' के महत्व को समझ सकेंगे।

इकाई – 1 : महादेवी वर्मा की रचनात्मकता और उनका समय (9 घंटे)

- छायावाद की पृष्ठभूमि और महादेवी वर्मा का लेखन
- हिंदी नवजागरण और स्त्री प्रश्न
- संपादक महादेवी : विचार और वैशिष्ट्य

इकाई – 2 : शृंखला की कड़ियां : वैचारिक और शिल्पगत अध्ययन (12 घंटे)

- शृंखला की कड़ियां : संवेदना और यथार्थ
- शृंखला की कड़ियां और स्त्री विमर्श
- भारतीय सामाजिक-आर्थिक संरचना और शृंखला की कड़ियां
- शृंखला की कड़ियां : भाषा और शिल्प संरचना

इकाई – 3 : शृंखला की कड़ियां : पाठपरक अध्ययन – 1 (12 घंटे)

- समाज और व्यक्ति
- नारीत्व का अभिशाप
- घर और बाहर
- हमारी समस्याएं

इकाई – 4 : शृंखला की कड़ियां : पाठपरक अध्ययन – 2 (12 घंटे)

- हमारी शृंखला की कड़ियां
- युद्ध और नारी
- आधुनिक नारी
- स्त्री के अर्थ-स्वातंत्र्य का प्रश्न

सहायक ग्रंथ :

1. अनामिका; स्त्री विमर्श का लोकपक्ष, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. कुमार, राधा; स्त्री संघर्ष का इतिहास, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
3. शर्मा, क्षमा; स्त्रीत्व-विमर्श : समाज और साहित्य, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
4. सिंह, प्रो. सुधा; स्त्री संदर्भ में महादेवी, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली।
5. पालीवाल, कृष्णदत्त; नवजागरण और महादेवी के रचनाकर्म में स्त्री विमर्श के स्वर, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली।
6. सिंह, दूधनाथ; महादेवी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
7. जोशी, गोपा; भारत में स्त्री असमानता : एक विमर्श, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
8. अग्रवाल, रोहिणी; स्त्री लेखन : स्वप्न और संकल्प, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. गिरि, राजीव रंजन (संपादक); स्त्री मुक्ति : यथार्थ और यूटोपिया, अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली।

3. माधवी

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Prog.) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSE
माधवी

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE माधवी	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों में पाठ केंद्रित अध्ययन की समझ विकसित करना।
- भीष्म साहनी के रचना संसार का परिचय और 'माधवी' नाटक के वैशिष्ट्य का मूल्यांकन करना।
- 'माधवी' नाटक के विचार और संरचना पर आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में कृति विशेष के अध्ययन की पद्धति और प्रक्रिया की समझ विकसित होगी।
- हिंदी नाटकों की परंपरा में 'माधवी' के कथा-वैशिष्ट्य और प्रासंगिकता का परिचय प्राप्त होगा।
- 'माधवी' नाटक के विचार और संरचना पक्ष की गहन समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 : हिंदी नाटक और भीष्म साहनी (12 घंटे)

- आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच का विकास
- भीष्म साहनी : युग संदर्भ और सृजन-संसार
- हिंदी नाट्य साहित्य परंपरा और 'माधवी'
- हिंदी नाट्य साहित्य : भीष्म साहनी का अवदान

इकाई – 2 : माधवी : विमर्श और अभिव्यक्ति (12 घंटे)

- पौराणिक आख्यान और आधुनिक मूल्यबोध
- पितृसत्तात्मक समाज और स्त्री अस्मिता
- स्त्री-प्रश्न, नैतिकता और सामाजिक मूल्य
- नाटककार का मंतव्य और उसकी अभिव्यक्ति

इकाई – 3 : माधवी : संरचनात्मक वैशिष्ट्य (12 घंटे)

- वस्तु-विन्यास
- पात्र और चरित्र-चित्रण
- संवाद-योजना
- भाषिक विश्लेषण

इकाई – 4 : माधवी : शिल्प और अभिनेयता (9 घंटे)

- दृश्य-योजना
- नाट्य-युक्तियों का प्रयोग
- अभिनेयता और रंगमंचीय संभावनाएं

सहायक ग्रंथ :

1. सिंह, डॉ. बच्चन; हिंदी नाटक, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. ओझा, डॉ. दशरथ; हिंदी नाटक : उद्भव और विकास, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
3. डॉ. नगेंद्र; आधुनिक हिंदी नाटक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. रस्तोगी, डॉ. गिरीश; हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. गायकवाड, डॉ. प्रभाकर; भीष्म साहनी का नाटक साहित्य : संवेदना और शिल्प, विकास प्रकाशन, कानपुर।
6. कश्यप, श्याम; भीष्म साहनी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. तनेजा, डॉ. जयदेव; आज के हिंदी रंग नाटक, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली।
8. साहनी, भीष्म; आज के अतीत, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

4. दोहरा अभिशाप

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Prog.) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSE
दोहरा अभिशाप

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE दोहरा अभिशाप	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- विद्यार्थियों को आत्मकथा विधा की जानकारी प्रदान करना।
- समाज के अध्ययन के लिए आत्मकथा के महत्व को रेखांकित करना।
- 'दोहरा अभिशाप' की पाठगत विशिष्टताओं का अध्ययन कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी आत्मकथा की विधागत जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- साहित्य अध्ययन में आत्मकथा के महत्व से परिचित हो सकेंगे।
- 'दोहरा अभिशाप' पाठ के विभिन्न पक्षों की समझ विकसित होगी।

इकाई – 1 : आत्मकथा का परिचय, इतिहास और विकास (9 घंटे)

- आत्मकथा विधा, अस्मितामूलक साहित्य और कौशल्या बैसंत्री
- आत्मकथा परंपरा और विकास
- दलित स्त्रीवाद के संदर्भ में 'दोहरा अभिशाप'
- आत्मकथा के इतिहास में 'दोहरा अभिशाप'

इकाई – 2 : दोहरा अभिशाप : पाठपरक अध्ययन (12 घंटे)

- दलित समाज का ऐतिहासिक संघर्ष
- भारतीय सामाजिक संरचना : दलित समाज, जातिवाद और पितृसत्ता
- दोहरा अभिशाप : दलित स्त्री की संघर्षशीलता
- स्त्री आत्मकथा लेखन की विशेषताएं

इकाई – 3 : दोहरा अभिशाप : समाजपरक अध्ययन (12 घंटे)

- दलित समाज में मध्यवर्ग का उदय
- दलित स्त्रीवाद का उदय
- दोहरा अभिशाप में चित्रित समय और समाज
- संस्कृतिकरण की जटिलताएं और दलित समाज

इकाई – 4 : दोहरा अभिशाप : कौशल्या बैसंत्री के आत्मकथा लेखन का वैशिष्ट्य (12 घंटे)

- नए दृश्य बिंब और कहन की भंगिमा
- दलित स्त्री आत्मकथा की भाषा
- रचना शिल्प (आत्मकथा या समाजकथा)
- आत्मकथा मूल्यांकन की समस्याएं और 'दोहरा अभिशाप'

सहायक ग्रंथ :

1. मीणा, उमा; आत्मकथा साहित्य : स्मृतियों का प्रत्याख्यान, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
2. चंद्र, सुरेश (संपादक); हिंदी दलित-आत्मकथा साहित्य का मूल्यांकन (खंड 1), अमन प्रकाशन, कानपुर।
3. नैमिशराय, मोहनदास (संपादक); एक सौ दलित आत्मकथाएं : इतिहास एवं विश्लेषण, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. सिंह, तेज (संपादक); अंबेडकरवादी स्त्री-चिंतन (सामाजिक शोषण के खिलाफ आत्मवृत्तात्मक संघर्ष), स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
5. सिंह, डॉ. रामगोपाल; सामाजिक न्याय एवं दलित संघर्ष, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
6. तिलक, रजनी (संपादक); समकालीन भारतीय दलित महिला लेखन, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
7. भारती, अनीता; समकालीन नारीवाद और दलित स्त्री का प्रतिरोध, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
8. राम, नरेश राम; दलित स्त्रीवाद की आत्मकथात्मक अभिव्यक्ति, नई किताब प्रकाशन, दिल्ली।

5. एक दुनिया : समानांतर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Prog.) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSE
एक दुनिया : समानांतर

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE एक दुनिया : समानांतर	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को नई कहानी आंदोलन से परिचित करवाना।
- आजादी के बाद की कहानियों में अभिव्यक्त नए यथार्थ से अवगत करवाना।
- राजेंद्र यादव के साहित्यिक दृष्टिकोण से परिचित करवाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी नई कहानी आंदोलन से परिचित हो सकेंगे।
- आजादी के बाद की बदली हुई सामाजिक परिस्थितियों से परिचित हो सकेंगे।
- नई कहानी त्रयी में राजेंद्र यादव की भूमिका को समझ सकेंगे।

इकाई – 1 : नई कहानी का उदय (9 घंटे)

- नई कहानी आंदोलन की पृष्ठभूमि
- नई कहानी का स्वरूप और विकास
- नई कहानी त्रयी में राजेंद्र यादव की भूमिका और दृष्टिकोण

इकाई – 2 : 'एक दुनिया : समानांतर' में चयन की प्रासंगिकता (12 घंटे)

- यथार्थ की अभिव्यक्ति
- विषय वैविध्य, कथ्य परिवर्तन एवं उपयोगिता
- विडंबना और व्यंग्य
- भाषा और शिल्प की विशिष्टता

इकाई – 3 : पाठपरक अध्ययन – 1 (12 घंटे)

- जिंदगी और जोंक – अमरकांत
- खोई हुई दिशाएं – कमलेश्वर
- परिंदे – निर्मल वर्मा
- तीसरी कसम उर्फ़ मारे गए गुलफ़ाम – फणीश्वरनाथ 'रेणु'

इकाई – 4 : पाठपरक अध्ययन – 2 (12 घंटे)

- यही सच है – मन्नू भंडारी
- टूटना – राजेंद्र यादव
- प्रेत मुक्ति – शैलेश मटियानी
- एक और जिंदगी – मोहन राकेश

सहायक ग्रंथ :

1. यादव, राजेंद्र; एक दुनिया समानांतर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
2. सिंह, नामवर; कहानी नई कहानी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
3. हिंदी कहानी का विकास, मधुरेश, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
4. कमलेश्वर, नई कहानी की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. यादव, राजेंद्र; कहानी : स्वरूप और संवेदना, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. त्रिपाठी, छविनाथ; कहानी कला और उसका विकास, साहित्य सदन, देहरादून।
7. मार्कण्डेय; कहानी की बात, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
8. अवस्थी, देवीशंकर; नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

6. परंपरा का मूल्यांकन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020
B.A. (Prog.) Hindi
सेमेस्टर VIII – DSE
परंपरा का मूल्यांकन

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the course			Pre-requisite of the course (if any)	Content of Course and reference is in
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE परंपरा का मूल्यांकन	4	3	1	—	12वीं उत्तीर्ण	Annexure

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को रामविलास शर्मा की आलोचना-दृष्टि एवं इतिहास-बोध से परिचित कराना।
- हिंदी सहित देश की हजारों वर्षों की साहित्यिक विरासत एवं मान्यताओं का अध्ययन कराना।
- संस्कृत साहित्य से लेकर खड़ीबोली हिंदी के साहित्य तक एक संपूर्ण इतिहास-दृष्टि के साथ-साथ परंपरा और साहित्य के अंतर्संबंधों का बोध कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी रामविलास शर्मा की आलोचना-दृष्टि एवं इतिहास-बोध से परिचित हो सकेंगे।
- हिंदी सहित देश की अन्य साहित्यिक विरासत एवं मान्यताओं का ज्ञान होगा।
- संस्कृत साहित्य से लेकर खड़ीबोली हिंदी के साहित्य तक एक संपूर्ण इतिहास-दृष्टि, परंपरा और साहित्य के अंतर्संबंधों का बोध होगा।

इकाई – 1 : रामविलास शर्मा का रचनाकर्म (9 घंटे)

- रामविलास शर्मा के आलोचनात्मक प्रतिमान : लोकजागरण, नवजागरण, हिंदी जाति
- रामविलास शर्मा की परंपरा संबंधी अवधारणा
- रामविलास शर्मा की इतिहास-दृष्टि

इकाई – 2 : भारतीय परंपरा, हिंदी भाषा और साहित्य (12 घंटे)

- रामविलास शर्मा का 'भाषा', 'समाज' और 'संस्कृति' संबंधी चिंतन
- भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य
- रीतिकाल की अवधारणा
- आधुनिकता की अवधारणा

इकाई – 3 : पाठपरक अध्ययन – 1 (12 घंटे)

- परंपरा का मूल्यांकन
- हिंदी जाति के सांस्कृतिक इतिहास की रूपरेखा
- संत-साहित्य के अध्ययन की समस्याएं
- तुलसी साहित्य के सामंत विरोधी मूल्य

इकाई – 4 : पाठपरक अध्ययन – 2 (12 घंटे)

- रीतिकालीन काव्य-परंपरा
- भारतेंदु हरिश्चंद्र
- प्रेमचंद
- साहित्य में लोकजीवन की प्रतिष्ठा और जयशंकर प्रसाद

सहायक ग्रंथ :

1. शर्मा, रामविलास; परंपरा का मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
2. त्रिपाठी एवं प्रकाश, विश्वनाथ एवं अरुण (संपादक); हिंदी के प्रहरी : डॉ. रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
3. सिंह एवं त्रिपाठी, विजय बहादुर एवं राधा वल्लभ (संपादक); संस्कृति के प्रश्न और रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
4. शिशिर, कर्मेंदु; डॉ. रामविलास शर्मा : नवजागरण एवं इतिहास लेखन, विभा प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. शंभुनाथ; राष्ट्रीय पुनर्जागरण और रामविलास शर्मा, नयी किताब प्रकाशन, दिल्ली।
6. सिंह, प्रो. सुधा; आधुनिक साहित्य और रामविलास शर्मा, स्वराज प्रकाशन, दिल्ली।
7. चतुर्वेदी, जगदीश्वर; रामविलास शर्मा : परवर्ती पूंजीवाद और साहित्येतिहास की समस्याएं, अनामिका प्रकाशन, दिल्ली।
8. वसुधा (पत्रिका), अंक – 51 (रामविलास शर्मा पर केंद्रित)